हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

24 जुलाई, 1998

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार 24 जुलाई, 1998

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4)1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)14
विभिन्न मामले/स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं/अल्प अवधि चर्चाएं आदि उठाना।	(4)22
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—	
पेहवा तथा थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण ट्यूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोड़ों रुपए की फसल नष्ट होने संबंधी।	(4)29
वक्तव्य राजस्व मंत्री द्वारा—	
उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी	(4)30
अध्यक्ष को हटाने के लिए रैजोल्यूशन	(4)32
सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य को नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना	(4)33
बैठक का पुनः स्थगन	(4)36
सदस्य का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना (पुनरारम्भ)	(4)36
अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/बैठक का स्थगन	(4)40
बैठक का समय बढ़ाना	(4)49
बैठक का पुनः स्थगन	(4)49

201

बैठक का समय बढ़ाना (4)49

अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/उसको अस्वीकृत किया जाना (4)49

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4)51

पंजाब के मंत्री श्री सुरजीत सिंह जानी का स्वागत (4)60

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4

बैठक का समय बढ़ाना। (4

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4

बैठक का समय बढ़ाना। (4

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4

बैठक का समय बढ़ाना। (4

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा (

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ) (4)1(

Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 24 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो० छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, अब क्वैश्चंज आवर होगा।

Completion of Garhi Alawalpur Road

*622. **Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the construction work of the road from Garhi Alawalpur to Maheshwari, district Rewari is likely to be completed ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : The construction of this road is likely to be completed by March, 1999.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस सड़क के ऊपर कब काम शुरू हुआ और इसमें कितना खर्चा हो चुका है और यह काम कितने समय से अधूरा पड़ा है। अगर इस सड़क का काम पूरा करना इनके बस की बात नहीं है तो इनको मछली पकड़ने का महकमा दे दो।

Education Minister (Shri Ram Bilas Sharma): Sir, my Hon. friend, Capt. Ajay Singh, had remained as a Minister. Is it the way to ask the question ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, इससे पहले मैं जवाब दूं, कैप्टन अजय सिंह अपने शब्द वापस ले लें उसके बाद मैं जवाब देता हूँ। (शोर)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने ऐसी कोई बात नहीं कही जिसके लिए मैं अपने कहे शब्द वापिस लूं।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, दिसम्बर, 1993 में इस सड़क की ऐडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दी गई थी और लगभग 17½ लाख रूपए इस सड़क पर खर्च होने थे। अगर इतनी कार्यकुशलता इनमें थी, इतने एक्टिव ये अपनी सरकार के समय में थे तो इन्होंने 1996 तक उस सड़क को पूरा क्यों नहीं करवाया। उस सड़क की लम्बाई 1.58 किलोमीटर है जिसमें से 1 किलोमीटर सड़क का काम हो चुका है और 0.58 किलोमीटर सड़क का काम अधी रहता है। लगभग ढाई-तीन साल इस सड़क की ऐडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल होने के बाद भी आप लगभग अढ़ाई तीन साल तक इसको पूरा नहीं कर पाए। आप हल्के के मंत्री रहे हैं फिर भी आप वह सड़क पूरी नहीं करवा पाए। (शोर)

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, मैंने लिखित में तो सवाल नहीं दिया लेकिन मैंने मंत्री जी से जुबानी जरूर बात की थी। आसाखेड़ा से पनियावाली तक की 40 किलोमीटर लम्बाई की सड़क है और उस पर भारी व्हीकल चलते हैं। मैं मंत्री महोदय जी से जानना चाहता हूं कि उस सड़क को कब तक चौड़ा कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के अन्दर सड़कों का जाल बिछा हुआ है। हरियाणा के गांवों की लिंक रोड $17^{1}/_{2}$ हजार किलोमीटर लम्बी हैं। जब आज सुबह मैं सदन में आ रहा था तो इन्होंने मुझ से 9.25 बजे बात की थी कि उस सड़क को कब तक चौड़ा कर दिया जाएगा। मेरे पास कोई बाबा जी की भभूती तो है नहीं जो मैं निकालूं और उस सड़क को चौड़ा कर दूं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, इस साल इन्होंने लगभग 120 किलोमीटर लम्बी सड़कें बनानी हैं और उसके लिए इनके पास 94 करोड़ रुपए का प्रावधान है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि गढ़ी अलावलपुर से महेश्वरी तक की सड़क को बनाने में क्या एक साल का समय लगेगा। मंत्री जी इस सड़क को जल्दी से जल्दी बनाने के बारे में आश्वासन दें। उस सड़क पर मिट्टी डल चुकी है यदि उस सड़क को जल्दी नहीं बनाया गया तो उस पर अब तक जितना पैसा खर्च किया गया है वह बरबाद हो जाएगा। इसके अलावा स्पीकर साहब मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि रिवाड़ी के बाई पास को कब तक पूरा कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, उस सड़क के बारे में तो मैंने मेन सवाल के जवाब में पहले ही बता दिया है कि उसको मार्च 1999 तक कम्पलीट कर दिया जाएगा। जहां तक रिवाड़ी के बाई पास की बात है उसके लिए कार्यवाही शुरू कर दी है।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में कितने किलोमीटर लम्बी ऐसी सड़कें हैं जो अधूरी पड़ी हैं और उनको कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय इसके लिए सैपरेट नोटिस चाहिए।

श्री मनी राम : स्पीकर साहब, देसूमलेका से डबवाली मंडी तक का पांच किलोमीटर का सड़क का टुकड़ा है। वह सड़क बिल्कुल नीचे बैठ चुकी है उसके अन्दर अढ़ाई अढ़ाई और तीन तीन फुट गहरे गड्ढे हुए पड़े हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उस सड़क की रिपेयर कब तक करवा देंगे। चाहे मंत्री जी खुद जा कर उस सडक को देख लें उसका बहुत बुरा हाल है।

श्री धर्मवीर यादव : स्पीकर साहब, मैं खुद जा कर उस सड़क को देखूंगा और उसको जल्दी ही ठीक करवाएंगे।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर सांवड़ गांव में गए थे और उस समय मैं भी इनके साथ था इन्होंने वहां पर रोहतक रोड से उस गांव के स्कूल तक सड़क बनाने का वायदा किया था। मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि उस सड़क के बारे में क्या प्रोग्रेस है।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, उस सड़क को बनाने के बारे में कार्यवाही चल रही है।

श्री अध्यक्ष : सतपाल सांगवान साहब ने जो क्वेश्चन पूछा है वह मेरी कास्टीच्यूऐंसी का है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इसकी पूरी रिपेयर कितने समय में करवा देंगे।

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, इस सड़क को हम 8-10 महीने में पूरी रिपेयर करवा देंगे।

Desilting of Harsola, Amin, Pundri and Kasan Drains

***664. Shri Ram Pal Majra :** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether it is a fact that the Harsola, Pundri, Amin and Kasan Drains have not been desilted so far ; if so, the reasons thereof togetherwith the time by which these drains are likely to be desilted ?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : पुण्डरी, अमीन तथा कसान ड्रेनों की गाद अब तक नहीं निकाली गई है, क्योंकि इन ड्रेनों के जीर्णोद्धार का काम जल्दी ही शुरू किया जाना है। जल संसाधन एकीकरण परियोजना के तहत, जीर्णोद्धार के सभी भागों, जिसमें गाद निकालना भी शामिल है, का कार्य साथ-साथ किया जाना है। फिर भी, इन ड्रेनों की सभी बाधाएं साफ कर दी गई हैं। इन ड्रेनों के पूर्ण जीर्णोद्धार का कार्य 1999 के बाढ़ सत्र से पहले कर लिया जाएगा। हरसोला ड्रेन नाम की कोई ड्रेन नहीं है। फिर भी, सेगा ड्रेन, जो कि गांव हरसोला के पास से गुजरती है, की गाद निकालने का कार्य अभी-अभी पूरा कर लिया गया है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, अमीन ड्रेन जो कसान ड्रेन का एस्केप है उस पर सरकार के 40 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इस ड्रेन पर सन साईन पब्लिक स्कूल के मालिक ने ड्रेन को मिट्टी से भरवा कर बन्द करके उस पर सड़क बना दी है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिन दोषी अधिकारियों की देख-रेख में यह काम हुआ है क्या उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी और उस ड्रेन में जो मिट्टी भरी गई है उसको कब तक निकलवा दिया जायेगा।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, परसों भी सदन में यह सवाल माजरा साहब की तरफ से उठाया गया था। इसको मैंने खुद चैक करवाया है, ऐसी कोई बात नहीं है। यह ड्रेन सिरसा ब्रांच की बुर्जी नं० 218700 से निकलती है। इसमें अमीन ड्रेन का आऊटफाल है। इसका अर्थ वर्क 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। ये जिस स्कूल की बात कर रहे हैं वहां पर उन्होंने टैम्परेरी रास्ता बनाया है। ड्रेन का कुछ काम बकाया है। जिस दिन वह काम पूरा हो जायेगा उस दिन उस रास्ते को हटा दिया जायेगा। चाहे वह एक स्कूल का मालिक है या 10 स्कूलों का मालिक है, या कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो ड्रेन में किसी को बाधा खड़ी करने नहीं दी जायेगी। एक व्यक्ति के लाभ के लिए किसी प्रकार की कोई रुकावट नहीं आने दी जायेगी।

श्री अनिल विज : स्पीकर साहब, यह ठीक है कि हमारी सरकार ने नहरों से गाद निकालने का काफी काम किया है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बरसात के दिनों में पंजाब के शहरों का पानी हरियाणा में घुस आता है उसको रोकने के लिए क्या सरकार कोई कदम उठायेगी। वह बरसात का पानी आने से अम्बाला कैंट और अम्बाला सिटी में काफी दिक्कत होती है क्योंकि पंजाब के एरिया में अम्बाला के पास जो गोल्डन फोरेस्ट की बिल्डिंग है उन्होंने पानी के बहाव को अम्बाला की तरफ मोड़ दिया है जिससे वहां दिक्कत होती है। क्या मंत्री महोदय, इस समस्या से अम्बाला को छुटकारा दिलवाएंगे?

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय विज साहब ने सही सवाल पूछा है। यह सही है कि बरसात के दिनों में पंजाब के कई शहरों का पानी हरियाणा के शहरों से होकर निकलता है। यह पानी कुछ समय के लिए ठहरता है फिर निकल जाता है। फिर भी सरकार की तरफ से इसका सर्वे चल रहा है। इसका कोई न कोई उपाय जरूर किया जाएगा।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, अभी अमीन ड्रेन का जवाब देते हुए मंत्री महोदय ने माना कि सन साइन पब्लिक स्कूल के मालिक ने जो सड़क बनाई है उसे फिलहाल इसलिए नहीं हटाया जा रहा है क्योंकि अभी उस ड्रेन का काम अधूरा है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जब तक इस ड्रेन का पूरा काम नहीं हो जाता तब तक किसानों को भी, जिस तरह सन साइन पब्लिक स्कूल के मालिक ने मिट्टी भर कर रास्ता बनाया है उसी तरह से मिट्टी भर करके किसानों को फसल उगाने की इजाजत देंगे इसके साथ-साथ मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि भाना, कसान तथा दूसरे वे गांव जिन की फसलें ड्रेन की डिसचार्जिंग कैपेसिटी न होने के कारण नहीं हो पाई, क्या उन किसानों को कोई मुआवजा देने के बारे में सरकार विचार करेगी ?

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, श्री राम पाल माजरा जी का यह इलाका है लेकिन सन साईन पब्लिक स्कूल वालों ने वहां पर टैम्परेरी रास्ता बनाया है। जिस दिन वह ड्रेन पूरी हो जायेगी उस दिन वे अपने स्कूल के लिए ब्रिज बना करके अपना रास्ता बना लेंगे। जहां तक हमारी जानकारी है वहां किसी ड्रेन या दूसरी किसी वजह से किसी किसान की फसल खराब नहीं हुई। अगर किसी किसान की फसल खराब हुई है तो आप बता दें उसकी हम उचित कार्यवाही करेंगे।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि लाखन माजरा ड्रेन को कब तक पूरा करने की संभावना है।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, भाई बलबीर सिंह ने एक बहुत ही अहम सवाल पूछा है। रोहतक जिले की बाढ़ की रोकथाम के लिए जितनी जल्दी के साथ हमारी सरकार ने सत्ता में आने के बाद काम किया उतनी तेजी से किसी दूसरी सरकार ने नहीं किया। इनकी मेहम ड्रेन का काम पूरा हो चुका है। जहां तक लाखन माजरा ड्रेन का सवाल है उसका काम लगभग पूरा हो चुका है, सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है। यहां रोहतक जिले के और भी एम०एल०ए० बैठे हैं. चौ० सम्पत सिंह जी बैठे हैं दूसरे अपोजीशन पार्टी के लोग भी बैठे हैं। मैं इस सदन में इन सबसे गुजारिश करूंगा कि इस लाखन माजरा ड्रेन को कोई राजनैतिक रूप न दिया जाये। आपकी पार्टी के ही लोगों ने गांव बहुअकबर पुर में इस काम को रुकवा दिया। आपकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस काम को पूरा नहीं होने दिया। यहां आपने एक पोलिटिकल स्टंट बनाया हुआ है, उस ड्रेन को खोदने नहीं देते और अगर सरकार किसी तरह से इस ड्रेन का कार्य जबरदस्ती करे या और कोई कार्यवाही करे, प्रशासनिक कार्यवाही करे तो हो सकता है वहां ला एंड आर्डर की प्रोब्लम उत्पन्न हो जाये तो फिर यह दूसरी तरह से राजनैतिक स्टंट बनेगा। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं, खासतौर से भाई बलबीर सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि आप उन गांवों में जाकर के उनको बहकाने की बजाय उन लोगों को समझायें कि उस ड्रेन का काम पूरा हो जाने दें।

Opening of J.B.T. Centre at Sonepat

***621. Sh. Dev Raj Dewan :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under conisderation of the government to open J.B.T. Centre at Sonipat ?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : जी नहीं, श्रीमन्!

श्री देवराज दिवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि सोनीपत चार-पांच लाख की आबादी वाला शहर है और शिक्षा के क्षेत्र में सोनीपत हरियाणा में अग्रणी स्थान रखता है इसलिए वहां जे०बी०टी० की ट्रेनिंग के लिए सैंटर होना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, कुछ ही दिन पहले मंत्री जी ने किसी स्कूल को अपग्रेड करने के बारे में जवाब दिया था कि इस साल तो हमने स्कूलों की अपग्रेडेशन कर दी आयंदा हम आपके स्कूल को अपग्रेड करने का चांस जरूर दे देंगे। उस स्कूल के बारे में मंत्री जी का लिखा हुआ पत्र मेरे पास है अगर आप देखना चाहें तो मैं दिखा सकता हूं।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी श्री देवराज दिवान ने यह ठीक ही कहा है कि सोनीपत हरियाणा का एक प्राचीन और ऐतिहासिक नगर है। इस शहर की आबादी भी काफी है। वह महाभारत के समय का शहर है। अध्यक्ष महोदय, इस समय सोनीपत जिले में चार जगह जे०बी०टी० की क्लासिज चल रही हैं। एक तो बीस मील पर डाईट के तहत वर्षों से चल रही है, चुटाना जनता विद्यालय में जे०बी०टी० की क्लासिज चल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, खानपुर में एक गुरूकुल है, बहुत अच्छा गुरूकुल है, कन्या गुरूकुल है। अध्यक्ष महोदय, सोनीपत जिले में इस समय चार जगह पर जे०बी०टी० का प्रशिक्षण चल रहा है। माननीय दिवान जी जिस विद्यालय की बात कर रहे हैं उस विद्यालय की मैनेजमेंट ने आग्रह किया था और श्री दिवान जी ने भी अनुरोध किया था और हमने कहा था कि दो वर्ष पहले हरियाणा में डेढ़ हजार बच्चों को लड़के-लड़कियों को जे०बी०टी० का प्रशिक्षण दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि इन दो वर्षों में हम इनकी संख्या बढ़ाकर चार हजार तक ले आये हैं। अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त और भी कई संस्थायें हैं जो अच्छी संस्था है, गुरूकुल हैं, अच्छी मैनेजमेंट है। आपके ही जिले में स्पीकर सर, सिंघवा में जे०बी०टी०, ओ०टी० की ट्रेनिंग चल रही है इसके बावजूद भी मेरे माननीय साथी किस संस्था को उपयुक्त समझते हैं। उसमें जो नोर्मस प्रशिक्षण के लिए गवर्नमेंट आफ इंडिया के हैं उनको ये संस्थायें पूरा करती हैं। आल इंडिया टीचर्ज कांसिल संस्था के नोर्मस फिक्स हैं और माननीय साथी यह समझते हैं कि वहां स्कूल खोलना चाहिए तो हम उसको एगजामिन करेंगे और अगर उपयुक्त पाया गया तो वहां पर स्कूल खोलेंगे।

श्री वीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा माननीय शिक्षा मन्त्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि झज्जर जिला बनने के बाद झज्जर में डाईट का कार्यक्रम किस जगह पर शुरू करने की योजना है ? इसके अलावा जिला झज्जर में कहां-कहां पर जे०बी०टी ट्रेनिंग स्कूल्ज चल रहे हैं। स्पीकर सर, आप स्वयं वहां पर गए हैं क्योंकि वह आपके इलाके के साथ का लगता हुआ इलाका है और आपको अच्छी प्रकार से इस बात की जानकारी है कि वह इलाका आर्थिक रूप से और राजनैतिक रूप से भी पिछड़ा हुआ इलाका है इसलिए उस इलाके को सम्पन्न करने के लिए मेरा आग्रह है और साथ ही मैं माननीय शिक्षा मन्त्री जी से यह जानकारी भी चाहूंगा कि क्या उस इलाके में कहीं पर जे०बी०टी० की क्लासिज लगाने की योजना है यदि हां तो वह किस स्थान पर लगाने की योजना है ?

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, भाई धीरपाल सिंह जी बिल्कुल ठीक फरमा रहे हैं हम मानते हैं कि झज्जर का इलाका पिछड़ा हुआ इलाका है। इसीलिए हमारी सरकार बनने के बाद हमारे आदरणीय मुख्य मन्त्री चौधरी बंसी लाल जी ने इसको जिले का दर्जा प्रदान किया है। इस को जिले का दर्जा इसलिए दिया गया है क्योंकि साल्हावास, कोसली आदि गांव काफी पिछड़े हुए हैं। इसीलिए झज्जर को जिले का दर्जा दिया गया है ताकि इस क्षेत्र के इलाके का विकास हो सके। पिछले साल भी हमनें इस जिले के कई स्कूलों का दर्जा बढ़ाया था ताकि वहां पर शिक्षा का विकास हो। झज्जर में पिछले साल एस०डी० स्कूल जो कि बहुत पुराना स्कूल है और श्रीराम शर्मा जी जो स्वतन्त्रता सेनानी थे इस स्कूल को बनाने में उनका बड़ा योगदान रहा है, इस स्कूल में जे०बी०टी० प्रशिक्षण के लिए 50 सीटें दी थीं। डाईट के लिए गवर्नमेंट आफ इण्डिया के नियम हैं इसलिए जो नये जिले हैं उनमें डाईट इन्स्टीच्यूट खोलने के लिए हमने गवर्नमेंट आफ इण्डिया को चिट्ठी लिखी हुई है कि जो नये जिले बने हैं उनमें डाईट केन्द्र खोलने की अनुमति प्रदान की जाए लेकिन अभी तक गवर्नमेंट आफ इण्डिया से अनुमति प्राप्त नहीं हुई है। इन के लिए जमीन देने की बात है, भवन बनाने की बात है, हमने अपनी तरफ से चिट्ठी लिखी हुई है।

श्री सूरज मल : अध्यक्ष महोदय, मुझे आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मन्त्री जी से रिक्वैस्ट करनी है कि दो स्कूल अपग्रेड करने का मामला है। यह मामला एजुकेशन का है जो बहुत ही अहम मसला है। मेरे दो स्कूल हैं नांगल मनियारी प्याऊ पर और एक जाखौली में लड़कियों का स्कूल है जिनको अपग्रेड करना है। वहां पर स्कूल न होने के कारण लड़कियों को सोनीपत आना पड़ता है जो कि वहां से करीब 15-20 किलोमीटर पड़ता है। इस रूट पर ट्रांसपोर्टेशन का इन्तजाम भी ठीक नहीं है जिस के कारण मां-बाप बच्चियों को मजबूरी में घर में ही बैठा लेते हैं और पढ़ने के लिए नहीं भेजते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मन्त्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि क्या वे इन स्कूलों को अपग्रेड करने की कृपा करेंगे।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय भाई सूरज मल जी ने बहुत ही सही सवाल पूछा है। इन दोनों पंचायतों ने लिखित रूप में दिया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आपने पिछली बार भी देखा कि हमने किसी भी माननीय साथी के स्कूल को अपग्रेड करने में कोई भेदभाव नहीं बरता है, चाहे वह स्कूल भाई धीरपाल जी के हल्के का था चाहे बलवन्त सिंह मायना जी का था अथवा और किसी भी अन्य साथी ने जहां भी कहा है हमने स्कूलों का दर्जा बढ़ाया है। हमारी सरकार बनने के बाद हमने 325 स्कूलों का दर्जा बढाया है। लड़कियों की शिक्षा के बारे में हमने सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। अध्यक्ष महोदय, 1996 में सरकारी स्कूलों में 10वीं का रिजल्ट 20 प्रतिशत और 10 जमा 2 का 17 प्रतिशत था। उसके दो वर्ष बाद इस सरकार की और अध्यापकों की मेहनत से 10वीं का 60 प्रतिशत और 10 जमा 2 का 54 प्रतिशत रिजल्ट है। हरियाणा में सरकारी स्कूल का विद्यार्थी जो कि 10 जमा 2 कक्षा का है प्रथम आया है। हम शिक्षा पर लगातार ध्यान दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जिन लड़कियों के स्कूल का जिक्र इन्होंने किया है उस बारे में हमने विभाग को कह दिया है कि वे इसको एग्जामिन करके हमें बताएं। अगर वह स्कूल सभी नार्मज पूरे करता होगा तो हम उसको अपग्रेड करने का विचार करेंगे।

Completion of Tubewells

***649. Shri Kailash Chander Sharma** : Will the Minister for Public Health be pleased to state whether the boring work of the tubewells for supplying

of drinking water in the villages of Boodhwal, Bayal and Mosnuta has been completed; if not, the reasons thereof togetherwith the time by which the aforesaid tubewells are likely to start functioning ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : जी हां, बुढवाल का नलकूप कार्य कर रहा है जबकि दूसरे 2 नलकूप तैयार हैं और बिजली का कनैक्शन मिलने पर सितम्बर, 1998 तक कार्य करने लग जाएंगे।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री महोदय से पहले भी अनुरोध किया था और आज फिर अनुरोध करूंगा कि मंत्री महोदय ने जो हां कही है इस बारे में ये विभाग से या वहां के डी०सी० से जानकारी लें। मैं वहां से 19 तारीख को आया था और उस तारीख तक वहां पर उन दोनों ट्यूबवैल्ज़ को बिजली का कनैक्शन नहीं दिया था। अध्यक्ष महोदय, बायल और मोसनता में 2 ट्यूबवैल्ज हैं, वहां पर सभी फारमैलिटीज़ पूरी कर दी गई हैं और 6 महीने से सिक्योरिटी भी जमा करवा दी गई है लेकिन बिजली का कनैक्शन मिलना बाकी है। ये चाहें तो वहां पर जाकर पता कर लें।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, 17 से 20 तारीख तक वह ट्यूबवैल ट्रायल बेसिज पर चल रहा था और उसके बाद वह रैगुलर चल रहा है। ये जिन दो ट्यूबवैल्ज की बात कर रहे हैं उनके मीटर के लिए सिक्योरिटी जमा कर रखी है और हमने बिजली बोर्ड को कनैक्शन देने के लिए कहा है। उन्होंने सितम्बर तक दोनों ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन देने की बात कही है।

श्री कैलाश चन्द्र शर्मा : अध्यक्ष महोदय, वहां पर ट्यूबवैल्ज, मोटर्ज, पम्पिंग सैट तैयार पड़े हैं और 6 महीने से सिक्योरिटी जमा करवा रखी है लेकिन वहां पर आज तक बिजली का कनैक्शन नहीं मिला है।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में तो मैंने जवाब दे दिया है कि सितम्बर तक कनैक्शन दे देंगे और वहां पर पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। जहां तक ये 19 तारीख वाली बात कहते हैं तो एक दिन में बहुत कुछ हो जाता है। नैपोलियन ने कहा था कि the most dangerous moment comes with a victory और अब आप एक दिन की बात कहते हैं।

श्री धर्मबीर गाबा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जितने भी आप ट्यूबवैल्ज़ स्टार्ट करते हैं तो क्या उनके पानी को आप डाक्टर्ज को ले जाकर चैक करवाते हैं कि उस में फलोराईड ठीक मात्रा में है या नहीं। वह पानी लोगों के पीने लायक है या नहीं।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, पानी को बाकायदा चैक करवाया जाता है और हर हफ्ते उसके चैक होने की रिपोर्ट सी०एम० साहब और मंत्री को भेजी जाती है। उसको चैक करने के लिए सी०एम०ओ० और एक्सीयन भी साथ में जाते हैं।

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के डबवाली में गैतिया गांव है। अब पता नहीं मंत्री जी को इस बारे में पता भी है या नहीं पता है। इन्होंने उसका नाम ही नहीं सुना होगा। अध्यक्ष महोदय, 1990 में भागी राम के वक्त में वहां पर वाटर वर्कस सैंक्शन हुआ था लेकिन आज तक वह नहीं बना 10.00 बजे है। क्या ये उसको बनवाने की कृपा करेंगे ? (विघ्न) स्पीकर सर, मंडी कालांवाली जिसकी आबादी 1952 में करीब 35 हजार थी और आज तो पता नहीं उसकी आबादी कितने गुना बढ़ गयी होगी। उस समय से वहां पर कोई जल घर नहीं है जिसके कारण वहां पीने के पानी की बहुत समस्या है।

मंत्री जी पता नहीं कैसे चालीस लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी देने की बात कर रहे हैं जबकि अध्यक्ष महोदय, वहां तो दो लीटर प्रति व्यक्ति पानी भी लोगों को नहीं मिल रहा है तो क्या सरकार की वहां पर कोई जल घर बनाने की योजना है ?

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मनीराम जी ठीक कहते हैं। इसमें इनका भी कसूर नहीं है क्योंकि ओम प्रकाश चौटाला ने इन आदमियों के पुर्जे ऐसे कर रखे हैं कि अगर इनका अल्ट्रासाउंड करवाया जाए तो वे सारे पुर्जे हिले मिलेंगे। (हंसी)

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, चौधरी जगन्नाथ जी मेरे भाई हैं इसलिए मैं इनके बारे में ज्यादा तुक्ताचीनी नहीं करना चाहता। जब ये ओम प्रकाश चौटाला के साथ थे तो बंसी लाल जी को गालियां निकाला करते थे और अब ये बंसी लाल जी के साथ हैं तो चौटाला साहब के बारे में ये इस तरह की बातें कर रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा मंत्री जी से सवाल यह है कि क्या धकेरियां गांव में सरकार की कोई जलघर बनाने की योजना है ? (इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया गया।)

Death occurred in Police Custody

***627. Shri Sampat Singh :** Will the Minister for Home be pleased to state the number of persons; if any, died in police custody or killed in police firing in the State during the period from April, 1996 to-date ?

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : राज्य में अप्रैल, 1996 से आज तक पुलिस हिरासत में 7 व्यक्तियों तथा पुलिस फायरिंग में 16 व्यक्तियों की मौतें हुई।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मंत्री जी ने बताया है कि पुलिस कस्टडी में सात और पुलिस फायरिंग में 16 लोग मरे हैं। सर, वैसे तो यह फिगर्ज भी डिसप्यूटिड हैं क्योंकि कुछ फिगर्ज तो इसमें ऐड ही नहीं करते हैं और कुछ बाद में मरे हुए लोगों को ऐक्सीडैन्ट वगैरह में दिखा देते हैं। इसके अलावा, यह फिगर्ज केवल दो साल की ही हैं। जो कि बहुत ही अधिक हैं कहीं मंत्री जी ने कम्बोडिया के पोलपोट की तरह खोपड़ियां इकट्ठी करने का शौक तो नहीं पाल लिया है। सर, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि ये जो पुलिस कस्टडी में और पुलिस फायरिंग में मौतें हुई हैं तो क्या इन्होंने इस बारे में किसी पुलिस ओफिसर्ज के खिलाफ कोई ऐक्शन लिया है और क्या मंत्री जी इन डैथस और किलिंग की इंक्वायरी किसी रिटायर्ड जज से न करवाकर किसी सिटिंग जज से करवाएंगे ?

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर सर, इंक्वायरी करवाने का जो सिस्टम इनके वक्त में, उसके बाद में और आज गवर्नमेंट का है, उसी के हिसाब से हम इनकी इंक्वायरी करवा रहे हैं।

श्री सम्पत सिंह : लेकिन क्या आपने अभी तक किसी पुलिस ओफिसर के खिलाफ कोई ऐक्शन लिया है ? (विघ्न)

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर सर, इस बारे में बताना चाहता हूं कि जो प्रोसीजर इनके राज में था और उससे पहले के राज में भी था और सिविलाइज सिस्टम के राज में वही सिस्टम प्रवेल करता रहा है और करता रहेगा। पुलिस कस्टडी में जो डैथस हुई हैं उनकी इंक्वायरी करवाई है और करवा रहे हैं।

पुलिस फायरिंग के अंदर जो डैथस हुई हैं उनकी भी इंक्वायरी करवा रहे हैं और इंक्वायरी के हिसाब से जो जरूरी कार्रवाई होगी वह करेंगे।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैंने कैटेगैरिकली पूछा था कि what action has been taken against the police officials? दूसरे यह कि क्या आप किसी सिटिंग हाईकोर्ट के जज से इंक्वायरी करवाएंगे क्योंकि पुलिस कस्टडी और पुलिस फायरिंग में बहुत डैथस और किलिंग हुई हैं। इंक्वायरी सिटिंग जज से ही होनी चाहिए।

श्री मनी राम गोदारा : सिटिंग जज और प्रजैन्ट जज इसमें जूडीशियल तौर पर कोई फर्क नहीं होता इनके दिमाग के अंदर कोई सोच होगी ?

श्री सम्पत सिंह : मैं रिटायर्ड जज की बात कह रहा हूं। सिटिंग और प्रजैन्ट जज तो एक ही बात है आपने यह जबाब दिया है कि इंक्वायरी हो रही है यह कब तक होगी ?

श्री मनी राम गोदारा : मेहम की इंक्वायरी 1990 में शुरु हुई थी अब तक पूरी नहीं हुई है लेकिन हो रही है It is a civilised Government, which is responsible to the people of Haryana और उसी हिसाब से इंक्वायरी हो रही है।

Sh. Sampat Singh : That is why so many persons have been killed.

Mr. Speaker : Sampat Singh Ji, you please ask direct question.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैंने सीधा सवाल पूछा था लेकिन जबाब नहीं आया। (शोर एवं व्यवधान) मैंने पूछा था कि क्या किसी पुलिस औफिशियल के खिलाफ कोई ऐक्शन हुआ है ?

Mr. Speaker : But you are asking without my permission.

Shri Sampat Singh : He has already replied in so many words but without any conclusion.

Mr. Speaker : Please don't go into useless details.

Shri Sampat Singh : Speaker Sir, why are you calling it useless details? Whether the reply of the Minister was useful ?

Mr. Speaker : Do not make a statement. You ask a direct question. (Interruptions)

Shri Sampat Singh : Speaker Sir, you are in the Chair. Who are they to guide the Speaker ?

Shri Mani Ram Godara : We are here to reply to the questions.

Mr. Speaker : Sampat Singh ji, you ask a direct question.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं सीधा सवाल ही पूछ रहा हूं। मेरा पहला सवाल तो यह है कि पुलिस आफिसर्ज के खिलाफ अब तक क्या कार्यवाही हुई तथा दूसरा प्रश्न यह है कि क्या इस केस की इंक्वायरी किसी हाई कोर्ट के सिटिंग जज से करवाएंगे। तीसरी बात जो इन्होंने महम का जिक्र किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप पहले अपने सवालों का जवाब सुनिये।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप पहले मंत्री जी से अपने सवालों का जवाब सुनिये। जो सम्पत सिंह जी बोल रहे हैं, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री मनी राम गोदारा : आप सभी जानते हैं कि किसी भी केस को डील करने का एक सिस्टम होता है। पहले केस रजिस्टर किया जाता है उसके बाद इंक्वायरी होती है, तब जाकर उस केस का डिसीजन हो पाता है। आप यह सब जानते हुए बार-बार एक ही सवाल पूछ रहे हैं। हमने कहा है कि कार्यवाही हो रही है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंह : डिपार्टमैंटल इंक्वायरी होनी चाहिये।

श्री मनी राम गोदारा : इंक्वायरी तो डिपार्टमेंट ही करता है। पहले केस रजिस्टर होता है उसके बाद तफतीश होती है उसके बाद ही आगे कार्यवाही होती है यही मैं कह रहा हूं। ज्यादा बोलने से और उठने से तथा एक्साइटिंग करने से कुछ नहीं होता।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, * * * * *

Mr. Speaker : I am pained to hear such word from Shri Sampat Singh. It should not be recorded.

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, हमारा सारा सिस्टम बड़े सिविलाईज्ड प्रोसीजर से चलता है। हर केस की हर पहलू से इन्क्वायरी होती है और इन्क्वायरी के बाद फाइनल रिपोर्ट बनती है जिस पर कार्यवाही होती है। मैं सभी केसिज़ के बारे में बता रहा हूं। अगर ये किसी पर्टिकुलर केस का नाम लें तो मैं बता सकता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि केसिज़ रजिस्टर्ड हुए हैं तथा उन में इन्क्वायरीज़ चल रही हैं। इन्क्वायरी होने के उपरांत कुछ व्यक्तियों के खिलाफ तो केस रजिस्टर्ड हो गए हैं और उनकी गिरफ्तारी की रिपोर्ट भी तैयार कर दी गई है तथा जिन का कोई कसूर नहीं पाया गया उनके खिलाफ कोई केस रजिस्टर्ड नहीं किया गया है। (शोर एवं विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बहादुरगढ़ हल्के के डाबोदा खुर्द गांव के बारे में पूछना चाहता हूं। * * * * *

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी आप बैठ जाएं।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं इन को बहादुरगढ़ के बारे में बता देता हूं। यह बात ठीक है कि वहां पर एक या दो व्यक्ति ही निर्दोष नहीं थे बल्कि 500-600 आदमियों ने पुलिस स्टेशन को आग लगाने के लिए घेर लिया था। इस पर पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं। एक आदमी जो बेचारा छत पर खड़ा था, वह पुलिस फायरिंग में मारा गया। उसके परिवार वालों को एक लाख रुपए दे दिए गए हैं और दूसरा व्यक्ति जो पुलिस फायरिंग में मारा गया, उसके परिवार वालों के लिए हमने एक लाख रुपए की हां कर दी है, लेकिन उसके परिवार से अभी तक कोई पैसे लेने ही नहीं आया है। इस में पुलिस का कोई कसूर नहीं है।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री बीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, उस व्यक्ति के परिवार में अन्य कोई भी कमाने वाला नहीं बचा है। उसकी विधवा और उसकी मां बहुत दुःखी हैं। सरकार ने उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने के लिए आश्वासन दिया हुआ है। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अगर उस व्यक्ति के परिवार में कोई भी नौकरी करने लायक हो तो उस को हम अभी नौकरी देने के लिए तैयार हैं। (शोर)

---

33 K.V.Sub Station of Sanjarwas

***753. Shri Satpal Sangwan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade 33 K.V. Sub Station to 132 K.V. of Village Sanjarwas, district Bhiwani; and

(b) if, so the time by which it is likely to be upgraded ?

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) :

(क) नहीं, श्रीमान जी।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता!

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि 1-1-98 को सांजरवास में 6 एम०वी०ए० का ट्रांस्फार्मर लगा हुआ था जिसकी कैपेसिटी बढ़ाकर 27-1-98 को 10 एम०वी०ए० कर दी गई है। लेकिन आज इसका वर्तमान लोड 8.1 एम०वी०ए० है। जो यह कैपेसिटी बढ़ाई गई है, इस पर 15 लाख रुपए का खर्च आया है। इस सब-स्टेशन को दादरी के 220 के०वी० सब-स्टेशन से बिजली आती है जो कि 25 किलो मीटर की दूरी पर है। कम वोल्टेज की वजह से ही इसकी कैपेसिटी बढ़ाई गई थी। इसके बावजूद भी सांजरवास के ट्रांस्फार्मर की कैपेसिटी 16 एम०वी०ए० की करने की हमारी प्रोपोजल है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, यह सांजरवास गांव आपकी कंस्टीच्युएंसी में ही है। वहां पर 6 एम०वी०ए० का ट्रांस्फार्मर लगा हुआ था, मैं सहमत हूं लेकिन अब उसकी कैपेसिटी 2 एम०वी०ए० कम करके 8 एम०वी०ए० कर दी गई है, क्योंकि जिस वक्त यह ट्रांस्फार्मर लगाया गया था, उसकी जगह 2 एम०वी०ए० का ट्रांस्फार्मर लगना था। उस जगह पर उस ट्रांस्फार्मर को लगाया गया है। सांजरवास सब-स्टेशन के अंडर 60-70 गांव आते हैं। बिजली का लोड दिन प्रति-दिन बढ़ रहा है तथा वोल्टेज भी पूरी नहीं आती है। इसलिए मंत्री जी से मेरी प्रार्थना है कि अगर इस सब-स्टेशन को 132 के०वी० का करने पर विचार कर लेंगे तो उनकी मेहरबानी होगी।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, हम इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर लेंगे। वहां पर आज का लोड 8.1 एम०वी०ए० है। इसकी इंस्टाल्ड कैपेसिटी 10 एम०वी०ए० की है तथा 16 एम०वी०ए० की करने की हमारी प्रोपोजल है। जहां तक 132 के०वी० कैपेसिटी करने की बात है, इस पर हम विचार कर लेंगे।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, इस सांजरवास सब-स्टेशन के अंडर लगभग 64 गांव आते हैं। इस में ज्यादा गांव तो सांगवान साहब की कंस्टीच्युएंसी के हैं और 19 गांव मेरी कंस्टीच्युएंसी के हैं। 1988 से लेकर 1996 तक पूरी 8-9 सालों में इन सभी गांवों में बिजली की निहायत कमी रही है। मंत्री जी, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मेरे गांव में न कोई इंडस्ट्री है और न ही वहां कोई ट्यूबवैल है। ट्यूबवैल अब 1995 की बाढ़ के बाद लगने लगे हैं। अब ऐसा अन्दाजा है कि वहां ट्यूबवैल कामयाब हो जाएंगे। इसलिए मेरी गुजारिश है कि 8 या 16 एम०वी०ए० से वहां काम नहीं चलेगा क्योंकि वहां के लोग पिछले 10 सालों से बड़े दुःख झेल रहे हैं। उस बात को याद करते हुए मेरी मंत्री महोदय से गुजारिश है कि 64 गांव जो पिछले 10 सालों से दुःख झेल रहे हैं उनके लिए 132 के०वी०ए० का ट्रांसफार्मर लगाना निहायत जरूरी है।

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, जो गांव दुःखी रहे उसके लिए पहले की सरकारें जिम्मेदार हैं। आगे के लिए मैं विश्वास दिलाता हूं कि अब आपके गांव को ही नहीं बल्कि सारे हरियाणा को बिजली के बारे में कोई तंगी नहीं होगी। डेढ़ साल के अन्दर सारे हरियाणा के लोगों को पूरी बिजली मिलेगी और बंसी लाल जी आगे के 10-20 सालों तक का भी इंतजाम करके जाएंगे।

राव नरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ के गांव गढ़ी भहासर में एक 33 के०वी०ए० का सब-स्टेशन निर्माणाधीन है, उसकी बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। यह कब तक चालू हो जाएगा?

श्री अतर सिंह सैनी : सारे हरियाणा में इस साल बिजली के लिए 155 करोड़ रुपए रखे गए हैं जिसमें नए सब-स्टेशन भी लगाने हैं, कुछ की अगमेंटेशन भी करनी है। उनमें से 220 के0वी०ए० का एक नया और 5 की अगमेंटेशन करनी है। 132 के०वी०ए० के 4 नए सब-स्टेशन लगाने हैं और 12 की अगमेंटेशन करनी है, 66 के०वी०ए० के 5 नए और 4 की अगमेंटेशन और 33 के०वी०ए० के 15 नए और 19 की अगमेंटेशन करनी है। उनमें से जो-जो भी होंगे, हम उनको करेंगे।

Completion of the Roads

***696. Shri Bhagi Ram :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the construction of the following roads of district Sirsa are likely to be completed :—

(a) Ellenabad to Thobria;

(b) Bumthal to Kotli;

(c) Balasar to Naiwala;

(d) Ottu to Sultanpuria;

(e) Ferojabad to Rania;

(f) Rania Jiwan Nagar Road to Rampur Theri;

(g) Mohar Singh Theri to Dhani Satnam Singh; and

(h) Asha Singh Dhani to Dhani Santa Singh ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : उपरोक्त क्रमांक (ख) पर वर्णित सड़क का निर्माण किया जा चुका है। क्रमांक (क) तथा (ख) पर वर्णित सड़कों का निर्माण मार्च, 2000 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

शेष सड़कों का निर्माण करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

श्री भागीराम : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इन्होंने बताया कि भुमथल से कोटली सड़क का निर्माण हो चुका है लेकिन अभी तक उसका काम पूरा नहीं हुआ है केवल कागजों में ही दिखाया गया है कि इस सड़क का काम पूरा हो गया है। दूसरा मैं यह जानना चाहूंगा कि ऐलनाबाद से ठोबरिया और बालासर से नाईवाला इन दोनों सड़कों को किस तारीख को मंजूरी दी गई और इन सड़कों के ऊपर किस तारीख को काम शुरू हुआ, कितना काम हो चुका है और इन पर कितना खर्चा हुआ है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदन को बताना चाहता हूं कि ऐलनाबाद से ठोबरिया और बालासर से नाईवाला इन दोनों सड़कों को 15-12-87 को एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल दी गई। भुमथल से कोटली सड़क पूरी कर दी गई है। ऐलनाबाद से ठोबरिया सड़क की लम्बाई 6.7 किलोमीटर है जिसमें से 5 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर दिया गया है और बाकी 1.7 किलोमीटर सड़क का कार्य मार्च 2000 तक पूरा कर दिया जाएगा। बालासर से नाईवाला सड़क का निर्माण कार्य भी मार्च 2000 तक पूरा कर दिया जाएगा।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बालासर से नाईवाला सड़क का काम किस तारीख को शुरू किया गया, उस सड़क पर अब तक कितना पैसा खर्च हो चुका है वह सड़क कितनी बन गई है और कितनी बाकी रहती है ?

श्री धर्मवीर यादव : अध्यक्ष महोदय, उस सड़क पर 4.03 किलोमीटर तक मिट्टी डालने का काम पूरा कर दिया गया है।

X-Ray Machine

***715. Shri Ram Phal Kundu** : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the X-Ray Machine of Government General Hospital, Safidon, is out of order; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to replace the aforesaid X-Ray Machine ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) :

(क) जी, हां।

(ख) बदले में एक एक्स-रे मशीन खरीदने की कार्यवाही की जा रही है।

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर साहब, मैंने पिछले सैशन में भी यही सवाल पूछा था तो उस समय भी सरकार की तरफ से यही जवाब दिया गया था। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस बारे में इन्होंने पिछले 6 महीने में क्या कार्यवाही की है ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, यह एक्स-रे मशीन पिछले आठ महीने से खराब पड़ी है और यह 1968 में खरीदी गई थी। जब तक उस मशीन को एग्जामिन नहीं करवा लिया जाता कि वह ठीक हो सकती है या वह कंडम की जा सकती है तब तक सरकार इस बारे में कोई फैसला नहीं कर सकती। रोहतक हरट्रोन से इंजिनियर आए थे उन्होंने उस मशीन को कंडम डिक्लेयर कर दिया है। जब तक नई मशीन नहीं खरीदी जाती तब तक काम चलाने के लिए हमने नरवाना से पोरटेबल मशीन वहां पर भेज दी है। हमने इसी महीने की 16 तारीख को वहां के लिए नई मशीन खरीदने के लिए केस डायरैक्टर सप्लाई एंड डिस्पोजल को भेज दिया है।

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि चूंकि सफीदों में बहुत पुरानी सी०एच०सी० है क्या उसको सामान्य अस्पताल में बदलने के लिए मामला सरकार के विचाराधीन है, अगर है, तो उसको कब तक सामान्य अस्पताल में बदल दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने एक्स-रे मशीन के बारे में सवाल पूछा था इसमें यह बात कहां से आ गई कि उसको सामान्य अस्पताल में बदल दिया जाए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, बलम्बा गांव में पिछले चार पांच साल से सी०एच०सी० की बिल्डिंग बना कर तैयार पड़ी हुई है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस सी०एच०सी० को कब तक चालू कर दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रकाश महाजन : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में जितनी भी पी०एच०सीज० और सी०एच०सीज० हैं उन सब का निरीक्षण करवा करके ही कहा जा सकता है कि वे ठीक हैं या नहीं। हम प्रदेश की सभी पी०एच०सीज० और सी०एच०सीज० का निरीक्षण करवाने का प्रयास कर रहे हैं उनमें यह भी शामिल है।

श्री अध्यक्ष : साहेबान, अब क्वैश्चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Shortage of Drinking Water in Isharheri Village

***704. Shri Nafe Singh Rathee :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is a shortage of drinking water in Isharheri, Sarai Aurangabad, Mukandpur and Dahkora villages of district Jhajjar; and

(b) if so, the time by which the aforesaid shortage of water is likely to be met out ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन नाथ) :

(क) गांव इशरहेड़ी तथा मुकन्दपुर में जल वितरण में कुछ कमी है। सराय औरंगाबाद तथा ढहकोरा में जल वितरण सन्तोषजनक है।

(ख) यह योजनाएं नहरी प्रणाली के अन्तिम छोर पर हैं। बेहतर पेयजल वितरण के लिए, पर्याप्त मात्रा में नहरी पानी का प्रबन्ध करवाने के प्रयत्न किए जा रहे हैं।

Upgradation of Government High School, Khahrawar

***681. Shri Balwant Singh Maina :** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade Government High School, Khahrawar to 10+2 system School in district Rohtak ?

शिक्षा मंत्री (श्री रामविलास शर्मा) : जी नहीं, श्रीमन्।

Grant given to Municipal Committees

***739. Shri Mani Ram :** Will the Minister for Local Government be pleased to state the amount of grant given to each Municipal Committee in the State during the year 1997-98 ?

स्थानीय शासन मंत्री (डा० कमला वर्मा) : सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

क्र०सं०	नगरपालिका का नाम	राशि
1	2	3
1.	अम्बाला शहर	42,84,600
2.	अम्बाला सदर	9,46,100
3.	नारायणगढ़	11,39,600
4.	कालका	9,48,800
5.	पिन्जौर	6,00,000
6.	यमुनानगर	10,18,700
7.	जगाधरी	18,54,500
8.	सढौरा	5,16,600
9.	रादौर	12,23,600
10.	बूड़िया	8,35,600
11.	छछरौली	12,43,500
12.	थानेसर	31,81,400
13.	शाहबाद	16,80,900
14.	लाडवा	18,93,600

1	2	3
15.	पिहोवा	26,70,300
16.	कैथल	54,29,200
17.	पूण्डरी	17,31,300
18.	चीका	12,55,000
19.	कलायत	12,68,700
20.	रोहतक	1,03,54,000
21.	बहादुरगढ़	25,95,100
22.	झज्जर	14,88,100
23.	बेरी	8,06,400
24.	कलानौर	16,96,900
25.	महम	16,30,900
26.	सोनीपत	93,27,800
27.	गन्नौर	13,35,800
28.	खरखोदा	15,18,000
29.	गोहाना	25,28,300
30.	करनाल	79,19,500
31.	इन्द्री	13,46,900
32.	घरौण्डा	23,82,200
33.	तरावड़ी	13,60,000
34.	नीलोखेड़ी	15,06,200
35.	पानीपत	21,90,300
36.	असन्ध	15,91,400
37.	समालखा	10,66,600
38.	हिसार	48,30,700
39.	हांसी	64,50,000
40.	फतेहाबाद	29,97,100
41.	टोहाना	23,82,200
42.	जाखल	7,61,500
43.	रतिया	14,31,300
44.	उकलाना मण्डी	7,26,200
45.	बरवाला	16,15,600

1	2	3
46.	नारनौंद	10,05,000
47.	सिरसा	63,71,300
48.	मण्डी डबवाली	25,09,200
49.	कालांवाली	11,26,700
50.	ऐलनाबाद	13,07,700
51.	रानिया	8,52,200
52.	भिवानी	77,71,800
53.	बवानीखेडा	12,34,500
54.	चरखी दादरी	47,20,000
55.	लौहारू	5,13,800
56.	तोशाम	16,29,600
57.	सिवानी	9,74,200
58.	जीन्द	61,89,200
59.	नरवाना	44,98,900
60.	सफीदों	30,05,500
61.	उचाना	18,07,100
62.	जुलाना	18,08,800
63.	गुड़गांवा	42,77,800
64.	फिरोजपुर झिरका	17,55,000
65.	फरूखनगर	9,94,400
66.	हैलीमण्डी	20,24,600
67.	नूंह	15,04,400
68.	पटौदी	17,41,400
69.	सोहना	21,42,300
70.	तावडू	15,91,900
71.	पुन्हाना	17,20,400
72.	पलवल	25,46,500
73.	हसनपुर	4,28,600
74.	होडल	16,81,100
75.	हथीन	7,28,600

1	2	3
76.	रिवाड़ी	65,41,400
77.	बावल	8,26,400
78.	महेन्द्रगढ़	17,92,700
79.	नारनौल	49,56,400
80.	अटेलीमण्डी	8,17,800
81.	कनीना	4,12,800
82.	फरीदाबाद नगर निगम	30,00,000

Repair of Roads

***765. Shri Ramesh Kumar Khatak :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the following damaged roads of Baroda Constituency are likely to be repaired—

(i) Ridhana to Dhanana;

(ii) Bhusana to Chhatehra; and

(iii) Jagsi to Matand ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : These roads are likely to be repaired by June, 1999.

Setting up of 33 K.V. Sub-Station, Nigdhu

***726. Shri Jai Singh Rana :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the government to set up 33 K.V. Sub-station at Nigdhu in district Karnal during the year 1998-99 ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Yes, Sir. It is proposed to construct a new 33 K.V.Sub-station at village Nigdhu in district Karnal through World Bank Loan assistance during the year 1999-2000.

Ponds of Wakf Board

***766. Sh. Suraj Mal :** Will the Minister of State for Wakf be pleased to state—

(a) whether there is any policy of the Government to lease out the ponds of the Wakf Board; if so, the details thereof, and

(b) whether it is a fact that the ponds of Wakf Board in Village Kabirpur District Sonipat has been leased out; if so, the names of persons to whom it has been leased out ?

नागरिक उड्यन राज्य मन्त्री (श्री जसवन्त सिंह) :

(क) वक्फ अधिनियम की धारा 32 (2) (जे) व धारा 56 में किए प्रावधान अनुसार वक्फ बोर्ड जो कि एक स्वायत संस्था है, को बोर्ड की सभी अचल सम्पत्तियों, जिसमें तालाब भी शामिल हैं, को लीज पर देने की शक्तियां प्राप्त हैं।

(ख) जी हां, गांव कबीरपुर जिला सोनीपत में वक्फ बोर्ड का उक्त तालाब सोनीपत के श्री विशाल गर्ग पुत्र श्री फतेचन्द गर्ग को लीज पर दिया हुआ है।

Cases of Embezzlement

***790. Shri Krishan Lal :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of cases of corruption/embezzlement referred to the Vigilance Department during the period from September, 1997 to-date togetherwith the details thereof; and

(b) the total number of cases out of those referred to in part(a) above have been disposed of till to-date; togetherwith the number of persons found guilty on this account alongwith the action taken against such persons ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal) :

(a) 158 cases were referred to State Vigilance Bureau for enquiry from 1-9-1997 to 8-7-1998. It is not in public interest to disclose the details of these cases.

(b) 37 enquiries out of those referred to in part (a) above have been disposed of till 8-7-1998. In 4 enquiries, criminal cases have been registered against 4 Gazetted Officers, 5 Non-gazetted Officers and 1 other public servant. In 11 enquiries, directions have been issued to the Administrative departments concerned for taking suitable departmental action against the concerned officials 22 enquiries have been filed as the charges have not been substantiated.

Centrally Sponsored Schemes

***781. Shri Dharam Bir :** Will the Miniser for Social Welfare be pleased to state—

(a) the names of the Centrally Sponsored Schemes being implemented in the Rural Areas in the State for the development of Women & Children; and

(b) whether any amount has been received from the Govt. of India for the schemes referred to in part (a) above during the last three years; if so, the year-wise details thereof ?

समाज कल्याण मन्त्री (डा० कमला वर्मा) : (क) तथा (ख) सदन के पटल पर सूची रखी जाती है।

सूची

राज्य में महिलाओं तथा बच्चों के विकास के लिये ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जा रही केन्द्र द्वारा प्रायोजित मुख्य योजनाएं :—समेकित बाल विकास सेवाएं योजना, किशोर कन्या योजना, इन्दिरा महिला योजना, राष्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम, बालिका समृद्धि योजना तथा राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना। इसके अतिरिक्त दो योजनाएं क्रमशः ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं एवं बच्चों की विकास योजना तथा सामुदायिक आधारित कन्वरजैंट योजना ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लागू की जा रही हैं।

(ख) हां भारत सरकार से प्राप्त राशि का विवरण वर्ष अनुसार निम्न प्रकार से है :+

क्रम संख्या	योजना का नाम	भारत सरकार से जो राशि प्राप्त हुई है			
		1995-96	1996-97	1997-98	कुल
1.	समेकित बाल विकास सेवायें योजना	988.07	1636.37	2212.11	4836.55
2.	किशोर कन्या योजना	-निल-	-निल-	-निल-	-निल-
3.	इन्दिरा महिला योजना	24.40	-निल-	-निल-	24.40
4.	राष्ट्रीय उन्नत चूल्हा कार्यक्रम	16.25	27.57	26.67	70.49
5.	बालिका समृद्धि योजना	एन०ए०	एन०ए०	76.97	76.97
6.	राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना	33.81	82.62	39.13	155.56
7.	ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं बच्चों की विकास योजना (इक्काकरा)	74.50	106.76	68.38	249.64
8.	सामुदायिक आधारित कन्वरजैंट योजना	10.00	30.00	-निल-	40.00
		1147.03	1883.32	2423.26	5453.61

Implementation of the Slab System Policy in Shivalik Area

***770. Shri Ramji Lal :** Will the Chief Miniter be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that the water table of the area from Kalka to Tajewala Head and the blocks of Raipur

Rani, Naraingarh, Sadhaura, Bilaspur, Chhachhroli, Barara and Ambala is about 350 feet deep; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to supply electricity to Agricultural tubewells on slab system to the aforesaid areas ?

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

(a) Based on the data compiled by State Agriculture Department, the average depth of tubewells in the mentioned blocks is as follows :—

Name of the Block	Average depth of tubewells in feet
Raipur Rani	0 to 100
Naraingarh	0 to 100
Sadhaura	0 to 100
Bilaspur	0 to 100
Chhachhroli	101 to 150
Barara	0 to 100
Ambala	0 to 100

(b) The supply of electricity to agricultural tubewells on concessional rate/slab system has been re-introduced and extended to the entire State with effect from 1-5-98 on account of demand from various sections of farmers.

Construction of New Roads

***682. Shri Balwant Singh Maina :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following roads of Hassangarh Constituency :—

(i) Ritoli to Kahnaur;

(ii) Khahrawar to Dighal;

(iii) Ismaila to Dighal; and

(iv) Karor to Pahrawar ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : There is a proposal under consideration of the Govt. to construct the first three roads mentioned above. However, there is no proposal to construct the road at Sr. No. 4 above.

Number of Labourer Below the Age of Sixteen Years

***687. Shri Jai Singh Rana** : Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state—

(a) whether any survey has been conducted by the Labour Deartment to ascertain the number of labourer working in private shops/ commercial institutions/factories who are below the age of 16 years during the years 1996-97 and 1997-98 in district Karnal; and

(b) if so; the details thereof togethrwith the action taken in this regard ?

श्रम तथा रोजगार मन्त्री (श्री रमेश चन्द कौशिक) :

(क) जिला प्रशासन के माध्यम से अप्रैल, 1997 में एक सर्वे कराया गया था।

(ख) सर्वे के दौरान जिले में बाल श्रम (उन्मूलन एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत घोषित निरीक्षकों द्वारा 12,639 संस्थाओं का निरीक्षण किया गया। सर्वे के फलस्वरूप विभिन्न विना जोखिमी संस्थाओं में 23 बच्चे पाए गए। शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन करनाल को ऐसे बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं तथा कार्य धन्टों को नियमित करने व देख-रेख हेतु भी हिदायतें दी गई।

Widening of Ashakhera Road

***740. Shri Mani Ram :** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the government to widen the road from Ashakhera Bus Stand to Panniwala Mor ?

Public Works Minister (Shri Dharam Vir Yadav) : No, Sir.

विभिन्न मामले/स्थगन प्रस्तावों की सूचनाएं/अल्प अवधि चर्चाएं आदि उठाना

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : धीरपाल जी ने डाबोदा खुर्द गांव के बारे में कहा था उसके बारे में मेरे पास सूचना आ गई है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जो लड़का उस फायरिंग में मारा गया था, उसकी पत्नी मीना को सरकारी नौकरी देने का प्रस्ताव कैबिनेट से पास हो गया है और झज्जर डी0सी० ने उसके कागज मंगवा लिए हैं।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान एक अत्यन्त गम्भीर मसले की तरफ दिलाना चाहता हूँ। कल तरावड़ी मंडी में डकैतों ने एक आढ़ती की दुकान में दिन दहाड़े डाका डाला और 90 हजार रुपये लूट कर भाग गए। यह वहां पर चौथी वारदात है। गांव के लोगों ने व मण्डी के लोगों ने पीछा करके उन डकैतों को पकड़ा जिन्होंने यह डकैती डाली थी। वे जेल में कैदी थे और उनको पैरोल पर छोड़ा हुआ है। वहां पर पूरा आतंक फैला हुआ है। लोगों को पुलिस की कार्यवाही पर संदेह है कि वह पूरी व सही कार्यवाही नहीं करेगी। मैं सरकार से आश्वासन चाहूंगा कि जेल से पैरोल पर होने के बाद,

जिन डकैतों ने यह वारदात की उनकी पैरोल पर रिहा होते समय जिन्होंने जमानत दी है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए। दूसरी मेरी मांग है कि पुलिस चौकी तरावड़ी कस्बे के एक तरफ है। मैं चाहूंगा कि उस चौकी को वहां से बदलकर मण्डी के किसी एक कोने में बदल दिया जाये ताकि लोगों को कुछ राहत मिल सके।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इस केस में सभी मुलजिम गिरफ्तार हो गए हैं। अगर पुलिस ने कोई कोताही की होगी तो जिसका कसूर होगा उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे।

श्री जय सिंह राणा : मुख्यमंत्री जी से मैं यह भी आश्वासन चाहूंगा कि पुलिस चौकी, जो कस्बे में एक तरफ है, उसको वहां से बदलकर अनाज मंडी के किसी कोने में ले आएं।

श्री बंसी लाल : क्या वहां पर जगह है। (विघ्न) जगह खरीदने के लिए पैसा तो हम दे देंगे, सवाल यह है कि क्या मण्डी में पुलिस चौकी के लिए जगह है।

श्री जय सिंह राणा : जगह तो मण्डी में काफी पड़ी है।

श्री बंसी लाल : जगह पड़ी है तो हम इस पर विचार कर लेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने और राव बीरेन्द्र सिंह जी ने भाखड़ा मेन लाईन कैनाल और नरवाना ब्रान्च की डिसिल्टिंग के लिए एक शार्ट ड्यूरेशन डिस्कशन का नोटिस दिया था। इस नहर की डिसिल्टिंग होनी है। इसके लिए हमारी सरकार की तरफ से अढ़ाई करोड़ रुपये पंजाब सरकार को दे भी दिए गए हैं। हमें इस नहर से 2700 क्यूसिक पानी कम मिल रहा है। खासतौर से हमारे इलाके रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, रोहतक को जो पानी नरवाना ब्रांच का डब्लू०जे०सी० से आता है वह पानी कम मिल रहा है। मैं सरकार से आश्वासन चाहूंगा कि क्या हमारी सरकार पंजाब सरकार से बातचीत करके उस नहर की डिसिल्टिंग का काम जल्दी शुरु करवाने की कोशिश करेगी ताकि हमें पूरा पानी मिल सके।

Mr. Speaker : Your notice for short duration discussion under Rule 73(a) has been disallowed.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मेरे दो मोशन और थे। एक रिवाड़ी में पोस्ट ग्रेजुएट रीजनल सैंटर खोलने के बारे में था और एक फारमर्ज द्वारा आत्महत्याएं करने के बारे में था उनका क्या बना ?

Mr. Speaker : Both the calling attention motions have been sent to the Government for comments.

कैप्टन अजय सिंह यादव : आपने 48 घंटे का समय दिया था। आप सरकार को कहें कि वह इसका जल्दी जवाब दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने काम रोको प्रस्ताव आपके सामने पेश किया है। हरियाणा प्रदेश में सेम बड़ी तेजी से फैलती जा रही है जिसकी वजह से हरियाणा की बहुत सारी जमीन बंजर हो गई है। सेम को रोकने के लिए सरकार की तरफ से कोई प्रबंध नहीं किया जा रहा है। सेम की प्रोब्लम की वजह से पिछले लोक सभा के चुनाव में बहुत से लोगों ने सरकार के प्रति रोष व्यक्त करते

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]
हुए वोटिंग में भी हिस्सा नहीं लिया। अध्यक्ष महोदय, अगर जनतांत्रिक प्रणाली में जनतांत्रिक ढंग से जनता जनार्दन अपने मतों का प्रयोग सरकार के प्रति रोष व्यक्त करके करे तो फिर जनतंत्र का क्या अर्थ रह जायेगा। (विघ्न)

Mr. Speaker : Your adjournment motion regarding the water logging problem has been disallowed.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आपके अपने क्षेत्र में सेम काफी फैल रही है, दादरी में भी यही समस्या है। सिरसा में भी यह प्रोब्लम है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ऐसा है जो बात लीडर आफ दि आपोजिशन ने उठाई है यह बात बिल्कुल ठीक है कि सेम एक प्रोब्लम बनती जा रही है और हम इस बात से इन्कार नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, हम सेम की समस्या को दूर करने के लिए उचित कदम उठा रहे हैं। जैसे हमने मेहम हल्के में दो ड्रेन बनाई हैं उनसे वहां सेम की प्रोब्लम में काफी फर्क पड़ा। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमने एक और स्कीम बनाई है हिसार से लेकर घग्गर तक जिस पर 111 करोड़ रुपये की लागत से एक ड्रेन बनाकर उस ड्रेन के ऊपर से शाखाएं बना करके ट्रिब्यूटीज बना-बना कर उनमें सेम का पानी डालेंगे। अध्यक्ष महोदय, कैथल जिले का भी पानी उसमें आ जायेगा, जींद जिले का भी पानी उसमें आ जायेगा। और वह सारा पानी घग्गर में डाल देंगे। यह प्रोजैक्ट हमने बनाया है और इस प्रोजैक्ट के लिए पैसे का प्रबन्ध हम कर रहे हैं और हम इस बारे में नबार्ड वालों से भी बात कर रहे हैं। हम इस मसले के बारे में पूरे चौकन्ने हैं और हमारी कोशिश है कि जल्दी से जल्दी लोगों की यह समस्या दूर की जाये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने आश्वासन दिया है और स्वीकार किया है कि सेम की समस्या बहुत गंभीर समस्या है। इससे यह जाहिर हो रहा है कि आप भी इस मसले को एक अहम मसला मान रहे हैं तो क्यों न इस पर डिस्कशन अलाऊ कर दी जाये। सेम की समस्या केवल मेहम क्षेत्र की ही समस्या नहीं है। अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिले के भी 18 गांवों में सेम बुरी तरह से आई हुई है और सरकार की तरफ से उन गांवों की सेम की समस्या को दूर करने के लिए, ड्रेन बनाने का कोई प्रपोजल नहीं है। (विघ्न एवं शोर)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मैंने पहले ही दे दिया है कि सिरसा और हिसार की सेम की समस्या के समाधान के लिए हम सबसे पहले ड्रेन बना रहे हैं, दड़बाकलां एरिया में भी सेम की बहुत ज्यादा समस्या है इसलिए यह ड्रेन वहीं से होकर निकलेगी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अगर इस सेम की समस्या के बारे में आप डिस्कशन अलाऊ कर दें तो इसमें आपत्ति की क्या बात है। इस बारे में खुलकर चर्चा भी हो जायेगी और हरियाणा प्रदेश में दादरी आदि दूसरी जगह भी हैं, जहां सेम की समस्या है उसके बारे में भी जानकारी मिल जायेगी।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, भिवानी में और दादरी में भी यह समस्या है और इनके रास्ते में कई गांव आते हैं उनमें भी सेम की समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए हमने 32-33 करोड़ रुपये की स्कीम भिवानी से और दादरी से सेम का पानी निकालने के लिए ड्रेन नम्बर-8 बना रखी है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, धर्मवीर सिंह एक अच्छा रैफरी था। वह इंटरनैशनल स्तर का खिलाड़ी था उसकी मृत्यु के वक्त उसके दाह संस्कार के समय मैं उसके गांव गया

था। वहां सारे के सारे इलाके में सड़क के दोनों तरफ पानी ही पानी बरसात के कारण भरा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में इस प्रकार के बहुत से इलाके हैं और कई ऐसे इलाके भी हैं जहां पीने के पानी की भी कमी है। अध्यक्ष महोदय, इस पर डिस्कशन अलाऊ कर दी जाये ताकि दूसरे सदस्य भी अपने हल्के की बात रख सकें, अपनी समस्याएं बता सकें। अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से प्रयास किया जाये कि हरियाणा को सेम के प्रभाव से बचाया जा सके। इसके लिए मैं आपसे अनुरोध करूंगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, सेम की समस्या तो 10-15 साल से बनी हुई है। इससे पहले ये लोग कहां गये थे और अब इस समस्या को, इस मसले को ये उठा रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय पहले तो सेम थी ही नहीं। (विघ्न) यह सेम की समस्या तो माननीय मुख्य मंत्री महोदय की ही पैदा की हुई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप अपनी सीट पर बैठे बैठे क्यों बोल रहे हैं ? (विघ्न) पता नहीं आप क्यों हर बात पर बार-बार रैस्लर की तरह सीट से बाहर आते हैं। आप एडवोकेट हैं, एम०एल०ए० हैं मन्त्री रहे हैं, आपको सिस्टम का भी पता है। Please don't try to create nuisance.

शिक्षा मन्त्री (श्री राम विलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ओम प्रकाश चौटाला जी सेम की समस्या की चर्चा कर रहे हैं और आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने सेम की स्थिति के बारे में दादरी, सिरसा और हिसार के बारे में सरकार की जो योजना है, उसकी जानकारी दी है। अध्यक्ष महोदय, न मालूम यह कांग्रेस वाली ढाणी किस लिए बात-बात पर खड़ी हो रही है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, सारा प्रदूषण इन कांग्रेस के भाईयों का फैलाया हुआ है (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न) जसविन्द्र सिंह जी आप अपनी सीट पर बैठ जाएं (विघ्न) करतार देवी जी, आप अगर बोलना चाहती हैं तो बोलें (विघ्न)

Capt. Ajay Singh Yadav : Sir, What is the fate of my adjournment motion ?

Mr. Speaker : Your adjournment motion has been disallowed.

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर सर, इस समय सेम की समस्या के बारे में बात चल रही है। आखिर हम भी किसान हैं और मैं खुद भी खेती करता हूं इसलिए मैं किसानों की समस्या को भली प्रकार से समझता हूं। चौटाला साहब ने सेम की समस्या का मामला उठाया है। अध्यक्ष महोदय, दो भाईयों में बंटवारे के समय अगर एक भाई के साथ कुछ ज्यादती हो जाती है तो उसके साथ सब की सहानुभूति होती है। मैं यहां पर यह कहना चाहूंगा कि जिन इलाकों में सेम के कारण नुकसान हो रहा है उस पानी को उस इलाके में दे दिया जाए जहां पर सिंचाई के लिए पानी की दिक्कत है। इस पानी के बंटवारे को ठीक कर लिया जाए, जिन इलाकों में पानी की कमी है इस सेम के पानी को वहां दे दिया जाए इससे सेम की समस्या हल हो जाएगी और जिन लोगों के पास सिंचाई के लिए पानी नहीं है उनको आबशाषी के लिए पानी मिल जाएगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, हमें कोई ऐतराज नहीं है, ये भाई आपस में बैठ कर तय कर लें। (विघ्न एवं शोर)

श्री रामविलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मन्त्री जी ने थोड़ी देर पहले ही सिरसा और हिसार की सेम की समस्या को हल करने की योजना के बारे में बताया है। अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा का पानी महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी को दे दिया जाए उस से सेम की समस्या समाप्त हो जाएगी और रिवाड़ी और महेन्द्रगढ़ को पानी मिल जाएगा। मैं इसके लिए माननीय सदन में कन्सैस देता हूं। (विघ्न)

गृह मन्त्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा का पानी भाखड़ा में ही रहेगा और कहीं नहीं जाएगा। इस बारे में कोई कन्सैस मन्जूर नहीं की जा सकती। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, अढ़ाई साल पहले हम भी आपकी जगह पर बैठा करते थे। यह ठीक है कि 1995 में उस समय की सरकार ने बाढ़ में हमें मार दिया लेकिन उससे पहले हमारे जिले में पानी ही नहीं था। जब हम उस समय आपसे पानी देने की बात करते थे तो आप दूसरी तरफ मुंह करके बैठ जाते थे। वहां पर आपने पानी कभी नहीं दिया। (विघ्न) आप सब बैठ जाएं। बलवन्त सिंह जी बोलें।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक बात कही कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर सेम की प्रोब्लम है और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने भी यह मामला उठाया कि पूरे प्रदेश के अन्दर सेम की प्रोब्लम है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में खासतौर पर सेम की बड़ी भारी समस्या है। मेरे जिले में हसनगढ़ के इलाके से जे०एल०एन० और जे०एस०वी० दो नहरें जाती हैं। कन्हेली से चलकर इन दोनों नहरों से कई इलाके सीपेज के कारण दुखी हैं। सुनारीया, बालंद, रिटोली कबूलपुर और दुबलधन तक ये नहरें जाती हैं। इसके थोड़े से हिस्से के अन्दर डिच ड्रेन निकाली गई है। अध्यक्ष महोदय, रिटोली गांव के पास डिच ड्रेन का पानी इक्ट्ठा हो जाता है वह पानी उस गांव को बर्बाद कर देता है। अध्यक्ष महोदय, आर०डी० 203 और 205 के पास पुलिया बना करके उस पानी को भाकरा के पास ड्रेन नम्बर 8 में डलवाने के बारे में क्या मुख्यमंत्री जी आश्वासन देंगे। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने एक बात कही कि पानी के बंटवारे में भेदभाव है और एक मंत्री जी कह रहे हैं कि पानी हमें दे दो और दूसरे मंत्री जी कह रहे हैं कि यह पानी हमारा है। ये तो एक दूसरे पर अविश्वास की बात कर रहे हैं। यह बहुत ही गम्भीर मामला है इनकी लड़ाई में कहीं हम ही न लपेटे जाएं। यह एक सीरियस ईशू है।

श्री मनीराम गोदारा : यह ईशू कहां है यह तो एक रनिंग कमैन्टरी थी।

श्री धीरपाल सिंह : यह कोई रनिंग कमैन्टरी नहीं है। यह बहुत सीरियस मामला है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, यह हमारे घर का मामला है ये बीच में क्यों बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : हम इसलिए बोल रहे हैं कहीं आपके घर के मामले की लपेट में हम न आ जाएं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : धीरपाल जी, यह जो आप बोल रहे हैं यह आप जैसे सीनियर मैम्बर के लिए ठीक नहीं है।

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी ने सदन में किसानों की समस्या की एक बात उठाई जो जायज बात है। उसके बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने सरकार की विचाराधीन योजना के बारे में बताया और उस पर खर्च होने वाले 33 करोड़ रुपए के अमाउन्ट के बारे में भी

बताया। आपने अध्यक्ष महोदय, ठीक बात बतायी कि कैप्टन साहब ने अपने वक्त में रिवाड़ी का ध्यान नहीं रखा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठें। आपको भी बोलने के लिए पहले टाईम दिया गया है। आप यह न समझें कि केवल आपका ही बोलने का अधिकार है। दूसरे मैम्बर्ज का भी बोलने का अधिकार है। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, एक बहुत गंभीर और गहन विषय पर, जो कि हरियाणा के किसानों की समस्याओं से संबंधित है, बात चल रही है और सरकार अपनी योजनाएं इस बारे में यहां पर बता रही है। स्पीकर सर, एक बात कांग्रेस पार्टी के लोगों ने उठायी कि चौटाला साहब सिरसा में ज्यादा पानी ले गए जिसकी वजह से हिसार एवं सिरसा के इलाके में सेम आ गयी। इसी तरह से बलवन्त सिंह मायना के गांव में डीघल में, कोसली में झज्जर में और छुछकवास आदि में सेम की समस्या पैदा हो गयी। स्पीकर सर, हमने मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया कि महेन्द्रगढ़ एवं रिवाड़ी के इलाके में जहां पर पानी का स्तर नीचे चला गया है वहां पर उन इलाकों का पानी इधर के इलाके में दे दिया जाए ताकि इन इलाकों में पानी की दिक्कत दूर हो सके तो फिर इसमें झगड़ा कहां से हो गया। स्पीकर सर, मुख्यमंत्री जी हमारी इस बात से सहमत हैं कि रिवाड़ी महेन्द्रगढ़ के इलाके को ज्यादा पानी देंगे। (विघ्न)

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, आप यह देखें कि हमें टोटल पानी कितना मिलता है। आप नहरों के टोटल पानी का अंदाजा लगाएं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम मुख्यमंत्री जी की बात से भी सहमत हैं और रामबिलास जी की बात से भी सहमत हैं कि हरियाणा प्रदेश में सबको पूरा पानी मिले। रामबिलास जी जिन इलाकों के लिए पानी मांग रहे हैं उन इलाकों को एस०वाई०एल० नहर सैराब करेगी। अब सरकार की यह सबसे ज्यादा जिम्मेदारी है कि वह एस०वाई०एल० नहर को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाकर पानी उन इलाकों को दे। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने यह वायदा अपने चुनाव घोषणा-पत्र में भी किया था कि हम इस नहर को पूरा करवाएंगे। अब अगर ये इस नहर को पूरा करवाएंगे तो हरियाणा प्रदेश में पानी का मसला स्वयं ही हल हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, अभी तो पंजाब का और भी पानी हरियाणा प्रदेश में आ रहा है और इसीलिए ही मैंने आपसे कहा था कि यह एक अहम विषय है इस पर आपको डिसकशन अलाऊ करनी चाहिए। अब तो आपको भी हाउस के लोगों के जज़बात का पूरी तरह से अहसास हो गया होगा। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप इस मामले पर डिसकशन अलाऊ करें ताकि असलियत का पता लग सके और जहां जहां कमी है उसको ठीक किया जा सके। (विघ्न)

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं भी एक स्पष्टीकरण दे दूं। हमने तो पानी लाने की हमेशा कोशिश की है और हम पानी लाएंगे। सरकार तो इन भाईयों की भी पहले थी। 1977 से लेकर अब तक कई बार इनकी सरकार आ ली और कई बार जा ली परन्तु इन्होंने इस बारे में कुछ नहीं किया। चौधरी देवीलाल जी जब मुख्यमंत्री थे तो उस समय बड़े जोर-जोर से अखबारों में खबरों में छपवाया कि हमने एक करोड़ रुपया इस काम के लिए पंजाब सरकार को दे दिया और फलां तारीख को पंजाब में फलां जगह पर चौधरी देवीलाल जी कस्सी मारेंगे। परन्तु अध्यक्ष महोदय, वह कस्सी कहां गयी हमें पता नहीं। आज तक भी वह कस्सी नजर नहीं आयी। फिर हमने आकर वह नहर बनवायी और जब थोड़ा सा काम यानी पांच परसेंट काम बाकी रह गया तो उसके बाद फिर देवीलाल जी मुख्यमंत्री बन गए और फिर इन्होंने बहाना बना दिया कि टैरोरिज्म है यह है वह है। (विघ्न) इस तरह से वे भी मुख्यमंत्री रह गए लेकिन नहर

[श्री बंसी लाल]

का काम आगे नहीं चला। अध्यक्ष महोदय, आज भी पंजाब के मुख्यमंत्री आनरेबल प्रकाश सिंह बादल हैं तथा उनके और इनके संबंध भी बहुत हैं फिर यह नहर बनी क्यों नहीं। यह दोनों तो दो राय के नहीं हो सकते। इनकी राय तो एक ही है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गयी लेकिन वहां उन्होंने यह केस अच्छी तरह से तैयार नहीं किया इसलिए जब यह केस सुप्रीम कोर्ट में हियरिंग के लिए आया तो वे इसको डिसमिस करने लगे। तब हमने कहा कि हम एक और दूसरा केस इसकी कंटीन्यूएशन में देंगे। अध्यक्ष महोदय, चूंकि इसके लिए एक प्रोपर नोटिस देना पड़ता है इसलिए हमने दोबारा प्रौपर नोटिस देकर सुप्रीम कोर्ट में केस कर दिया, अर्ली हीयरिंग की तारीख लगाई और हमने इराड़ी ट्रिब्यूनल को फिर से चालू किया और उनकी सिटिंग भी चल रही हैं। उन्होंने सितम्बर या अक्टूबर की तारीख दी है, 4-5 रोज पहले भी तारीख थी तो हम तो अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन चौटाला साहब बता दें कि इनकी सरकार के समय में एस०वाई०एल० नहर का पानी लाने की क्या कोई कोशिश की गई ? हमें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी अक्टूबर की तारीख दी है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बड़े विस्तार से इस बात पर चर्चा करने की कोशिश की कि एस०वाई०एल० नहर का काम हमने किया। शुरु में जो एस०वाई०एल० की योजना बनी उसमें मुख्यमंत्री जी ने इंजीनियर्ज की मुखालफत के बावजूद एक निर्णय लिया और जो नहर पंजाब के शुरु से खुदनी चाहिए थी वह हरियाणा के टेल से शुरु की जिससे हरियाणा के सैंकड़ों करोड़ रुपये बर्बाद हुए। चौधरी देवी लाल जी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद पंजाब की गवर्नमैंट के साथ बैठकर बातचीत की और जमीन अधिग्रहण करके काम शुरु किया। 95 प्रतिशत काम उनके वक्त में हुआ यह रिकार्ड की बात है। (शोर एवं विघ्न) उसके बाद आप सभी जानते हैं कि एक चीफ इंजीनियर को टैरोरिस्टों ने मार दिया। उस समय केन्द्र में चंद्र शेखर जी की सरकार थी उसके पश्चात यह काम बौर्डर रोड आर्गेनाईजेशन को सौंप दिया गया था वह काम शुरु ही होने जा रहा था कि कांग्रेस सरकार ने उसमें रुकावट डाल दी और धीरे धीरे वह सारी नहर जगह जगह से टूट गई और आज पंजाब के फ्लड का पानी इस नहर की माफर्त हरियाणा प्रदेश को डुबोता है ये सारे हरियाणा प्रदेश के सरपंचों को एस०वाई०एल० नहर दिखाने के लिए ले गए और इन्होंने उनको कहा कि एक ईंट भी लगी हो तो बताओ। हां ये कस्सी की बात करते हैं तो उसके बारे में बताना चाहूंगा कि वह * * * * * उठा ले गई।

श्री अध्यक्ष : यह जो इंदिरा जी के बारे शब्द कहे हैं कार्यवाही से निकाल दिए जाएं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मुख्यमंत्री जी यही थे आज तक उस पर कोई काम नहीं हुआ। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहूंगा कि इस सवा दो साल के अर्से में अपने किए हुए वायदों के बारे सरकार ने क्या किया है ?

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप क्या कहना चाहते हैं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह जो इंदिरा गांधी जी के बारे में बात कही गई है इसे ऐक्सपंज किया जाए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल ने नहर शुरु नहीं करवाई हां आकर चंद जरूर करवाई, बनी तो मेरे वक्त में थी। (विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सवा दो साल के अर्से में इनकी सरकार ने क्या किया यह बता दें ?

श्री बंसी लाल : इन सवा दो साल के अर्से में हमारी प्रौग्रेस किसी और सरकार से ज्यादा है इनके वक्त में तो कहीं एक ईंट या रोड़ी लगी हो तो बताएं। जब नहर बन रही थी तो उस समय पंजाब के गवर्नर के साथ और पंजाब के मुख्यमंत्री बरनाला साहब थे, उनके साथ बैठकर हम रिव्यू करते थे। इसके साथ ही एक बात में मैं कैप्टन अजय सिंह यादव से सहमत हूं कि इंदिरा गांधी जी के बारे में जो बात कही गई है वह ऐक्सपंज होनी चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * * *

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठें। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी मेरी परमिशन के बगैर जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये। (शोर)

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आपने पहले राम विलास शर्मा जी को बोलने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठिये। I warn you, otherwise, I will have to name you.

Shri Sampat Singh : For what, Sir ? (Noise and interruptions).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप चुनौती दे रहे हैं यह बात आपको शोभा नहीं देती। संपत सिंह जी ने एक सबमिशन देनी थी लेकिन आपने उनको बोलने के लिए समय नहीं दिया। (शोर)

श्री अध्यक्ष : कृपया आप बैठ जायें।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—

पेहवा तथा थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण ट्यूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोड़ों रुपये की फसल नष्ट होने संबंधी।

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मेम्बर्ज मुझे श्री अशोक कुमार और श्री जसविन्द्र सिंह, एम०एल०एज० की ओर से पेहवा और थानेसर निर्वाचन क्षेत्रों में बाढ़ के कारण ट्यूबवैलों के कुएं गिर जाने तथा करोड़ों रुपये की फसल नष्ट होने संबंधी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मैं इसे एडमिट करता हूं। श्री अशोक कुमार अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ेंगे उसके बाद कंसर्न्ड मिनिस्टर उसका जवाब देंगे।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

@श्री अशोक कुमार
श्री जसविन्द्र सिंह } : मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि थानेसर तथा पेहोवा निर्वाचन क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हैं जिसके कारण किसानों के ट्यूबवैलों के कुंए गिर गए हैं तथा करोड़ों रुपये की फसलें नष्ट हो गई हैं। थानेसर निर्वाचन क्षेत्र के गांव गुलाबगढ़, नरकातारी, जोगना खेड़ा तथा पेहोवा निर्वाचन क्षेत्र के गांव छैला, टकोरन, सुरमी, चिनारहेड़ी, शमसपुर, बगथला, गढ़ी रोड़ान, जखवाला तथा अधोवा आदि गांवों में पूर्ण रूप से नुकसान हुआ है। किसानों के ट्यूबवैलों के कुंए बनवाने का पूरा खर्चा सरकार द्वारा वहन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त किसानों को उनकी फसलों के नुकसान के लिए 5,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए। बाढ़ से उपरोक्त गांवों के किसानों में त्राहि-त्राहि मची हुई है।

यह एक अत्यावश्यक लोक महत्व का विषय है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह सदन में इस संबंध में एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करें।

वक्तव्य राजस्व मंत्री द्वारा—

उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

राजस्व मंत्री (श्री सूरजपाल) : राज्य सरकार को जो रिपोर्ट प्राप्त हुई थी उसके अनुसार थानेसर तथा पेहोवा के क्षेत्रों में कोई बाढ़ नहीं आई थी। यद्यपि गांव गुलाबगढ़ में 150 एकड़, गांव नरकातारी में 75 एकड़, गांव जोगना खेड़ा में 150 एकड़, गांव छैला में 200 एकड़, गांव सुरमी में 600 एकड़, गांव चीनारहेड़ी में 625 एकड़ तथा गांव अधोवा में 1200 एकड़ भूमि भारी वर्षा के कारण अस्थाई तौर पर पानी में डूब गई थी। परन्तु अब यह पानी निकाला जा चुका है। उपरोक्त गांवों की खड़ी फसलों का नुकसान 25 प्रतिशत से कम है। इसके अतिरिक्त जो फसलें क्षतिग्रस्त हुई थीं वह अभी कुछ दिन पहले ही बोई गई थीं और आजकल किसान अपने खेतों की दोबारा बुआई कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त गांव टकोरान की 565 एकड़ भूमि प्राकृतिक तौर पर नीची होने के कारण पानी से भरी हुई है। यह क्षेत्र बीबीपुर झील का हिस्सा है। इस गांव के किसान प्रतिवर्ष केवल एक ही फसल (रबी) प्राप्त कर रहे हैं। अब इस क्षेत्र में भी पानी कम होता जा रहा है। गांव शमसपुर, बगथला, गढ़ी रोड़ान तथा जखवाला में कृषि भूमि पर भारी वर्षा के कुप्रभाव की कोई रिपोर्ट नहीं है। जबकि ये सभी गांव निचले क्षेत्रों में स्थित हैं।

जहां तक नलकूपों के गढ़ों का क्षतिग्रस्त होने का संबंध है, उसका जिला प्रशासन द्वारा जायजा लिया जा रहा है। ज्यों ही जिला प्रशासन से सर्वे रिपोर्ट प्राप्त होगी त्यों ही सरकार द्वारा उचित कार्यवाही कर ली जाएगी।

मैं इस महान सदन को आश्वासन दिलाना चाहता हूं कि सरकार स्थिति से पूरी तरह जागरूक है और लगातार दिन-प्रतिदिन के आधार पर मूल्यांकन कर रही है। यदि हरियाणा के किसी भी हिस्से में बाढ़ आई तो सरकार प्रभावित किसानों को राहत देने बारे उचित पग उठाएगी।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने जैसे बताया कि गांव गुलाबगढ़ में 150 एकड़, गांव नरकातारी में 75 एकड़ तथा गांव जोगना खेड़ा में 150 एकड़ भूमि भारी वर्षा की वजह से

@ माननीय सदस्य श्री अशोक कुमार द्वारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ा गया।

नष्ट हुई है। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले लगातार 6 सालों से इन तीनों गांवों के अंदर पंजाब का बाढ़ का पानी एस०बाई०एल० नहर के माध्यम से छोड़ दिया जाता है जिसकी वजह से इन तीनों गांवों की पिछले 6 साल से फसल बर्बाद हो रही है। पिछले साल मुख्य मंत्री महोदय ने वहां पर एक एस्केप भी बना दिया, जहां से यह नहर टूटा करती थी ताकि एस०बाई०एल० नहर का पानी साईफन हो कर के बीबीपुर लेक में चला जाए। इस बार बाढ़ का पानी जो एस०बाई०एल० नहर में जाता है, वह इतना नहीं था कि एस्केप को खोल दिया जाए परन्तु सिंचाई विभाग ने इस को खोल दिया।

श्री अध्यक्ष : आप प्रश्न पूछिए।

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रश्न पर ही आ रहा हूं। वह एस्केप खोलने की वजह से जो पानी बीबीपुर लेक में जाता था, तथा जो सरस्वती नदी का और शहर का पानी था उसको इस बार जिला प्रशासन ने रोक दिया जिसकी वजह से फसलों को नुक्सान हुआ है। क्या मंत्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे कि जो यह फसलों का नुक्सान हुआ है उसकी गिरदावरी की रिपोर्ट कितने दिन तक आ जाएगी ?

श्री सूरजभान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि इस बारे में विभागीय सर्वे चल रहा है और जैसे ही डी०सी० की रिपोर्ट आ जाएगी, एकदम कार्यवाही कर दी जाएगी।

श्री जसविन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में माना है कि हमारे हल्के पेहोवा के गांवों में बाढ़ से नुक्सान हुआ है तथा इन्होंने रिपोर्ट मंगवाने का आश्वासन भी दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह सिर्फ एक ही साल की बात नहीं है इन गांवों में हर साल बाढ़ से नुक्सान होता है। इसलिए उस नुक्सान को बचाने के लिए मेरा मंत्री जी से एक सुझाव है। मैं कहना चाहता हूं कि यह जो बीबीपुर लेक है, इस में आने वाली जितनी भी जमीन है, उस में सिर्फ एक ही गेहूं की फसल होती है तथा सरकार ने किसानों को इसके लिए आज तक कोई मुआवजा राशि नहीं दी है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि यहां के किसानों को एक फसल का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : आप प्रश्न पूछिए। भाषण न दीजिए।

श्री जसविन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, वहां पर बांध बनाने की वजह से जो छैला, टकोरन, सुरमी, शमसपुर, बगथला इत्यादि गांवों का पानी झील में जाता था, वह बंद हो गया तथा मारकंडा नहर से सप्लाई चैनल के जरिए पानी झील में जाता था वह चैनल भी अब बेकार पड़ा है। अब हालत यह है कि अब इन गांवों का सारा पानी इक्ट्ठा होने की वजह से वहां पर एक झील और बन गई है। जब तक उन गांवों का पानी उठाने के लिए जितनी देर तक वहां पर लिफ्ट पम्प नहीं लगाए जाएंगे तब तक इस समस्या का कोई हल नहीं है। वहां लिफ्ट पम्प लगाकर इन गांवों का पानी उठाकर झील में डाला जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारे जखवाला और अधोवा गांवों में मारकंडा नदी का पानी आ जाता है जिसके कारण इन गांवों के लोगों को बहुत तकलीफ होती है। पंजाब सरकार ने मारकंडा नदी पर अपनी हद के ऊपर एक बांध बना दिया है। हमारी सरकार की तरफ से वहां पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। चौ० निर्मल सिंह जी के इलाके का पानी भी वहां आ जाता है। अध्यक्ष महोदय, मेरी मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि मारकंडा नदी के ऊपर दोनों तरफ एक मजबूत बांध बनाया जाए ताकि उन गांवों का बचाव हो सके क्योंकि यह हर साल की मुश्किल है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि फसलें जिनमें पैस्टीसाईड्स, खाद आदि डाले जा चुके हैं उन खेतों की फसलें जो पानी की वजह से खराब हो गई हैं क्या सरकार उन किसानों को 5000 रु० प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देगी ?

श्री अध्यक्ष : जसविन्द्र सिंह जी, आप प्रश्न पूछें, स्टेटमैंट न दें।

श्री जसविन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि जिन किसानों के ट्यूबवैल्ज के कुएं गिर जाने के कारण मोटरें पानी की वजह से अन्दर ही दब गई हैं, जिनका खर्चा कम से कम 20,000 रु० है, क्या सरकार वह सारा पैसा किसानों को देगी ?

श्री सूरजपाल : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को पहले ही बता चुका हूं कि सरकार सर्वे करा रही है। चाहे ट्यूबवैल का मसला है, चाहे कुओं का मसला है, चाहे फसलों का मसला है, जैसे ही हमें रिपोर्ट प्राप्त होगी उसके अनुसार मुआवजा दिया जाएगा। जहां तक कुओं का सवाल है, इसके लिए 2000 रु० से 5000 रु० तक मुआवजा दिया जाता है उसकी कार्यवाही रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद अवश्य करेंगे। जहां तक सदस्य ने पहले कहा है कि आप पहले अपनी रिपोर्ट देखें फिर प्रैक्टिकल कार्यवाही करें। जब-जब उस क्षेत्र में क्षति हुई है, सरकार ने उन किसानों को मुआवजा दिया है। 3-4 सालों तक उनको प्रोपर मुआवजा दिया गया है।

श्री जसविन्द्र सिंह : 2000 रु० से 5000 रु० तक का मुआवजा बहुत कम दिया गया वह ज्यादा दिया जाना चाहिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। मैंने पिछले सैशन में भी आपका ध्यान इस ओर आकर्षित किया था कि सदन के नेता हाउस को गुमराह करते हैं।

श्री अध्यक्ष : यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज भी सदन के नेता ने सदन को गुमराह किया है और 22-7-98 को सदन के नेता ने हाउस को इसी तरह से गुमराह किया था कि मेरा * * * * मुझे पकड़ने की साजिश बनाई गई थी।

श्री अध्यक्ष : ये पजामे वाली बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको हाई कोर्ट का फैसला सुना रहा हूं ये हाई कोर्ट के फैसले की कंटैम्पट में पेश हुए थे। उस समय इनका सुओ-मोटो कंटैम्पट हुआ था।

Mr. Speaker : Chautala Sahib, I warn you. Please take your seat. Otherwise I will have to name you.

Shri Sampat Singh : Speaker, Sir, * * *

अध्यक्ष को हटाने के लिए रैजोल्यूशन

Mr. Speaker : Sampat Singh, please take your seat. Let the discussion on Budget be resumed. Shri Bhagi Ram ji.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, रूल 36 एस०एल०एज० ने आपकी रिमूवल के लिए एक रैजोल्यूशन दिया है जिस पर हमारे 36 एस०एल०एज० के साईन हैं। उसका क्या फैसला हुआ है ? जब तक उस रैजोल्यूशन के बारे में कोई फैसला नहीं हो जाता तब तक आप इस चेयर पर नहीं बैठ सकते।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : वैसे तो ओम प्रकाश चौटाला जी आप बहुत लम्बे समय तक विधायक रहे हैं और मुख्य मंत्री भी रहे हैं। आपने जो मुद्दा उठाया है it should have been taken up just after the questions hour. यह रैजोल्यूशन मेरे ऑफिस में आज सुबह 9.30 बजे मिला है यह मुझे अभी बताया गया है। That will be dealt as per the rules and as per the Constitution of India under Article 179-C.

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आपके ऊपर हमें विश्वास ही नहीं है तो आप चेयर पर कैसे बैठ सकते हैं। पहले हमने जो रैजोल्यूशन दिया है उसका फैसला होना चाहिए। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमें आपके प्रति विश्वास नहीं है इसलिए आप चेयर पर नहीं बैठ सकते। (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब और सम्पत सिंह जी मैं इस चेयर पर आपके विश्वास से नहीं बैठा हूं। मैं इस चेयर पर सारे हाउस के विश्वास से बैठा हूं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : * * * * * (शोर)

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब मेरी परमिशन के बगैर जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। (शोर)

Shri Sampat Singh : What is the fate of our resolution ?

Shri Om Parkash Chautala : * * * * *

Mr. Speaker : I warn you, Please take your seat. Otherwise, I will have to name you. Nothing is to be recorded (Interruptions).

सदस्य का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य को नेम किए गए निर्णय को निरस्त करना

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है (शोर)

श्री अध्यक्ष : बैठ जा यार, यह रैजोल्यूशन मेरे खिलाफ है। (शोर)

Shri Sampat Singh : You are calling him 'Yaar'. This is very shameful. (Interruptions)

Mr. Speaker : Sampat Singh, please take your seat.

Shri Sampat Singh : You are calling a Minister 'Yaar'.

Mr. Speaker : I warn you, Sampat Singh. Please sit down. Otherwise, I will have to name you.

Shri Sampat Singh : I also warn you. He is not your 'Yaar'. Whether he is your 'Yaar' ?

Mr. Speaker : I name Shri Sampat Singh. He should withdraw from the House. (Interruptions) I have named him. He may please withdraw from the House.

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Shri Om Parkash Chautala : Speaker, Sir.* * * * * * * *

Mr. Speaker : Please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमने आपके खिलाफ प्रस्ताव दिया है। जब तक उसका फैसला नहीं होगा तब तक हम सदन नहीं चलने देंगे। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सभी बैठिये। आपने मेरे खिलाफ रिमूवल का मोशन दिया है। It was given at 9.30 A.M. and that will be dealt with acccording to the rules and under article 179(c) of the Constitution.

Capt. Ajay Singh Yadav : Sir, Resolution has been given against you second time. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : I have requested Shri Birender Singh who is also a signatory to the motion, to quote Article 179 (c) of the Constitution. (Noise & Interruptions).

Shri Birender Singh : Mr. Speaker Sir, * * * * *

श्री अध्यक्ष : आप यह बताएं कि कांस्टीच्यूशन की धारा 197 (सी) क्या कहती है

Shri Birender Singh : Sir * * * * * (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : I have already named Mr. Sampat Singh and he should leave the House.

Shri Satpal Sangwan : Why he is sitting here when he has been named ? (Noise)

Mr. Speaker : I have named him and he will have to withdraw from the House. (Noise & Interruptions). I will again request him to withdraw from the House.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके खिलाफ हम अविश्वास का प्रस्ताव लाए हैं फिर आप यहां पर कैसे बैठे हैं। (शोर)

Mr. Speaker : I am here by the will of the members of the House. (Noise & Interruptions).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप इस कुर्सी को छोड़ दें क्योंकि आप उस रैजोल्यूशन के बारे में फैसला भी नहीं दे सकते। हमने आपके खिलाफ रिमूवल का नोटिस दिया हुआ है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि जो लोग सदन की कार्यवाही नहीं चलने देते, उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया जाये। जब तक ये लोग सदन से बाहर नहीं जायेंगे, तब तक सदन की कार्यवाही नहीं चल सकेगी।

Mr. Speaker : I request Shri Sampat Singh to please withdraw from the House, otherwise I will have to call the Marshal. (Noise & Interruptions)

Shri Sampat Singh : Mr. Speaker, Sir, I have to submit....(Interruptions).

*Not recorded as ordered by the Chair.

Mr. Speaker : No, no. You have no right to speak. You please withdraw from the House. (Noise & Interruptions).

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप भी यार शब्द को वापिस लें, आपने श्री कर्ण सिंह दलाल को यार कहा है। अध्यक्ष महोदय, यहां सदन में यारों की यारी नहीं चल सकती।

Mr. Speaker : I withdraw the words, which I have spoken to Shri Karan Singh Dalal. (Noise & Interruptions).

Shri Sampat Singh : Sir, I also withdraw the words spoken to you.

Mr. Speaker : No, no, please withdraw from the House, first. (Noise & Interruptions). I again request Shri Sampat Singh to please withdraw from the House. (Noise & interruptions) I again request Shri Sampat Singh to please withdraw from the House.

Shri Sampat Singh : For what, Sir ?

Mr. Speaker : Because of your disorderly behaviour in the House.

Shri Sampat Singh : Sir, it is due to you. (Noise & Interruptions) It is because of re-action, Sir.

Mr. Speaker : I again request Shri Sampat Singh to please withdraw from the House. (Interruptions).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरा एक सुझाव सुन लीजिए, हम आपकी बात मान लेंगे। अध्यक्ष महोदय, आप मिस्टर सम्पत सिंह को बार-बार विदड्रा करने के लिए कह रहे हैं इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप भी हाउस से विदड्रा करें क्योंकि हमने आपके खिलाफ रिमूवल का नोटिस दिया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

Mr Speaker : Please take your seat. I again request Shri Sampat Singh, to please withdraw from the House. (Interruptions). I am requesting Shri Sampat Singh to withdraw from the House. First of all, he should withdraw from the House. I have requested Ch. Birender Singh to read article 179(c) and then tell the House (Noise & Interruptions).

Shri Birender Singh : Speaker, Sir, before I read article 179(c), I want to make a submission. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : I again request Shri Sampat Singh, that he is a very good parliamentarian, he should withdraw from the House, because he has been named. Until and unless he withdraw from the House, no proceedings will go on record. (Noise & Interruptions).

Shri Birender Singh : Sir, I want to submit....(Interruptions).

Mr. Speaker : I request all the leaders of different parties to see me in my Chamber and now the House is adjourned for 10 minutes.

*11.30 बजे (The House then *adjourned for 10 minutes and re-assembled at 11.40 A.M.)

बैठक का पुनः स्थगन

(At this stage the Deputy Speaker occupied the Chair)

Mr. Deputy Speaker : The House is adjourned for 20 minutes more.

(The House then adjourned for 20 minutes and re-assembled at 12.00 Noon).

सदस्य का नाम लेना/बैठक का स्थगन/सदस्य के नेम किये गए निर्णय को निरस्त करना (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : First of all, I would request Mr. Sampat Singh to withdraw from the House.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमिशन है। (विघ्न)

Mr. Speaker : First he should withdraw from the House then you can submit.

(At this stage Shri Sampat Singh withdrew from the House.)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमिशन है कि सम्पत सिंह जी एक बात कह रहे थे कि आपने किसी सदस्य को यार कह कर सम्मानित किया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : वह शब्द मैंने विदड्रा कर लिया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, उन्हें इसी बात पर आपत्ति थी कि अगर किसी सम्मानित सदस्य को यार कह कर सम्बोधित किया जाए तो यह शोभनीय नहीं है और इसी बात पर आपने उनको नेम कर दिया। अध्यक्ष महोदय, आपने उस शब्द को विदड्रा कर लिया तो सम्पत सिंह ने भी कह दिया कि मैंने आपको जो कुछ कहा उसको विदड्रा करता हूं। आपने यह गुड सैंस में कहा और उसको विदड्रा कर लिया और सम्पत सिंह ने भी विदड्रा कर लिया। (विघ्न)

Mr. Speaker : I would request all the members to please listen to me.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह ने जब अपने कहे हुए शब्द विदड्रा कर लिए और उन्होंने यह कहा कि मुझे अपने शब्द विदड्रा करने में कोई आपत्ति नहीं है। you had said that first he should go and he left the House. अब मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि वह आनरेबल मैम्बर 10 मिनट के लिए सदन से चला गया है और अब आप उनको वापिस बुला लें। हम आपकी चेयर का इतराम करते हैं और आपका भी सम्मान करते हैं ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपकी गरिमा पर कोई आंच न आए और हाउस की गरिमा पर कोई आंच न आए यह बात सारे विपक्ष के दिमाग और दिल में है। अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी इस हाउस के बहुत ही वरिष्ठ सदस्य हैं। मैं उस समय इस हाउस में उपस्थित नहीं था। मैं यह मानता हूं कि यार शब्द का उच्चारण आपने किसी सदस्य के लिए किया है लेकिन हमारी हरियाणवी भाषा में यार

शब्द एक अंग बन गया है। हमने किसी रिक्शा वाले को रोकना है तो हम कहते हैं यार जरा रुकना, या वहां तक चलना है। मैं यह नहीं समझता हूं कि यह अन-पार्लियामैंटरी शब्द है या किसी की सैंसटिविटी को हर्ट करने के लिये कहा हो। अध्यक्ष महोदय, हम हाउस में कंट्रीब्यूट करना चाहते हैं हम हर मुद्दे पर अपने विचार रखना चाहते हैं और इस बात से तो लीडर आफ दि हाउस भी सहमत होंगे। माननीय सदस्य आपके कहने पर ही सदन को छोड़ कर चले गए यह एक गरिमा की बात है। अध्यक्ष महोदय, मेरा यह कहना है कि अगर हम सभी यहां पर उपस्थित होंगे तो हम सब हरियाणा के विषयों पर अपनी राय प्रकट कर सकते हैं और आप सदन की कार्यवाही संवैधानिक तरीके से चलाएं। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप माननीय सदस्य को हाउस में बुला लें और हाउस की कार्यवाही ठीक से चले। मेरी इस बात से लीडर आफ दि हाउस भी सहमति रखते होंगे। अध्यक्ष महोदय, हमें तो आपकी ही प्रोटैक्शन मिलती है आपका ही संरक्षण मिलता है। अध्यक्ष महोदय, अभी तक आपके पद के बारे में कोई अपशब्द या कोई गलत बात कह दी हो तो माननीय सदस्य इस सदन में आकर अपनी बात पर खेद प्रकट कर सकते हैं।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, पिछले दो सालों से भी ज्यादा समय से जब से यह नयी विधानसभा चुनकर आयी है और जब से आपने यह पद संभाला है तब से आपने हर बात पर हर एक माननीय सदस्य की जायज बात को मान्यता दी है। श्री ओम प्रकाश चौटाला जी पिछली विधानसभा के सदस्य थे और श्री बीरेन्द्र सिंह जी भी विधानसभा के सदस्य थे। ये सभी इस बात को जानते हैं कि जब भी कोई माननीय सदस्य अपनी बात कहना चाहता है आप उनको बोलने के लिए उचित समय देते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने पिछले कई दिनों से देखा है कि हमारे ये साथी बोलने के लिए कभी भी खड़े हो जाते हैं न ये कोई रूल्ज देखते हैं और न ही कोई कायदा देखते हैं। स्पीकर सर, पिछली विधानसभा में जब हम और आप उधर बैठते थे तो ज्यों ही हम बोलने के लिए खड़े होते थे तो हमें उठाकर बाहर फैंक दिया जाता था या नेम कर दिया जाता था। आज श्री सम्पत सिंह जिस तरह से खड़े हुए और जिस तरह से उन्होंने आपके बारे में कहा क्या वह ठीक था ? पहली बात तो यह है कि अगर इन्होंने अध्यक्ष महोदय के खिलाफ कोई रैजोल्यूशन या कोई मैमोरैंडम देना है तो उसके लिए भी एक उचित समय होता है। अगर क्वैश्चन आवर या क्वैश्चन आवर के दौरान ये अपना रैजोल्यूशन देते तो आप उनको इस बारे में कोई बात बता सकते थे। लेकिन सर, ये तो * * हरकतें करते रहते हैं जो कि गलत है। आप देखते हैं कि किस तरह से चौटाला साहब जानबूझकर हमेशा ऐसी बातें कहते हैं जिससे सदन में तनावपूर्ण वातावरण पैदा हो।

श्री अध्यक्ष : यह * * शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : ये हमेशा ऐसी बातें कहते हैं कि ताकि हाउस के अंदर शोर मचे और अफरा-तफरी पैदा हो। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हमें यहां पर हरियाणा की जनता ने इसलिए चुनकर भेजा है कि हम लोगों की दिक्कतों को यहां पर उठाकर हल कर सकें। पिछले दिनों में आपने इनको बोलने के लिए बहुत समय दिया है लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपने देखा कि जहां इनको प्रदेश से जुड़े मुद्दे उठाने चाहिए वहां ये निजी बातों पर आ जाते हैं। जिन बातों का कोई लेना देना नहीं होता है लेकिन ये ऐसी बातें यहां पर उठाकर सदन का समय बर्बाद करते हैं। इनको यह बात मान लेनी चाहिए कि हम इनकी मेहरबानी से यहां पर चुनकर नहीं आए हैं। हमें हरियाणा की जनता ने चुनकर भेजा है। हम हरियाणा की जनता की तकलीफों से संबंधित बातों पर विचार करने के लिए और

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

उनको सोचने के लिए यहां पर आए हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो आपके बारे में अप शब्द कहे हैं वह बहुत गलत बात है अगर ये इस तरह से अप शब्द कहेंगे और सदन के काम में रुकावट डालेंगे तो हम इनकी बातों को बर्दाश्त नहीं करेंगे ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमें किसी की ऐडवाइज की जरूरत नहीं है। ये कोई ऐडवाइजर लगे हैं क्या ? हम किसी की सलाह मानने के लिए तैयार नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, आप ही इस सदन के कस्टोडियन हैं इसलिए हम आपसे ही अपनी बात कह सकते हैं। इन जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को तो जनता ने धूल चटा दी है। वह तो जनता से एक बार गलती हो गयी। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसीलाल) : अध्यक्ष महोदय, हमने तो इनकी तीन तीन पीढ़ियां हरा रखी हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये बहुत सयाने बनने की कोशिश कर रहे हैं। पर आप इस सदन के कस्टोडियन हैं इसलिए हम आपसे ही अनुरोध कर सकते हैं। हम चेयर का ऐतराम करते हैं लेकिन किसी और की सलाह मानने के लिए तैयार नहीं हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से एक सबमिशन है कि वे कंट्रोवर्सी में न पड़े।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब धूल चटाने की बात कहते हैं लेकिन मैं आपको बताना चाहूंगा कि आदमपुर का जो चुनाव तीन जून को हुआ था उसमें एक लाख इक्कीस हजार वोटों में से इन माननीय महानुभाव के कैंडीडेट को सिर्फ पांच हजार वोटें आयी हैं।

श्री वीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष के नेता ने बहुत विस्तार से आज जो हाउस में कार्यवाही हो रही थी, उस पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। स्पीकर साहब, आप भी विरोधी पक्ष में हमारे साथी थे। कभी हमारी और हमारे साथियों की यह मंशा नहीं कि चेयर की शान में कभी कोई गुस्ताखी करें। जैसा यहां माहौल हुआ और आपकी तरफ से किसी साथी के बारे में शब्द कहे गए वह आपने विदड्रा किए। हमारे साथी प्रो० संपत सिंह जी ने आपका अनुसरण करते हुए अपने शब्दों को वापस ले लिया यह उनका बड़प्पन है। मैं हाउस के नेता से भी कहना चाहता हूं कि वे पार्लियामैंट में रहे हैं छोटी-छोटी बातों पर नेम करने की आदतें और प्रथाएं जो डाली जा रही हैं यह ठीक नहीं है। जो कुछ पीछे हुआ है उस पर आप न जाइए। पीछे तो हम भी भुक्तभोगी रहे हैं। संपत सिंह जी हमारे वरिष्ठ साथी हैं और जैसे बीरेन्द्र सिंह जी ने भी गुजारिश की है और मैं भी आपसे गुजारिश करता हूं कि इस बात को भूल जाइए और उन्हें यहां वापस बुलाइए और वे यहां वापिस आकर कार्रवाही में हिस्सा लें इससे आपकी व सदन की शोभा बढ़ेगी। उनको हाउस में बुलाइए आपकी मेहरबानी होगी। धन्यवाद।

श्री खुर्शीद अहमद : स्पीकर सर, यह हाउस इस समय बजट को कंसीडर कर रहा है और सारे हरियाणा की जनता की नजरें इस ओर लगी हुई हैं छोटी सी बात पर यहां इतनी बदमगजी पैदा हो जाए कि हाउस की कार्यवाही आगे न चले तो इससे कोई अच्छी ट्रेडीशन हम कायम नहीं करेंगे। आपने किसी रूल के तहत जिन हालात में भी संपत सिंह जी को नेम किया उसका कंप्लायंस भी कर लिया गया। अब हाउस को कार्यवाही ठीक चल सके, हमारी पब्लिक को भी अंदाजा आ जाए कि उनके 90 के 90 नुमाइंदे उनके हित में हैं और इकट्ठे पंचायत में बैठे हैं। कार्यवाही में जो थोड़ी बहुत बाधा पड़ गई है उसको देखते हुए उन्हें माफ करते हुए दोबारा इस बात का मौका दें कि हाउस की कार्यवाही उसी तरह से चल

सके और हर आदमी को अपनी बात कहने का मौका मिल जाए। संपत सिंह जी आपके आर्डर की कंप्लायंस कर चुके हैं जो दंड आपने दिया था वह भुगत चुके अब आप दरियादिली दिखाते हुए हमारी दरख्वास्त को मंजूर करें। वे आपसे क्षमा याचना करें, अपने शब्द वापस लें उसके बाद हाउस की कार्यवाही नियमानुसार चलती रहे यही मेरा निवेदन है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : मैं सदन की इत्तिलाह के लिए बताना चाहता हूं कि बजट सैशन पर जो चर्चा चल रही है उस पर 6 घंटे 49 मिनट चर्चा हुई है जिस में से हरियाणा विकास पार्टी 43 मिनट, बी०जे०पी० शून्य, हरियाणा लोकदल 184 मिनट, इंडियन नेशनल कांग्रेस 114 मिनट, इंडिपैंडेंट को 68 मिनट मिले हैं। जहां तक मेरे खिलाफ मोशन का संबंध है that will be dealt with according to the provisions of the Constitution and rules, and I assure you that I will bow my head before the decision of this House. Is it the sense of the House that Prof. Sampat Singh be called back to the House ?

Voices : Yes, yes.

Mr. Speaker : With the sense of the House, now Prof. Sampat Singh is to be called back to the House and I would convey this message of the House through some official of the Assembly to Prof. Sampat Singh to come back in the House.

(At this stage Shri Sampat Singh came in the House.)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैं आपको मुबारकबाद देता हूं कि आपने चौधरी सम्पत सिंह जी को सम्मान इस सदन में दोबारा बुलाया यह आपका बड़प्पन है और एक नई परम्परा कायम हुई है क्योंकि पिछली सरकार के समय में जब हम विपक्ष में थे तो हमें सदन से निकाल दिया जाता था और विपक्ष के सदस्य प्रार्थना करते रह जाते थे परन्तु हमें दोबारा सदन में नहीं बुलाया जाता था। मैं विपक्ष के सदस्यों से प्रार्थना करता हूं कि वे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दें।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आपने मुझे दोबारा इस सदन में बुलाया इसके लिए मैं आपका बहुत आभार प्रकट करता हूं। सदन जब चलता है तो आपस में कुछ कहा सुनी हो जाती है। मेरी ऐसी कोई मन्शा नहीं थी जिससे आपकी गरिमा को कोई चोट पहुंचे। यह तो आपस में प्रोवोकेशन हुआ था जो मैंने उसी टाईम विदड्रा कर लिया था। मेरी तरफ से ऐसी कोई बात नहीं होगी जिससे सदन की कार्यवाही में कोई बाधा पहुंचे।

Mr. Speaker : I request all the leaders of the parties in the House to see me in my chamber after the adjournment of the House.

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक सबमिशन की थी तथा आपने मुझे कुछ बोलने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्ष : सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इस बारे में आज हाउस के खत्म होने के बाद बात कर लेंगे।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद जो आपने बोलने का समय दिया और आपकी निगाहें मेरे प्रति ठण्डी हुई। (इस समय उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/बैठक का स्थगन

शिक्षा मंत्री (श्री रामविलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदय, एक अच्छी परम्परा का परिचय इस महान सदन में दिया गया है। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी ने जो बात कही उसको उन्होंने महसूस किया है। स्पीकर साहब ने उनको बड़े सम्मान के साथ सदन में वापिस बुलाया। उपाध्यक्ष महोदय, जब सदन की चेयर के बारे में कोई बात आती है तो हम अपनी अहम भूमिका निभाते हैं क्योंकि स्पीकर साहब का सदन में एक अपना सम्मान है अपनी एक गरिमा है। माना कि हम सभी चुने हुये प्रतिनिधि हैं। सरकार की अपनी जिम्मेवारी होती है तो विपक्ष की भी अपनी जिम्मेवारी सरकार से कोई कम नहीं है। स्पीकर साहब का जो काम है, वह बड़ा कांटों भरा ताज है। सभी विपक्ष के माननीय वरिष्ठ साथियों ने चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने, चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि यह अच्छी परम्परा इस सरकार ने डाली है। सभी सदस्यों की बात हम सुनते हैं उनका जवाब देते हैं। स्पीकर साहब का हम सब सांझा सम्मान करते हैं तथा चेयर के प्रति सम्मान की अहम भूमिका हम सब निभाते हैं यह जो स्पीकर साहब के बारे में प्रस्ताव आया है, उस के बारे में मेरी माननीय साथियों से प्रार्थना है कि इस मुद्दे को ज्यादा न उछालकर इस पर पुनर्विचार किया जाए। अगर हर रोज इस प्रकार से अविश्वास प्रस्ताव आएंगे या इस प्रकार से चेलेंजबाजी होगी तो अच्छी परम्परा कायम नहीं रहेगी। हरियाणा प्रदेश के इस महान सदन की एक अच्छी परम्परा रही है। इसलिए विपक्ष के माननीय साथियों को प्रेस को ध्यान में रखते हुए इस मामले पर पुनर्विचार करना चाहिए। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, हम ने अध्यक्ष के रवैये के विरोधस्वरूप एक प्रस्ताव उन के समक्ष प्रस्तुत किया है, जिसका अनुसरण करते हुए अध्यक्ष महोदय अपनी कुर्सी छोड़कर सदन से चले गए हैं जिस पर उपाध्यक्ष महोदय आप आकर बैठे हैं। इसलिए पहले चर्चा इस प्रस्ताव पर ही होगी क्योंकि हमें उन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं है। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : ओम प्रकाश चौटाला जी, आप यह अनुसरण शब्द गलत प्रयोग कर रहे हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, प्रथा ही ऐसी है कि जब अध्यक्ष के खिलाफ कोई प्रस्ताव आ जाता है तो उस पर डिस्कशन सुनने के लिए उपाध्यक्ष महोदय ही बैठते हैं। इसलिए मैं श्री रामविलास शर्मा जी की बात को मानने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हूं। हमें स्पीकर साहब पर विश्वास नहीं रहा है, इसलिए हम यह अविश्वास प्रस्ताव लेकर के आए हैं, जिस पर 36 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। पहले हम इस पर चर्चा करवाना चाहते हैं उसके बाद बजट पर डिस्कशन होगी। (शोर)

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब इस बारे में कह कर गए हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब ने इस प्रस्ताव को डिसअलाऊ नहीं किया है। उन्होंने तो प्रेस दिखाई है कि उनकी गैरहाजरी में इस पर चर्चा हो। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि पहले बजट पर डिस्कशन होगी तथा भागी राम जी अपनी स्पीच जारी रखें। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, अध्यक्ष महोदय के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया गया है। जब तक इस पर डिस्कशन नहीं होगी तब तक बजट पर डिस्कशन नहीं होगी। हमें उन पर विश्वास

नहीं रहा है। हम इस प्रस्ताव पर खुलकर चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने इसको डिसअलाऊ भी नहीं किया है। हम यह जानते हैं। परम्परा भी यही है कि जब भी स्पीकर के खिलाफ कोई प्रस्ताव आ जाता है तो उस पर डिस्कशन उपाध्यक्ष महोदय ही सुनते हैं। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : इस समय डिस्कशन बजट पर ही होगी। (शोर) स्पीकर साहब बजट पर ही डिस्कशन शुरू करवाकर गए हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर साहब तो पता नहीं कि क्या क्या कर के गए हैं। लेकिन सवाल कायदे कानून का है उस के मुताबिक सदन चलना चाहिए। सदन की गरिमा और मर्यादा बरकरार रहनी चाहिए। हमें स्पीकर पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं है। इस प्रस्ताव पर 36 सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। हम खुलकर इस प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहते हैं ताकि सारे प्रदेश की जनता इन के कृत्यों से अवगत हो सके और आगे सदन के साथ कोई पक्षपातपूर्ण रवैया न हो। इस पर चर्चा के बाद ही अगली कार्यवाही होगी। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : एक बात सभी माननीय सदस्य ध्यान से सुन लें कि जिस वक्त स्पीकर साहब सदन से उठकर गए थे, उस समय बजट पर डिस्कशन के लिए श्री भागी राम जी बोल रहे थे इसलिए वह अब अपनी स्पीच आगे रखेंगे। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, सदन की गरिमा बरकरार रहनी चाहिए। स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर डिस्कशन के लिए ही वे कुर्सी छोड़कर सदन से चले गए हैं। (शोर) इसलिए पहले इस प्रस्ताव पर ही चर्चा होगी। अन्यथा हम सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरी एक सबमिशन है। (शोर) (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमने आपके खिलाफ एक रेजोलूशन दिया था उसके दृष्टिगत आपको इस चेयर पर नहीं बैठना चाहिए।

Mr. Speaker : I cannot go beyond the Constitution and nobody is above the Constitution. Article 179(c) of the Constitution clearly indicates that there should be a notice before at least 14 days. Today your motion is not the property of the House as yet it has to be decided and I had requested some time ago that after the adjournment of the House I would reuest all the leaders of the parties to see me in my Chamber. I cannot go beyond the Constitution and you are also requested not to go beyond the Constitution. The Constitution is above and we are to obey and act accordingly.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जब हमें आप पर विश्वास ही नहीं है तो आप क्या फैसला करोगे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं यहां चौटाला की मेहरबानी से नहीं बैठा हूं। I am here with the will of the people and will of the House.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप सारे सदन के अध्यक्ष हैं या किसी पर्टीकुलर सैक्शन के अध्यक्ष हैं। जब हमें आप पर विश्वास ही नहीं है, आप क्या फैसला करोगे ?

श्री अध्यक्ष : मैं कांस्टीच्यूशन के बीयोंड नहीं जा सकता। आपने कभी कांस्टीच्यूशन पढ़ा हो तो आपको पता हो। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अगर मेरी बात अन-कांस्टीच्यूशनल है तो इसको कौन डिस-अलाऊ करेगा।

Mr. Speaker : I disallow it. Please take your seat. (Noise).

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप कैसे डिस-अलाऊ कर सकते हैं। आप यह फैसला नहीं कर सकते आप यह फैसला नहीं कर सकते यह फैसला हाउस करेगा। (शोर)

Mr. Speaker : It is the question of the House. आप हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं इस तरह से बोलने की छूट आपको नहीं दी जा सकती। आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके पास यही एक तरीका है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आप हाउस का समय बरबाद कर रहे हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जब हमें आपके ऊपर विश्वास ही नहीं है तो आप इस बारे में कैसे फैसला दे सकते हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मुझे भी आपके ऊपर विश्वास नहीं है। जो आप कह रहे हैं यह आपकी व्यक्तिगत बात होगी। I am here with the will of the House. (Interruptions). Now you are not allowed to speak. Please take your seat. (Interruptions)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यदि सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आता है तो उसका कोई फैसला होने से पहले सरकार विरोधी पक्ष की बात पहले सुनती है इसलिए उस रैजोल्यूशन का कोई फैसला करने से पहले आप हमारी बात सुनें। (शोर) पहले हमारी बात सुन कर उसका फैसला करें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : मैं आपकी बात नहीं सुनता। मैं कांस्टीच्यूशन के हिसाब से चलूंगा। मैं आपके कहने से हाउस से बाहर नहीं जाता। मैं आपके रहम से यहां पर नहीं बैठा हूं। Chautala Sahib, you are not allowed to speak. Ch. Bhagi Ram Ji will speak on the budget. (Interruptions.)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आपने मुझे बोलने के लिए कहा था।

श्री अध्यक्ष : मैंने आपसे एक रिक्वैस्ट की थी यदि आप मेरी बात नहीं मानते तो आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आपने मेरी बात कहां सुनी ? आप मेरी बात सुनें मैं दो मिनट में अपनी बात कह दूंगा। जब आप चेयर छोड़ कर गए तो उस समय आपने यह कहा था कि मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : उस समय मैंने क्या कहा था वह मैं आपको बताता हूं। उस समय मैंने कहा था कि मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव है I will go according to the provisions of the Constitution and the Rules of the Assembly.

Shri Birender Singh : Speaker, Sir, you have said that you would invite all the leaders of the different parties in your Chamber.

Mr. Speaker : Just after the adjournment of the House.

श्री बीरेन्द्र सिंह : सर, मैं उसी के बारे में सबमिट करना चाहता हूं। You have taken a wise decision. It is a * * * decision and we all appreciate it. (Noise & Interruptions).

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल) : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो शब्द इस्तेमाल किया है वह रिकार्ड न किया जाए।

Mr. Speaker : ठीक है वह शब्द रिकार्ड न किया जाए।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : स्पीकर साहब, मैं तो एक ही प्रार्थना करूंगा कि ये माननीय सदस्य अपनी-अपनी इन्टरप्रटेशंज आपकी स्पीच की बाबत दे रहे हैं। ये अपनी-अपनी इन्टरप्रटेशंज अपनी सोच के मुताबिक आपके सामने गाइड लाईन के रूप में दे रहे हैं। (शोर) स्पीकर साहब, आपने यह कहा था कि मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया है and I will act according to the Constitution and rules.

Shri Birender Singh : No Sir, you had said, "I am going".

Shri Mani Ram Godara : No, no, this was not said.

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, कांस्टीच्यूशन के आर्टिकल 179 (सी) में लिखा है।

"... may be removed from his office by a resolution of the Assembly passed by a majority of all the then members of the Assembly.

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least 14 days' notice has been given of the intention to move the resolution."

अध्यक्ष महोदय, इसके बावजूद भी मैं इस राय का हूँ कि आप इस पर डिस्कशन के लिए एक घंटे का टाईम मुकर्रर कर दें और इस मामले को निपटा दें इसका फैसला हो जाएगा कोई झगड़ा ही नहीं रहेगा। इसका फैसला हो जाएगा उसके बाद हाउस की कार्यवाही चला लें।

Mr. Speaker : I would not go beyond the Constitution.

Shri Birender Singh : Sir, no doubt, Article 179(c) of the Constitution of India provides for the resolution for removal of the Speaker.But when we talk about proviso, we are to interpret the proviso. Constitution is always interpretted. Last time when we moved a resolution againt you, Sir, at that time the reslution was not within 14 days'. That resolution was allowed on the same day. You left the Chair and the Deputy Speaker presided over the proceedings. We want to say now that when the Leader of the House has said that this resolution should be taken first, it should be taken now.

Shri Bansi Lal : On legal point, Shri Birender Singh is absolutely wrong but still my satement is that we should take up the resolution straightway and we should take a decision right now. (शोर एवं व्यवधान) अभी वोटिंग करवा लो 5 मिनट में फैसला हो जायेगा। ये यही चाहते हैं। (शोर एवं विघ्न)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Mr. Speaker : The House is not above the Constitution.

Agriculture Minister (Shri Karan Singh Dalal) : This resolution is null and void in the eyes of the Constitution.

श्री मनी राम गोदारा : देखिए स्पीकर साहब, न तो यह आपके वश की बात है और न किसी और के बस की बात है। आपने एक बात कह दी कि मैं कांस्टीच्यूशन के तहत काम करूंगा and it is according to the Constitution. चाहे हाउस चले या न चले। Constitution is above the House also.

Shri Birender Singh : Why last time discussion was allowed ?

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इसमें कोई दो राय नहीं कि कान्स्टीच्यूशन के आर्टिकल 179 (सी) में यह है कि स्पीकर के खिलाफ नो कांफीडेंस मोशन 14 दिन पहले देना चाहिए। लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जो कान्स्टीच्यूशन के मेकर थे उन्होंने कभी यह नहीं सोचा था कि इतनी शार्ट टर्म के लिए सैशन चलेगा। उनकी तो सोच यह थी कि सैशन 2-3 महीने चला करेगा इसलिए उन्होंने 14 दिन का समय ऐसी मोशन के लिए लिख दिया। अब 14 दिन का सैशन ही नहीं है तो फिर 14 दिन का नोटिस कहां से दें।

Mr. Speaker : Can we and this House amend the Constitution ?

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि हम कान्स्टीच्यूशन अमैंड नहीं कर सकते लेकिन there are precedents. There are customary conventions. अध्यक्ष महोदय, देश में सारे काम कान्स्टीच्यूशन के हिसाब से नहीं होते और न ही चलते हैं।

श्री अध्यक्ष : क्या कान्स्टीच्यूशन के हिसाब से देश नहीं चलता ? (विघ्न) नहीं-नहीं आप जैसे आदमी से मिस्टर सम्पत सिंह यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि आप यह मानते हैं कि सारा देश कान्स्टीच्यूशन से नहीं चलता।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, कान्स्टीच्यूशन में कनवैंशन भी काम करती है, प्रैसीडेंट भी काम करता है आपकी खुद की प्रैसीडैंट रखी हुई है, यह आपके अपने समय में रखी गई है। आप उस कनवैंशन की फोलो क्यों नहीं करते ? (विघ्न)

Mr. Speaker : Can convention over rule the Constitution ?

Voices : No.

Sh. Sampat Singh : That cannot but you are the same person. यह आपके हाथों से ही हुआ है, आपने खुद कनवैंशन रखी है इसलिए स्पीकर सर, हम कहते हैं कि इससे पहले भी आपने ऐसे रैजोल्यूशन पर डिस्कशन अलाऊ की थी। (विघ्न)

श्री अतर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, एक बार कोई काम होने से प्रथा नहीं बनती, बार-बार उस काम को करने पर प्रथा बनती है कनवैंशन होती है। यह तो आपकी दरियादिली थी कि आपने उन्हें बोलने के लिए समय दिया।

श्री अध्यक्ष : हम और आप 1991 से 1996 तक आपोजिशन में रहे हैं आपको भी सदन से बाहर निकाला गया, हमारी पार्टी के लोगों को भी उस समय सदन से बाहर निकाला गया। कभी हमने

आपके बारे में रिक्वैस्ट की, कभी आपने हमारे बारे में रिक्वैस्ट की, जब चौ० करण सिंह जी को सदन से बाहर निकाला गया तो उस समय इनको सदन में वापिस बुलाने के बारे में आपने और हमने रिक्वैस्ट की। Was he called back ? (Interruptions)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, यह इंगलैंड का हाउस नहीं है जो कनवैंशन पर चले।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने अपना काफी संविधान इंगलैंड के संविधान से लिया हुआ है इसमें कोई दो राय नहीं है। हमारा संविधान इंगलैंड के संविधान से काफी मिलता है। इंगलैंड का संविधान अलिखित है, हमारा संविधान लिखित है। (विघ्न एवं शोर)

Mr. Speaker : You cannot go beyond the Constitution. You are not above the Constitution. (Interruptions)

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हाउस में जो आम रवायत होती है उसकी भी कोई अहमियत होती है। अध्यक्ष महोदय, जब लीडर आफ दि हाउस उस रैजोल्यूशन पर डिस्कशन के लिए कहते हैं, लीडर आफ दि आपोजिशन कहते हैं और लीडर आफ दि आल पार्टिज कहते हैं तो उस पर डिस्कशन करवाने में आपको क्या दिक्कत आ गई। (विघ्न एवं शोर)

श्री राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी प्रो० सम्पत सिंह जी कन्वैंशन्ज़ की बात कह रहे हैं, कुछ चीजें ऐसी होती हैं जिनकी व्याख्या नहीं होती है वे केवल महसूस की जाती हैं। जज्बात कुछ होते हैं जुबान पर कुछ होता है। कई बार जुबान जो कह नहीं सकती उसे महसूस किया जाता है। अध्यक्ष महोदय, अभी आपने प्रो० सम्पत सिंह जी को दरियादिली के साथ वापिस बुलाया है वह कन्वैंशन नहीं है। आपने अपने ज़मीर की आवाज़ को सुना और आपने अपनी ही बात को उल्ट कर प्रो० सम्पत सिंह जी को सम्मान दे कर बुलाया है वह पूरे सदन का सम्मान है, सदन के सभी विधायकों का सम्मान है। इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता कि क्या और कैसे हुआ। अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और खुर्शीद अहमद जी से भी बात हुई आपने अपनी बात को छोड़ कर सदन का सम्मान देखा है। ये साथी संविधान की बात करते हैं। संविधान की व्याख्या हम अपनी मर्जी से नहीं कर सकते हैं क्योंकि उसमें हर शब्द का अपना महत्व है एक अर्थ है हम उसको कन्वैंशन से बांध नहीं सकते। स्पीकर सर, here is the holy Constitution of India. It was written by freedom fighters and Dr. Bhim Rao Ambedkar. चौधरी बीरेन्द्र सिंह आर्टिकल 179 (सी) की बात कर रहे थे As per the article 179 (c) of the Constitution, the present resolution against the Chair is totally null and void. According to the definition of the Constitution every word of the resoluton is totally null and void. Speaker, Sir, can such a resolution be moved, unless at least 14 days' notice has been given of the intention to move the resolution.

Shri Sampat Singh : You are repeating the same thing.

Shri Ram Bilas Sharma : Yes, we are repeating this because you have been repeating this thing again and again in this House. You are talking about the convention when we talk about the Constitution. When we talk about the convention Prof. Sampat Singh is referring to the Constitution. When we talk about the latest convention of this august House for recalling Prof. Sampat Singh then he is referring to the Constitution. Every word of their sentence is

[श्री राम विलास शर्मा]
itself contradictory. Speaker Sir, we are not afraid of the resolution. अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन की चेयर की परम्परा और उसके सम्मान की बात है। स्पीकर सर, इस तरह की कोई कन्वैंशन नहीं है। आपने फरमाया "मैं संविधान से ऊपर नहीं जाता" आपने महान सदन की गरिमा के लिए सदन के सामने सिर झुका कर कहा कि जो सदन का फैसला होगा मैं उसके सामने सिर झुकाउंगा। अध्यक्ष महोदय, आपसे इस सम्मान की ही अपेक्षा थी। आपने यह बात कह कर इस महान सदन की गरिमा और सम्मान को बढ़या है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार फिर माननीय विपक्ष के नेताओं और माननीय विधायकों से यह बात कहूंगा कि यहां इस बात की चर्चा नहीं है इनकी तो रैजोल्यूशन के माध्यम से अपनी बात कह कर अपने मन का गुबार निकालना है। सरकर के खिलाफ बोल कर अपने मन का गुबार जरूर निकालें लेकिन इस महान सदन की गरिमा और सम्मान को जरूर ध्यान में रखें। संक्षिप्त में मैं अपने माननीय विपक्ष के साथियों से एक बात बड़े अदब से कहना चाहेंगा कि चेयर और इस महान सदन की गरिमा को देखते हुए ही कोई बात कहें और चेयर तथा सदन की गरिमा का सम्मान करें।

Shri Birender Singh : Speaker Sir, We all, 36 members from the opposition, had moved a No Confidence Motion againt the Hon'ble Speaker, and Sir...

Mr. Speaker : No Confidence Motion cannot be moved against the Speaker. Please correct yourself.

Shri Birender Singh : Sir, removal of Speaker means that we have no confidence in you and you should be removed. Even on the other side also, we know the aberrations in which you have been underlying in, Sir. Sir, we have to find out some ways at least to raise our voice so that we should not be discriminated. Sir, we have all respect for the Chair. We have moved a resoltion under Rule 11 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly. (Noise & Interruptions).

श्री अध्यक्ष : वीरेन्द्र सिंह जी, आप रूल 11 पढ़कर सुनाईए।

श्री वीरेन्द्र सिंह : सर, मैं पढ़कर सुनाता हूं लेकिन आप मेरी बात तो सुनिए। Before I read Rule 11 and Article 179(c) of the Constitution and that too the proviso of the Article 179(c). Sir, there is a General Clauses Act. If you have gone through that Act or some of the lawyer have gone through that Act, General Clauses Act defines certain words, which they have given certain definitions. Proviso always means, that Proviso is to be interpreted. Proviso cannot be mandatory of that Section, Sir.

Mr. Speaker : Can you interpret the Proviso in this House ? (Interruptions). Please tell me can you interpret the Proviso in this House ?

Shri Birender Singh : Yes Sir, I am interpreting. (Interruptions) Mr. Speaker Sir, I am trying to make you understand. (Noise & Interruptions).

Mr. Speaker : Ch. Birender Singh Ji, don't try to get me understand... (Noise & Interruptions)..

Shri Birender Singh : Speaker Sir, you are a professor, You have been our teacher, Sir. अध्यक्ष महोदय, अगर मैं आपसे 10 साल छोटा होता तो मैं आपका स्टूडैंट भी होता। अध्यक्ष महोदय, कुछ चीजें ऐसी कानून में होती हैं जिसकी व्याख्या प्रोफैसर से ज्यादा वकील कर सकता है और वकील से ज्यादा जज कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं कोई वकील बनने की कोशिश नहीं कर रहा हूं।

Mr. Speaker : Ch. Birender Singh Ji, please tell me one thing, can we amend any Article of the Constitution ? can we interpret any Proviso here ? Is our House is competent to do that ?

Shri Birender Singh : No. Sir, the House is supreme, House can take up any matter. (Noise & Interruptions). Sir, you please listen to me. (Interruptions).

Mr. Speaker : Ch. Birender Singh Ji, first of all please tell me, can we amend any Article of the Constitution here ? (Interruptions). Please don't try to misguide the House. (Noise & Interruptions).

Shri Bansi Lal : Mr. Speaker Sir, Constitution is supreme in this country.

Shri Birender Singh : Sir, I am not disputing. Constitution is supreme. (Noise & Interruptions).

Shri Bansi Lal : Mr. Speaker Sir, no Rule, no law of the land can be above the Constitution. Everything is below the Constitution. We are working under the Constitution.

Shri Birender Singh : Let me explain, Sir. If that Constitution is supreme then why last time this very motion was taken up without giving 14 days' notice ? There was the violation of the Constitution. We are not going to violate the Constitution. (Noise & Interruptions). Sir, there was a violation of the Constitution last time (Interruptions & Noise) Violation of the Constitution has taken place last time. Who has violated that Constitution ? (Noise & Interruptions)

Mr. Speaker : Chaudhry Sahib, please don't waste the time of the House. You are not gaining anything in it (Interruptions) Don't go beyond the Constitution. I have said clearly that I would not go beyond the Constitution.

Shri Attar Singh Saini : Not only you, Sir, but nobody can go beyond the Constitution.

Shri Khurshid Ahmed : Mr. Speaker Sir, I am not talking about this. I am talking as to who had gone against it. My plea is, if this House has considered a resolution earlier and without waiting for 14 days' notice, who have gone off the track ? If at that time, we are capable of violating the Constitution, if they were capable of violating the Constitution, then they should be punished for that and if they were not, then that makes the convention and that makes the precedent in this House. When this was the case in the same situation, that was allowed. That precedent should be followed. That notice was allowed by nobody else but by this House. There is no reason not to act in the same manner as you acted in the sme manner on that particular day, therefore, I want your ruling on this point, Speaker Sir.

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगननाथ) : स्पीकर सर, ऐसा है कि सन् 1946 में कांस्टीच्यूएंट असैम्बली बनी थी और 1946 से 1950 तक कांस्टीच्यूशनल असैम्बली के अंदर डिबेट होती रही, कांस्टीच्यूशन बनाने पर बहस होती रही। उस समय इस देश के सारे राइटर्ज, फिलोस्पर्ज, स्टेटसमैन एवं सुप्रीम कोर्ट के बड़े बड़े वकीलों ने और पं० जवाहर लाल नेहरू एवं मसानी आदि ने इसके ऊपर बहुत अच्छी तरह से डिसकशन की थी। एक-एक शब्द पर उन्होंने डिसकशन की थी इसकी एक-एक क्लॉज पर डिसकशन हुई थी, एक-एक आर्टिकल पर डिस्कशन हुई थी। उसके बाद ही यह कांस्टीच्यूशन बनाया गया था। लेकिन ये विपक्ष के हमारे भाई यहां पर ऐसे ही खड़े हो जाते हैं। स्पीकर सर, एक-एक क्लॉज के ऊपर हजारों किताबें लिखी गयी हैं। संविधान के अंदर आज जो कुछ भी है, वह बिल्कुल सही है।

श्री सम्पत सिंह : अगर कांस्टीच्यूशन ठीक था तो उसमें अमैंडमैंट क्यों हुई ?

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि अगर बजट के बारे में भागीराम जी नहीं बोलना चाहते हैं तो आप किसी और सदस्य को इस पर बोलने के लिए कहें क्योंकि हमारे विपक्ष के साथी सदन की कार्यवाही नहीं चलने देना चाहते हैं। इनके पास कहने के लिए तो कोई बात नहीं है और न ही इनके पास सरकार के सामने रखने के लिए कोई मुद्दा है। इनका तो एक ही मकसद है कि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से न चलने दी जाए।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी या सम्पत सिंह जी यह तो मान रहे हैं कि सैक्सन 179(सी) के तहत अध्यक्ष को हटाने के लिए 14 दिन का नोटिस देना आवश्यक है लेकिन वे इस बात को कह रहे हैं कि पहले ऐसी कंवैशंज रही हैं। सर, मैं कहना चाहता हूं कि कंवैशंज अदरवाईज हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कोल एंड शकधर की बुक में से इस बारे में कुछ कोट करना चाहता हूं। 6 मार्च, 1968 को पंजाब विधानसभा में इसी प्रकार स्पीकर के खिलाफ एक नो कॉंफिडैन्स मोशन आया था जिसको उस समय स्पीकर ने ऐडमिट भी कर लिया था और उस पर बहस के लिए समय भी फिक्स कर दिया था लेकिन जब 7 मार्च को हाउस रि-असैम्बल हुआ तो स्पीकर ने अपने पहले आर्डर को रिवर्स कर दिया और कहा it cannot be taken up. It cannot be admitted. अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इस बारे में पढ़कर सुनाना चाहता हूं। इसके ऊपर उस वक्त लोकसभा के स्पीकर मि० रेड्डी ने भी अपनी रूलिंग दी और कहा कि—

> "The Speaker's action in revising his ruling regarding the removal of a Member led to subsequent developments. However, the Speaker was within his rights to change his order in the changed circumstances.

मैं इसको दोबारा पढ़कर सुनाना चाहता हूं । (विघ्न) सर, मैं इसलिए कह रहा हूं कि जो लॉ ऑफ दी लैंड है— Law is above all of us. Nobody can go against the law of the land. Law of the land says that notice of 14 days' is mandatory and all terminal days in 14 days are to be excluded. So it cannot be admitted. It should be dropped just now. अध्यक्ष महोदय, इसके बाद सदन की जो आगामी कार्यवाही है, आप उसको चलाएं।

श्री अध्यक्ष : मेरी एक बार पुनः आप लोगों से प्रार्थना है कि यह जो रैजोल्यूशन आया है, यह 9.30 बजे ही आया है। मैंने इसको अभी तक पढ़ा नहीं है लेकिन मैंने आपको बताया है that will be dealt with according to the provisions of Constitution of India and Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly. I cannot go beyond the Constitution. अगर आपको फिर भी कुछ संदेह है तो I adjourn the

House for 15 minutes and request the leaders of the parties to see me in my Chamber.

13.00बजे (The House then adjourned for 15 minutes and re-assembled at 1.15 P.M.

(At this stage the Hon'ble Deputy Speaker occupied the Chair.)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Deputy Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour ?

Voices : Yes.

Mr. Deputy Speaker : Alright, the time of the sitting is extended by half an hour.

बैठक का पुनः स्थगन

Mr. Deputy Speaker : Now, the House is adjourned for another half an hour. The House will re-assamble at 1.46 P.M.

*1.16 P.M. (The House then *adjourned and re-assembled at 1.46 P.M.)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended upto 4.30 P.M.?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended upto 4.30 P.M.

अध्यक्ष को हटाने के लिए प्रस्ताव/उसको अस्वीकृत किया जाना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a resolution for the removal from the office of the Speaker given notice of by Shri Om Parkash Chautala and 35 other members of the Vidhan Sabha against me. As the resolution has been received against me, so I consider it appropriate to refer it to the Hon'ble Deputy Speaker for taking a decision thereon.

(At this stage Hon'ble Deputy Speaker occupied the Chair).

Deputy Speaker : As the motion was against the Hon'ble Speaker himself, he considered it appropriate to refer it to me for taking a decision thereon and as such I have examined the matter keeping in view the Constitutional and legal aspects thereof. Before anouncing the final decision, I would refer to the following provisions of the Constitution of India. Article 179 Vacation and resignation or removal from the office of the Speaker—

> "A member holding office of a Speaker of any Assembly may be removed from his office by a resolution passed by the majority of all the then members of the Assembly.

Vidhan Sabha Secretariat ★ LIBRARY ★ Chandigarh

[Deputy Speaker]

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless atleast 14 days' notice has been given of the intention to move the resolution"

and I rule that the notice is short of the period prescribed under the said provision of the Constitution, which is mandatory and cannot be suspended by the House. If there was any intention to give such notice, the Hon'ble Members should have thought patiently for giving the notice as prescribed under the Constitution. In the instant case, the Hon'ble members have given a resolution of removal of the Speaker which is thus not in conformity with Article 179(c) of the Constitution and Rule 11 of our Assembly Rules. Further even such a resolution cannot be moved/taken up unless there are specific charges made. In addition, the perusal of the notice shows that they have made very sweeping and general remarks which are baseless and unwarranted aginst the high office of the Speaker. I must say that the notice does not fulfil the requirement of the Constitutional provisions and rules of the Assembly. Therefore, I disallow the same.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, संवैधानिक दृष्टि से आपने निर्णय लिया है संविधान का तो हम अहतराम करते हैं। संविधान के मुत्तल्लिक स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए 14 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए था। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, 14 दिन का तो कभी भी विधान सभा सत्र नहीं होता है। फिर तो स्पीकर की मनमानी ही चलती रहेगी। आप इस चेयर पर आकर बैठे हैं इसलिए आप हमें इन्साफ दें। (शोर)

श्री उपाध्यक्ष : 14 दिन पहले का मतलब यह है कि आप सत्र शुरु होने से पहले भी नोटिस दे सकते हैं और सत्र शुरु होने के बाद भी नोटिस दे सकते हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, स्पीकर का रवैया देखकर ही तो नोटिस दिया जाएगा। अगर स्पीकर ठीक ढंग से काम कर रहा है तो फिर नोटिस देने की क्या आवश्यकता है ? (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने और विपक्ष के नेता ने भी सदन में वाएंट आउट किया लेकिन हम आपकी रूलिंग के सामने अपना सिर झुकाते हैं कि आर्टिकल 179-सी के अनुसार अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस 14 दिन पहले दिया जाना चाहिए। (शोर)

Shri Ram Bilas Sharma : Mr. Deputy Speaker Sir, this ruling cannot be challenged and he is going to challenge it. (Noise & Interruptions) This is a specific ruling. (Noise)

Shri Randeep Singh Surjewala : Mr. Deputy Speaker, * * * * *

Mr. Deputy Speaker : Nothing is to be recorded which Mr. Surjewala is saying. (Noise & Interruptions)

Shri Ram Bilas Sharma : Mr. Deputy Speaker Sir, when the ruling has been given by you, still he is saying. This ruling cannot be challenged. (Noise & Interruptions)

*Not recorded as ordered by the Chair.

वर्ष 1998-99 के लिए बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री उपाध्यक्ष : अब बजट पर डिस्कशन शुरु होगी और श्री भागी राम जी बोलेंगे।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद-एस०सी०) : उपाध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मैं आपसे पूछना चाहूंगा कि बोलने के लिए मुझे कितना समय मिलेगा ?

श्री उपाध्यक्ष : वैसे तो आपका समय 6 मिनट बनता है, फिर भी आपको 9 मिनट का समय दिया जाता है।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद-एस०सी०) : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने सत्ता में आने से पहले हरियाणा की जनता से बहुत वायदे किए थे लेकिन इस बजट स्पीच को पढ़ने से यह ज्ञात होता है कि उन किए गए वायदों में से एक भी वायदा पूरा नहीं किया गया है। चाहे वह 24 घंटे बिजली देने का वायदा था, चाहे 24 घंटे में ही बिजली कनैक्शन देने का वायदा था, चाहे सड़कें बनाने का वायदा था या बेरोजगारों को नौकरियां व पैट्रोल-पम्पस, गैस एजैंसियां देने का वायदा था। इन वायदों में से एक भी वायदा पूरा नहीं किया गया है। चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बनने से पहले मेरे हल्के में भी गए थे और वहां की जनता से ओटू झील के बारे में एक वायदा करके आए थे। पिछले सत्र में भी चौधरी बंसी लाल जी ने अपने भाषण में बोलते हुए कहा था कि जब मैं ओटू झील के पुल के ऊपर से निकला और उसकी बुरी हालत देखी तो मेरी आंखों से आंसू आ गए। मैं पूछना चाहता हूं कि अढ़ाई साल से इनके वे आंसू अब क्या सूख गए हैं? क्या हुआ उन आंसुओं का ? अभी तक कोई पता नहीं चला है। मैं बताना चाहता हूं कि वहां पर जितनी भी फसलें हैं, वह सब खराब हो रही हैं। इस ओटू झील से एस०जी०सी०, एच०डी०सी० और शेरांवाली चैनल 3 नहरें निकलती हैं। उन तीनों नहरों में पानी नहीं है क्योंकि उन तीनें नहरों में से अभी तक गाद नहीं निकाली गई है। उनकी सफाई नहीं करवाई गई, यदि उनमें पानी छोड़ते हैं तो पानी ओवर फलो होने से वे नहरें टूट जाती हैं। ओवर फलो होने के कारण आफिसर्ज उन नहरों में पानी नहीं छोड़ते जबकि लोगों को पानी की सख्त जरूरत है। मेरे हल्के में भालेकां माइनर है जो 1977 में चौ० देवी लाल जी ने मंजूर की थी, वह बीच में पड़ी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि उस माइनर को पूरा करवाया जाए। अब मैं सड़कों के बारे में कहना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आपको सुनकर हैरानगी होगी मेरे एक सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने कहा कि ऐलनाबाद से ठोबड़िया सड़क को 15-12-87 को मंजूरी दी गई, उसका काम पूरा हो गया लेकिन बालासुर से नाईवाला और घूमथल से कोटली इन दोनों सड़कों की भी मंजूरी 15-12-87 को दी गई उनका काम पूरा नहीं हुआ। इनके अलावा रानियां जीवन नगर से रामपुर खेड़ी, मोहर सिंह खेड़ी से ढाणी सतनाम सिंह सड़क और आशा सिंह ढाणी से ढाणी सन्ता सिंह ये तीन ऐसी सड़कें हैं जिनकी मंजूरी हो चुकी है तो उनका क्या हुआ ? इनका मंत्री महोदय ने गोल माल जवाब दे दिया ये इनकी अपनी आदत है। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी मेरी इस बात से सहमत होंगे। जबसे इनके पास यह महकमा आया है इन्होंने आज तक किसी भी सवाल का जवाब हां में नहीं दिया होगा हमेशा कहते हैं, नो सर। पता नहीं इनको बताया गया है कि नो सर के अलावा कुछ नहीं कहना।

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मवीर यादव) : उपाध्यक्ष महोदय, भागीराम जी ने जिन सड़कों के बारे में बताया उनमें से एक सड़क का काम पूरा हो चुका है जिसकी 1987 में एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल मिली थी उसके बाद ये साढ़े 4 साल राज कर चुके हैं तब इन्होंने कोई काम नहीं करवाया अब 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है बाकि जो तीन सड़कों के नाम इन्होंने लिए हैं इनको एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल मिली ही नहीं।

श्री भागी राम : इनका इलाज तो आप ही कर सकते हैं जब मैं पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी था और पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर के साथ अटैच्ड था तब मेरी कलम से इन सड़कों की सैंक्शन हुई थी। उनमें से एक पर मिट्टी का काम पूरा हो गया है। झूठ कहना तो अच्छा नहीं ये हमेशा गल्त बयानी करते हैं।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (श्री जसवंत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी भागीराम जी ने कहा कि मैं पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर के साथ अटैच्ड था। मैं इनकी जानकारी के लिए बता देना चाहता हूं कि जो तीन सड़कें रानियां जीवन नगर से रामपुर खेड़ी, मोहर सिंह खेड़ी से ढाणी सतनाम सिंह और आशा सिंह ढाणी से ढाणी सन्ता सिंह हैं। इनकी हमारी सरकार के समय नहीं बल्कि 1992 में ही एडमिनिस्ट्रेटिव एप्रूवल विदड्रा हो गई थी। Though during the year 1991 the Govt. had approved the construction of these roads but later on these approvals were withdrawn by the Govt. vide Commissioner and Secretary's letter No. 9/183-92-B-R (W)-3 dated 30-9-92.

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, ये सड़कें सैंक्शन हुई थी और इन पर गांव के लोगों ने मिट्टी डाल दी थी। जब भजनलाल का राज आया तो ये कैंसिल हो गई। अब तो भले आदमियों का राज है। मैं मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि अब ये दोबारा क्यों नहीं उन सड़कों की मंजूरी दे देते ?

शिक्षा मंत्री (श्री रामविलास शर्मा) : भागीराम जी ने कहा कि सड़कें नहीं बनी लेकिन अर्थ वर्क तो करवा दिया गया, जब बन्ता राम, सांगवान साहब बरसात के दिनों में उन सड़कों पर चलेंगे तो क्या वे सड़कें बचेंगी।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री जी बीच में खड़े होकर पता नहीं क्या कह गए। मैंने इनके महकमे का एक सवाल किया था कि एलनाबाद सब डिवीजन है और वह 30-35 हजार की आबादी का कस्बा है इसी तरह से रानियां कस्बा है क्या वहां पर आप कालेज शुरु करवाएंगे। मैं इनको बताना चाहूंगा कि जब चौधरी खुर्शीद अहमद जी शिक्षा मंत्री हुआ करते थे तो ये भी उस समय आपकी जगह बैठा करते थे। उस समय उन्होंने यह आश्वासन दिया था कि ऐलनाबाद में कालेज बनाएंगे। उपाध्यक्ष महोदय, रामविलास शर्मा जी शिक्षा के बारे में बड़ा जोर दे रहे हैं और कह रहे हैं कि हम यह कर रहे हैं यह कर रहे हैं। ये बार बार शोर मचा कर कह रहे हैं कि हमने इतने प्राइमरी स्कूलों का दर्जा बढ़ा दिया इतने मिडिल स्कूलों का दर्जा बढा दिया और इतने हाई स्कूलों का दर्जा बढ़ा दिया। उपाध्यक्ष महोदय, पूरे हरियाणा प्रदेश में तीन हजार से भी अधिक जे०बी०टी० टीचर्ज की पोस्टें खाली पड़ी हैं।

श्री राम विलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट औफ आर्डर है। चौधरी भागी राम का एक सवाल था उसमें इन्होंने पूछा था कि आज के दिन हरियाणा प्रदेश में जे०बी०टी० टीचर्ज के कितने पद खाली पड़े हैं। इनका वह सवाल समय की कमी के कारण लग नहीं सका मैं तो उसका जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार हो कर आया था फिर भी मैं इनको अब बता देता हूं । जो जे०बी०टी० टीचर्ज की 3036 पोस्टें खाली हैं उनमें से हमने 2583 पोस्टें भर ली हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं भागी राम जी को बताना चाहूँगा कि जो गरीब हरिजनों के जे०बी०टी० टीचर्ज की पोस्टों में 380 का शार्टफाल था उसको हमने पूरा किया है। हमने उन 2583 जे०बी०टी० टीचर्ज की पोस्टों में से 380 पोस्टों पर हरिजन जे०बी०टी० टीचर्ज लगाए हैं।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, इनको हम कहां कहां पर रोएं। होम मिनिस्टर ने एक सवाल के लिखित उत्तर में कहा है कि बलात्कार के 277 केस हुए हैं अपहरण के 249 केस हुए हैं इस तरह से इन्होंने फिग्गर्ज इसमें दी हैं। इसके अलावा इन्होंने इसमें यह जवाब दिया है कि डकैती किसी हरिजन

के यहां नहीं हुई। उपाध्यक्ष महोदय, हिसार जिले में उकलाना के पैट्रोल पम्प पर जो डकैती हुई वह पैट्रोल पम्प हरिजन का है। इसी तरह से धोलपालिया महा लक्ष्मी फिलिंग स्टेशन पर 1 लाख 19 हजार रुपए की डकैती हुई वह भी एक हरिजन का फिलिंग स्टेशन है। उपाध्यक्ष महोदय, उनके पर्चे दर्ज हैं। इस तरह से इस सरकार के मिनिस्टर हाउस को गुमराह करते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर हाउस में बैठे हैं। मैंने इनके महकमे का ऐलनाबाद निर्वाचन क्षेत्र के कासी का वास और ढ़णी लखजी तथा बालासर के वाटर वर्कस का सवाल दिया था। उपाध्यक्ष महोदय, उस सवाल के उत्तर में मंत्री जी ने जो कहा वह सुन कर आप हैरान होंगे। इन्होंने बालासर वाटर वर्कस के बारे में कहा है कि वहां पर पानी मीठा न मिलने के कारण उसको रिजैक्ट कर दिया गया है। जब हमारी पार्टी की सरकार थी उसमें मैं इसी महकमे का मंत्री था। उस समय इन तीनों गांवों के लोग मेरे पास आए और कहने लगे आप इन वाटर वर्कस की बिल्डिंग बाद में बना दें। हमारे यहां पानी की कमी है इसलिए आप इन वाटर वर्कस का पानी का कनैक्शन करवा दें। उस समय हमने वहां पर चार दीवारी की छोटी सी दीवार बनाई थी। उपाध्यक्ष महोदय, आज आठ साल हो गए वहां पर वह चार दीवारी नहीं बनी है और वहां पर जो घास खड़ा है वह भी नहीं काटा गया है। इसी तरह से तलवाड़ा वाटर वर्कस है वह वाटर वर्कस 7 महीने से बंद पड़ा है।मैं इसके साथ साथ यह भी कहना चाहता हूं कि ऐलनाबाद सब डिविजन के स्तर का कस्बा है। वहां की 30-35 हजार की आबादी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आप वहां से रिपोर्ट मंगवाकर पता करवा लें वहां पर पीने का पानी मोल बिकता है। जब मैं मंत्री था तो मैंने एक वाटर वर्कस वहां पर बनाये जाने का शिलान्यास किया था। वह काम पूरा नहीं हुआ है। (शोर)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : उपाध्यक्ष महोदय, जहां पर भागीराम जी पत्थर रखें, क्या कभी वहां पर काम पूरा हो सकता है ?

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा हूं कि ऐलनाबाद का वाटरवर्कस जिस हालत में मैंने छोड़ा था, उसी हालत में आज भी पड़ा हुआ है। उस पर आगे कोई काम नहीं हुआ है। मैं चाहता हूं कि सरकार इन सभी बातों की तरफ ध्यान दे। (घंटी) वहां पर एक मंत्री जी प्रिवेंसिज कमेटी की मीटिंग में जाते हैं। (शोर एवं विघ्न) कोई विधायक अपने हल्के का अस्पताल 30 से 50 बैड का, कोई 50 से 100 बैड का, कोई 100 से 500 बैड का और कोई 200 से 500 बैड का अस्पताल बनवाना चाहता है। मेरा कहना यह है कि ऐलनाबाद सब डिविजन हैडक्वार्टर होने के बावजूद भी वहां पर सिविल अस्पताल आज तक नहीं बना है। मैंने अपने समय में वहां पर अस्पताल बनवाने के लिए काम शुरु करवाया था। उस वक्त उस पर 14-15 लाख रुपये खर्च हो चुके थे। उसके बाद आपसे पहले वाली सरकार आई और अब आपकी आई है, वह अस्पताल आज तक नहीं बना है। (घंटी)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश महाजन) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब ये मंत्री थे तो उस वक्त इन्होंने वहां पर अपनी मर्जी से अस्पताल के लिए जमीन दिलवाई। वह जमीन 30 फुट गहरी है। जितना खर्च इस जमीन को भरने में आएगा उतने में नए अस्पताल की बिल्डिंग तैयार हो जावेगी। हमने वहां पर चार दीवारी बना दी है। (विघ्न) हम वहां पर अस्पताल बनाने का कोई इन्तजाम कर रहे हैं।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के पी०डब्ल्यू०डी० के काम को देख लें, पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के काम को देख लें या किसी और विभाग के काम को देख लें, उन सब को देख कर रोना आता है। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात याद आती है। (घंटी) उपाध्यक्ष महोदय, आपके तेवर गर्म हैं।

श्री उपाध्यक्ष : मेरे तेवर गर्म नहीं हैं।

श्री भागी राम : उपाध्यक्ष महोदय, एक गांव में एक बुढ़िया रहती थी। उसके पास अपनी एक चक्की थी।

श्री उपाध्यक्ष : भागी राम जी, आप बैठें। अब श्री बीरेन्द्र सिंह जी बोलेंगे।

श्री भागी राम : उस गांव में एक ठठेरा चाकी राहने वाला आ गया और वह उस बुढ़िया के घर चाकी राहने के लिए चला गया।

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये। बीरेन्द्र जी आप बोलें।

श्री भागी राम : उस ठठेरे ने जोर से हथोड़ी मारी तो बुढ़िया की चक्की टूट गई (शोर एवं विघ्न) जब ठठेरा बुढ़िया से डर के मारे वहां से भागा तो उसको बुढ़िया गेट पर मिली तो ठठेरा बुढ़िया से टकरा गया और बुढ़िया गिर गई और उसका धड़ा भी टूट गया। बुढ़िया ने कहा मर जाने तने रो लूं तो ठठेरे ने बुढ़िया को कहा, आगे-आगे चलती जा और रोती जा। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के कारनामें ऐसे हैं कि लोग परेशान हैं जहां भी जायेंगे रोते जायेंगे। व्यापारी हड़ताल पर हैं, कर्मचारी हड़ताल पर हैं और नर्सें भी हड़ताल पर हैं आम आदमी भी दुखी है। (विघ्न और शोर)

श्री उपाध्यक्ष : श्री भागीराम जी आप बैठ जायें। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछले तीन दिनों से वित्त मंत्री जी द्वारा 1998-99 का जो बजट पेश किया गया है उस पर चर्चा चल रही है। बजट पर चर्चा की शुरुआत विपक्ष के नेता चौ० ओम प्रकाश चौटाला जी ने की। आज किन्हीं कारणों से कुछ समय के लिए हम अपना ध्यान बजट चर्चा पर नहीं लगा सके। लेकिन इसके साथ ही मुझे इस बात की खुशी है कि आपके निर्णय के बाद सदन के नेता चौधरी बंसी लाल जी ने, विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने, भाई राम विलास शर्मा जी ने और हमारे चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने, जो हरियाणा के बहुत वरिष्ठ नेता हैं, इन्होंने मिलकर हरियाणा प्रदेश की परम्पराओं को ही मजबूती नहीं दी बल्कि सदन की जो परम्परायें हैं, प्रजातंत्र के अंदर जो कुछ होना चाहिए उन परम्पराओं को भी मजबूती प्रदान की है। वरना हमारे को कहा जाता है कि भैंस का दूध पीने वाले लोग हैं इसलिए अपनी बात पर अड़ते हैं तो पीछे नहीं हटते। उपाध्यक्ष महोदय, आज सभी साथियों ने बुद्धिमता का परिचय दिया। सदन की रवायत कायम रखनी चाहिए जिस पर हमारी आने वाली पीढ़ी गर्व कर सके और वह सही रास्ते पर चल सके। वह एक सराहनीय कदम था। उसके लिए मैं सभी माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह बात जरूर कहूंगा कि हमें हरियाणा की दो करोड़ जनता ने यहां चुनकर भेजा है, चाहे हम किसी भी दल से जीतकर आये हों, जनता बड़ी उम्मीद के साथ, बड़ी आशाओं के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुनकर यहां भेजती है। जनता के सामने एक नक्शा होता है कि उनके प्रतिनिधि सदन में जायेंगे और वहां पर वे उनके हकों की लड़ाई लड़ेंगे, उनके दुख-दर्द का सदन में वर्णन करेंगे। जनता का जो दुख है वह सरकार के कानों तक पहुंचायेंगे। अगर सरकार के कानों में जनता की आवाज नहीं पहुंचती है जनता के दुख दर्द के बारे में सरकार को पता नहीं लगता है तो जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि सदन में अपने भाषणों द्वारा, अपने सुझावों द्वारा सरकार के कानों में जनता की बात डालेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, चाहे वह प्रतिनिधि सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का हो वह सरकार के सामने जनता की तकलीफें रखेगा। उपाध्यक्ष

महोदय, विपक्ष का तो यह कर्तव्य बनता है कि सरकार की जो कमियां हैं उनको उजागर करे। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश को बने हुए 32 साल हो गए, आप इन 32 सालों के अर्से पर नजर डालें तो आप पाएंगे कि इन 32 सालों में कहीं न कहीं, कोई न कोई कमी अवश्य रही है जिस वजह से आज भी हम वहीं पर खड़े हैं जहां 32 साल पहले खड़े थे। उपाध्यक्ष महोदय, आज हम सब अपने-अपने क्षेत्र की बिजली की समस्या को लेकर, पानी की समस्या को लेकर, कानून और व्यवस्था की समस्या को लेकर, नौजवान युवक-युवतियों की बेगोजगारी की समस्या को लेकर चिंतित हैं और इस बारे में सारे सदन को चिंता होनी स्वाभाविक है। उपाध्यक्ष महोदय, कभी भी हमने इसके कारणों को जानने की कोशिश नहीं की। उपाध्यक्ष महोदय, पिछले छः महीने से आपने एक ट्रैंड हरियाणा प्रदेश में देखा होगा कि हरियाणा प्रदेश के अंदर किस कदर ला एंड आर्डर की स्थिति बिगड़ी है। किस कदर आज बेगोजगारी अपनी चर्म सीमा पर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर हम इन समस्याओं की गहराई में जायें तो हमें पता लग सकता है कि इनका समाधान कैसे हो सकता है। हम सिर्फ विचार करके अपनी जान नहीं छुड़ा सकते। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि किसी समस्या की गहराई में जाने पर ही सच्चाई का पता हम लगा सकते हैं। सिर्फ यह कह कर कि जो लोग गिरफ्तार हुए वे जमानत पर छूट गए, जेल तोड़ कर भाग गए उनको पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है या उनके खिलाफ कार्यवाही चल रही है, अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है, इस प्रकार की बातों से इस समस्या का समाधान होने वाला नहीं है। हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिनों दिन गिरती जा रही है। मजबूर हो कर आज यह कहना पड़ रहा है कि पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति आज गाजियाबाद, बुलन्दशहर और यमुना के साथ लगते हुए इलाकों जैसी हो रही है, क्योंकि लोग वहां से आ कर भी यहां पर कई प्रकार के अपराध करते हैं। आज हरियाणा में भी अपराध प्रवृत्ति बढ़ रही है। आज हमें इस बारे में सोचना चाहिए कि इसके पीछे कौन सी बात है, कौन सी चीज़ आज इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा था कि वह आदमी जो क्राईम करता है, वह क्राईम करके मर्डर करके, सबसे पहले अपनी सेफ्टी इन्शोर करता है। अपने बचने का रास्ता ढूंढता है इसलिए उसकी गिरफ्तारी नहीं होती है। जब तक इस व्यवस्था के अन्दर वह सेफ न हो जाए तब तक उसकी गिरफ्तारी नहीं होती। अध्यक्ष महोदय, मैं पूछना चाहता हूं कि जो अधिकारी जो कर्मचारी इस बात के लिए जिम्मेदार हैं कि मुलजिमों की गिरफ्तारी जल्दी हो वे ऐसा क्यों नहीं करते। किसी केस का हवाला दे देने से कोई बात यहां पर कह देने से कोई हल होने वाला नहीं है। जब तक हम लोग इन बातों को गम्भीरता से नहीं लेंगे तब तक कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले असामाजिक तत्वों को शह मिलती रहेगी और उनका हौंसला बढ़ता रहेगा। ऐसी अनेकों घटनाएं हैं कि पुलिस अधिकारियों से मिल कर या वहां पर काम करने वाले लोगों से मिल कर आपराधिक तत्व गिरफ्तारी से बच जाते हैं। इस प्रकार की घटनाओं पर तभी काबू पाया जा सकता है जब हम सब लोग मिल कर गम्भीरता से सारे सिस्टम पर विचार करेंगे कि इस प्रकार की बातें क्यों हो रही हैं। 32 साल के शासन में हमने कभी यह नहीं सोचा कि सिस्टम को सुधारा जाए। जब भी कोई आवाज़ उठती है तो हमारा नज़रिया उसको गम्भीरता से लेने का नहीं होता और मात्र आंकड़े दे कर या शासन व्यवस्था की आलोचना करने तक सीमित रहता है। हमारी शासन व्यवस्था के पीछे जो राजनीतिज्ञ हैं और जो राजनीतिक दल हैं वे इस बात को गम्भीरता से नहीं लेते। जिस राज्य के अन्दर नौकरियां गलत ढंग से दी जाती हों वहां यह होना स्वाभाविक है। कोई भी कर्मचारी चाहे वह पुलिस का हो या दूसरे महकमे का हो जब भ्रष्ट तरीके से नौकरी हासिल करेगा तो काम ईमानदारी से कैसे करेगा। एक लाख या डेढ़ लाख रुपए दे कर अगर कोई सिपाही लग गया तो उसे क्या तन्ख्वाह मिलती है। अगर डेढ़ लाख रुपये ब्याज

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

पर देगा तो 3 हज़ार रुपये महीने का तो उसको ब्याज मिलता है और तीन या साढ़े तीन हज़ार रुपये सिपाही की तनख्वाह होती है। तीन या साढ़े तीन लाख रुपए पर वह रुका नहीं रहेगा। इससे उन लोगों को प्रोत्साहन मिलता है जो नौकरियों को खरीद कर सामाजिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार को बढ़वा देते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इस स्थिति के लिए कोई एक आदमी दोषी नहीं है कोई एक राजनैतिक दल दोषी नहीं है, हम सब इसमें बराबर शरीक हैं। कई बार यह बात दिमाग में आती है कि चुनाव के बाद 5 साल तक हम क्या करते हैं। किसी बच्चे की नौकरी लगवानी है किसी के बच्चे का ट्रांसफर करवाना है, हम इसी में लगे रहते हैं वरना और कोई बात हमारे नोटिस में ही नहीं आती। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि आज अगर कोई ईमानदार विधायक है या मैंबर आफ पार्लियामैंट है उसकी ज़िम्मेदारी यह बनती है कि वह उन लोगों की भावनाओं को देखे जिन भावनाओं के साथ उन्होंने उसको चुनाव जिता कर भेजा है। चुनाव जीतने के बाद हम इसी बात में मशगूल रहते हैं कि फलां के बेटे की नौकरी लगवानी है, फलां की बेटी की नौकरी लगवानी है, फलां के रिश्तेदार को नौकरी लगवानी है या उसका ट्रांसफर करवाना है, उनको कैसे नौकरी पर लगा सकते हैं उसके बाहर हम कभी सोचते ही नहीं। उसका नतीजा क्या होता है कि लोग कहते हैं कि पिछले को हरा कर दूसरे को जिता दिया। एक को हरा कर दूसरे को विधायक बना देने से साफ ज़ाहिर होता है कि लोगों को यह साफ नज़र आता है कि कौन क्या कर रहा है। लोगों की सेवा करने का नज़रिया हम लोगों का होना चाहिए हमारे जनता की भावनाओं के मुताबिक काम न करने से उनमें निराशा का भाव आता है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि चौधरी बंसी लाल जी आज भी कुछ करना चाहते हैं। लेकिन इनको अच्छा काम न करने देने के लिए इनके लोग दल में बैठकर इनकी स्तुति करना ही जानते हैं और कहते हैं कि हम इसमें इतना लेंगे, इतनी बदलियां करवाएंगे, इतनी सर्विसिज़ लेंगे और इतना पैसा लेंगे। अगर ऐसा होगा तो यह प्रशासन व्यवस्था कैसा चलेगी। मैं कानून व्यवस्था की बिगड़ी हुई स्थिति के लिए तीन चीजों को जिम्मेवार मानता हूँ। आज कानून व्यवस्था का भयावय रूप देखें तो उसमें रोहतक, सोनीपत, आधा हिसार और जमुना से लगता हुआ फरीदाबाद का इलाका है। इसकी क्या वजह है, इसकी वजह यह है कि 32 सालों के शासन काल में इस इलाके को इनके लोगों को इनकी नौकरियों का पूरा हिस्सा नहीं मिला है। जिसके घर में सत्ता आई उसने अपने जिले से अपने चुनाव क्षेत्र से बाहर नहीं सोचा। उपाध्यक्ष महोदय, आज हम उस व्यवस्था के दोषी हैं जिसमें पूरे हिसाब से नौकरियों का डिस्ट्रीब्यूशन होना चाहिए था लेकिन नहीं हुआ। हम इसमें फेल हो गए हैं। क्लास 3 और क्लास 4 की नौकरियां होती हैं ? आज हम ड्राईवरों को कंट्रैक्ट बेसिज पर भर्ती करें तो उसको 16 सौ रुपए ही मिलते हैं। यह जो आपका मिनिमम वेज़िज का ट्रैक है यह तनख्वाह उसकी धज्जियां उड़ाती है। आज मिनिमम वेज़िज के अन्दर 1800 या 2000 रुपए से कम पैसा किसी नौकर या लेबर को भी नहीं दे सकते हैं और उनको 1600 मिलते हैं। लेकिन मुझे हैरानी है कि उस ड्राईवर की नौकरी की फाईल भी मुख्यमंत्री जी के आफिस में आती है। उपाध्यक्ष महोदय, मैंने किसी बस डिपो में लगे हुए आदमी से नौकरी ज्वायन करने से पहले पूछा कि क्या बात है तुमने अभी तक ज्वायन नहीं किया तो उसने कहा कि अभी तक फाईल नहीं आई है। आज 1600 रुपए के लिए भी हम अपने आफिसरों पर विश्वास नहीं करते हैं। बदलियों का भी चरण बन गया है और उसके लिए मुख्यमंत्री के आफिस को दबाया जाता है। कोई माईनोरिटी की सरकार हो तो ठीक है लेकिन उसको अपनी नीतियों से हट कर काम करना है तो यह हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक बी०जे०पी० का सवाल है हो सकता है कि हमारे सिद्धान्त उनके सिद्धान्तों से अलग हों लेकिन वे सोच के धनी हैं। आज हम सदन में कहें कि हम सदन में नहीं आते हैं लेकिन उससे चिन्ता है कि क्या राजनीतिक व्यवस्था में किसी विचार धारा के

साथ, किसी प्रोग्राम के साथ बंध करके अपने कुनबे की अपने घर की राजनीति करना चाहते हैं तो यह ठीक नहीं है। डेढ़ लाख लोग जो हमें वोट देने वाले होते हैं हम अपने हितों के लिए उनके हितों की बलि चढ़ा देते हैं। (विघ्न) आप चिन्ता न करें मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, मैं इनके दिल में एक बात बैठाना चाहता हूं ताकि ये रात को सोंए तो यह सोचें नहीं हमने अपनी सरकार को मजबूत करना है ताकि वह लोगों के काम कर सके। आप अपनी ही सरकार की टांग खींच रहे हैं और ऐसे हालात में तो हमें आपकी टांग खींचने में और भी आसानी होगी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह बताना चाहता हूं कि खास गांव में 1995 में फल्ड आया था और वहां पर 6 फसलें बर्बाद हो गई थी। वहां पर कोई भी फसल नहीं हुई थी। उपाध्यक्ष महोदय, पुलिस ने वहां पर 250 ऐसे नौजवानों को आईडैंटिफाई किया हुआ है जो वहां पर रात के वक्त में वायरलैस करते हैं। वे रातों को ट्रक लूटते हैं। अगर रात को कोई कार आई तो उसको रुकवा कर उसके ड्राईवर को नीचे उतार कर गोली मार देते हैं और गाड़ी लेकर चले जाते हैं। मैं यह बात कहता हूं कि उसकी वजह कभी किसी सरकार ने नहीं सोची, किसी नेता ने नहीं सोचा कि उस गांव की दुख तकलीफों की वजह से वहां के लोग क्यों अपराधिक तत्वों के रूप में सक्रिय हो रहे हैं या अपराधी बनने के लिए उनका रूझान क्यों बढ़ रहा है। डिप्टी स्पीकर सर, हमने कभी नहीं सेचा। तीसरी बात सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि यह हम सबके लिए वार्निंग है और साथ ही यह वार्निंग समाज के उन लोगों के लिए भी है जो अपने आपको सम्पन्न समझते हैं और जो कहते हैं कि हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता क्योंकि हमारे पास बड़े बड़े मकान हैं, हमारे पास रिवाल्वर हैं हमारे पास बन्दूक है इसलिए हमारा कोई क्या कर सकता है। हम तो चौधरी हैं। डिप्टी स्पीकर सर, मैं उन लोगों के बारे में कहना चाहता हूं जिन्होंने राजनीति पर पिछले 32 सालों से कब्जा किया हुआ है। वे लोग इस वार्निंग को समझें। उनको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज नौकरियों में हमको इक्वल डिस्ट्रीब्यूशन करना पड़ेगा। जब हम ऐसा करेंगे तभी हम लोगों की अशान्ति को शान्ति में बदलने में कामयाब होंगे। मैं आज जिन चार जिलों की बात कर रहा था उनमें आज क्यों अशान्ति है ? उनमें अशान्ति इसलिए है क्योंकि उनके खेतों में सिर्फ एक ही फसल होती है और उस फसल के होने का भी पूरा भरोसा नहीं होता इसलिए आज वहां के लोग अपराधी बन गये। डिप्टी स्पीकर सर, जिस किसान के खेत में सावणी की फसल इसलिए न हो कि वहां का नीचे का पानी खारा है और ऊपर नहर का पानी आता नहीं है तो उनमें अशान्ति नहीं होगी तो क्या होगा ? डिप्टी स्पीकर सर, जो नरवाना ब्रांच है उसकी पूरी कैपेसिटी 4200 क्यूसिक है। कैरियर चैनल जो पंजाब की सीमाओं से भाखड़ा कैनाल का पानी लेकर डब्ल्यू०जे०सी० सिस्टम को स्टैंथन करता है, उसमें पिछले सालों में गाद जम गयी है, बहुत से पेड़ या अन्य चीजें उसमें गिर गये हैं जिसके कारण उसकी कैरियर कैपेसिटी 2600 क्यूसिक ही रह गयी है यानी 1600 क्यूसिक पानी उसमें कम आता है। इतने पानी के कम आने के कारण से हम हरियाणा के उन चार जिलों के किसानों को पूरा पानी नहीं दे पाते हैं। इसी कारण उनकी पचास हजार एकड़ जमीन में एक ही फसल हो पाती है। लेकिन डिप्टी स्पीकर सर, किसी भी सरकार ने आज इस तरफ ध्यान देने की कोशिश नहीं की कि नाहड़, कौसली, रिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, भिवानी, झज्जर, गुड़गांव और फरीदाबाद के इलाके एवं सोनीपत तथा रोहतक के इलाकों को पूरा पानी मिल सके। इन इलाकों में से कुछ में फुलड से भी मार पड़ती है। डिप्टी स्पीकर सर, वहां नीचे का पानी खारा और 1600 क्युसिक पानी कम हो तो फिर उन इलाकों के लोगों का क्या होगा ? आज इस बजट स्पीच में फाईनेंस मिनिस्टर ने कहा है कि हमने इस नहर की सफाई के लिए अढ़ाई करोड़ रुपया पंजाब सरकार को दिया हुआ है। लेकिन मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि इसका रिजल्ट क्या होगा ? क्या आप पंजाब को इस कैनाल की सफाई के लिए बाध्य कर सकते हो ? जब एस०वाई०एल० कैनाल का पांच कि०मी० का टुकड़ा ही नहीं बन सका तो

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

फिर वे आपको इन कैनाल की गाद कैसे निकालने देंगे ? एस०वाई०एल० कैनाल की उन्होंने पिछले पांच से भी ज्यादा सालों से खुदाई ही नहीं होने दी तो इस कैनाल की गाद को कैसे निकालेंगे। नहीं निकालेंगे क्योंकि आज वह पानी उनके खेतों में चलता है। अगर पंजाब की बादल की बी०जे०पी० की गठबन्धन सरकार एस०वाई०एल० को नहीं खोदने देता तो नरबाना ब्रांच की सफाई कैसे करेगी ? डिप्टी स्पीकर सर, भाखड़ा मेन लाईन सिस्टम से जो साढ़े छः हजार क्यूसिक पानी मिलता है उसमें भी एक हजार क्यूसिक पानी कम आता है क्या वे उसकी सफाई करने का काम करेंगे ? नहीं करेंगे। इसलिए डिप्टी स्पीकर सर, मैं इस सरकार से और रामबिलास जी, आपसे यह पूछना चाहता हूं कि जब तक आप रिटेलेटरी स्टैप नहीं लेंगे तब तक कुछ नहीं होगा। जो पानी हमारा पिछले 30 सालों में आता था अगर वह उतना पानी नहीं आने देते, एस०वाई०एल० कैनाल को बनने नहीं देते तो फिर उनको अपने ट्रक और बसिज हरियाणा की सड़कों पर चलाने का कोई हक नहीं बनता है। वे आपको और हरियाणा सरकार को कमजोर समझते हैं। डिप्टी स्पीकर सर, इसी सरकार को नहीं बल्कि पहले जो जो भी सरकारें आयीं, उनको भी वे कमजोर ही समझते रहे। आज तक कोई भी फैसला हरियाणा के हक का नहीं माना गया क्योंकि पंजाब ने साफ इंकार कर दिया। वह कहते हैं कि चंडीगढ़ छोड़े, 60 हजार एकड़ जमीन छोड़े क्या हम चंडीगढ़ छोड़ देंगे ? कोई मतलब नहीं चंडीगढ़ छोड़ने का जब तक हमारी एस०वाई०एल० बनकर तैयार न हो जाए, जब तक रावी ब्यास का पानी हमारे यहां की नहरों में न चलने लगे, जब तक नरबाना कैनाल को आप साफ न कर लें। जब तक मेन भाखड़ा लिंक कैनाल को आप साफ न कर लें और यह तब होगा जब आपकी पौलिटिकल विल होगी। राम बिलास जी आपको पंजाब की भाजपा से लोहा लेना पड़ेगा, अगर आप यह सोचोगे कि हम पंजाब भाजपा से लोहा लेंगे तो केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार डगमगा जाएगी तो फिर पंजाब जैसी बोली बोलेगा वैसे ही आपको बोलना पड़ेगा। दूसरी बात मैं हरियाणा के हित के लिए कहना चाहता हूं। आज आपने फैसला कर लिया हरियाणा को बिजली के मामले में प्राइवेट हाथों में देने का। जिस तरीके से आपने वर्ल्ड बैंक से लोन लेने का समझौता किया है एक साल के बाद यानी दिसंबर के बाद यही बिजली की दरें 6 रुपये पर यूनिट न हो जाए तो हम इस सदन में नहीं आएंगे (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि 2400 करोड़ का लोन हरियाणा सरकार ने वर्ल्ड बैंक से लिया और लोन की अंडरस्टैंडिंग की पहली किश्त 240 करोड़ बिजली बोर्ड को मिली। दूसरी जो किश्त है जिसके बारे में अखबारों में भी बयान आया है कि एक हजार करोड़ की दूसरी किश्त, जिसका नाम ए०पी०एल०-2 है वह तब मिलेगी जब आप बिजली की दरों में 15 परसैंट वृद्धि करके आएंगे और इसी प्रकार तीसरी एक हजार करोड़ रुपये की किश्त तब मिलेगी जब आप बिजली के दामों में 30 प्रतिशत बढ़ौतरी कर आओगे। मेरा आपसे अनुरोध है और आपके मन में भी संभवतः यह होगा कि हरियाणा के उस किसान को जिसके घर में दो लट्टू और एक पंखा चलता है और जिस किसान के खेत में ट्यूबवैल है उसको बिजली पानी फ्री दिया जाए। चौटाला साहब की, आपकी और हमारी सभी पार्टियां यही चाहती हैं। जिस दिन बिजली का भाव 6 रुपये या 8 रुपये प्रति यूनिट हो जाएगा उस दिन कैसे काम चलेगा। किसानों को आप 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली देते हो, यह जो सबसिडी दी हुई है इस बजट में आपने उस सबसिडी के लिए 750 करोड़ रुपये रखे हैं मुझे आप बताइए कि क्या यह 750 करोड़ रुपये आप अपनी जेब से देंगे। यह भी एक तरीका है किसानों को लूटने का कि पहले बिजली की दरें बढ़ा दो और फिर कहो कि किसानों के लिए बिजली के रेट नहीं बढ़ाए। मैं पूछना चाहता हूं कि वह पैसा कहां से आएगा ? हरियाणा की जनता से आएगा। मैं कहना चाहता हूं कि यदि किसान को फ्री बिजली देनी है तो उसका एक ही मूल मंत्र है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : किसान को बिजली फ्री देने के बारे में आपकी पर्सनल क्या राय है ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : किसान का बेटा तो मैं हूं ही साथ ही मेरी रगों में उस आदमी का खून दौड़ा करता है जिस ने किसानों के लिए अपना सर्वस्व लगाया। यह तो आप ही सोचना कि मैं क्या चाहता हूं लेकिन मैं झूठ बोलकर राजनीति नहीं करना चाहता।मैं अपनी पार्टी को भी यही कहता हूं कि अगर बिजली का सुधार करना है तो हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लो जहां पर तीस हजार मैगावाट बिजली की पैदावार है और बिजली की खपत सबसे कम है (विघ्न) पंजाब सरकार में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य ज्यादा हैं और यहां पर तो ग्यारह सदस्य भारतीय जनता पार्टी के सरकार में शामिल हैं उनमें से दो सदस्य सरकार की नीतियों में विश्वास नहीं करते।(विघ्न)

श्री चन्द्र भाटिया : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे कांग्रेस के साथी ने यह कहा कि हम अपनी पार्टी में विश्वास नहीं करते परन्तु हम अपनी पार्टी के अन्दर पूरा विश्वास करते हैं और पार्टी के आदेश से ही आज सदन में बैठे हुये हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, यह तो अच्छी बात है कि ये साथी अपनी बात पर टिके रहें। क्योंकि ये नहीं चाहेंगे कि अपने मुख्यमंत्री की कटती करें या उनके खिलाफ बोलें। अब यह नहीं पता कि ये साथी रामविलास जी के करीब हैं या किसी दूसरे के करीब।

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह वरिष्ठ नेता हैं अब इनके सामने मुश्किल यह है कि यह कांग्रेस के नेता का चुनाव तो कर नहीं पाये हैं और चौधरी भजनलाल जी लोकसभा के सदस्य बनकर दिल्ली चले गये हैं। कल माननीय सदस्य श्री जय सिंह राणा ने भी कहा था कि भारतीय जनता पार्टी के दोनों साथी कहां गये तथा थोड़ी देर बाद ये साथी सदन में आ गये थे और इन्होंने सदन की गरिमा को बनाये रखा था। 11 मई और 13 मई को पोखरन में दो बम विस्फोट किये गये जिनके कारण माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का और सारे हिन्दुस्तान का गौरव बढ़ा। एक बम का नाम शक्ति था और दूसरे का नाम सुदर्शन। इसी प्रकार सुदर्शन और शक्ति इस सदन में विराजमान हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह अच्छा बोल रहे हैं और उनकी बात को हम बड़े ध्यान से सुन रहे हैं वे इरीगेशन और पावर मिनिस्टर भी रहे हैं उनको काफी तजुर्बा है और उनके तजुर्बे की बात हम नोट कर रहे हैं तथा इन बातों का समय पर जवाब देंगे तथा जो भी उनके अच्छे सुझाव होंगे, सरकार उन्हें लागू करेगी। उनको मेरी एक सलाह है कि वे भारतीय जनता पार्टी की चिन्ता न करें बल्कि कांग्रेस पार्टी की चिन्ता करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, मैं तो इनका बड़ा सम्मान करता हूं। ये मेरे छोटे भाई हैं उम्र में भी मेरे से छोटे हैं। मुझे तो चिन्ता इस बात की है कि पोखरन में जो बम विस्फोट हुआ है उसका गड्ढा इतना गहरा है कि कहीं इनको वहां पर न डाल दिया जाये।

श्री राम बिलास शर्मा : पोखरन बम विस्फोट से तो क्लिंटन साहब ने भी अपने ब्यान बदल दिया, पहले तो उन्होंने कहा था कि भारत पर आर्थिक पाबन्दी लगा देंगे परन्तु अमेरिका से 25 आदमियों का एक डैलीगेशन दिल्ली में वाजपेयी जी से मिला और कहा कि हम भारत पर आर्थिक पाबन्दी नहीं लगने देंगे। (विघ्न)

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण पाल गुज्जर) : पोखरन में बम विस्फोट का गड्ढा इतना गहरा है कि पूरी कांग्रेस पार्टी उसमें डूब सकती है। (विघ्न)

पंजाब के मंत्री श्री सुरजीत सिंह जानी का स्वागत

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे पंजाब भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा पंजाब सरकार के मंत्री सरदार सुरजीत सिंह जी हमारे सदन की गैलरी में बैठे हुये हैं हम उनका स्वागत करते हैं।

वर्ष 1998-99 के बजट पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपने साथी श्री कृष्ण पाल जी को बताना चाहता हूं कि अक्तूबर या नवंबर में राजस्थान में चुनाव होंगे तथा इस गड्ढे में कौन जाएगा ? यह आपको भी पता है और हमें भी पता है। आप चुनाव प्रचार में उधर मत जाना। अगर जाएंगे तो उस गड्ढे में जाएंगे। वहां पर कांग्रेस ही जीतेगी। वहां पर बी०जे०पी० के खिलाफ बहुत बगावत है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि जब तक आप थर्मल या गैस की बिजली पर विश्वास रखेंगे तब तक आप हरियाणा के किसानों को, हरियाणा की गरीब जनता को बिजली की सप्लाई पूरी करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं और इससे बिजली भी महंगी होगी। क्योंकि हर रोज कोयले का भाव बढ़ता है। हर रोज रेल का भाड़ा बढ़ता है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश ने हाइड्रो पावर जनरेट करने के लिए 30 हजार मैगावाट की कैपेसिटी को आइडैंटिफाई किया है। इस अकेले प्रदेश की टोटल बिजली की जनरेशन आज भी 65-70 हजार मैगावाट के करीब है। जितनी बिजली इस प्रदेश में जनरेट हो रही है, उसकी आधी जनरेशन हाइड्रो पॉवर की है। भाखड़ा से जो बिजली आती है उसका खर्च 21 पैसे प्रति यूनिट आता है। (घंटी)

श्री अध्यक्ष : आप कंक्लूड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही अपनी बात पूरी कर लूंगा। मेरा सरकार से यह कहना है कि आप हिमाचल प्रदेश से नैगोशिएट करें कि नाथपा झाखड़ी प्रोजैक्ट में हमारा भी हिस्सा था। किन कारणों से वह हिस्सा हमें नहीं मिला है? आज सत्ता पक्ष यह कहता है कि हिसार में 1000 मैगावाट का थर्मल पॉवर प्लांट लगाएंगे, यमुना नगर में 680 मैगावाट का थर्मल पॉवर प्लांट लगाएंगे। मेरा यह मानना है कि हिमाचल प्रदेश में ऐसे दो-तीन प्रोजैक्ट्स हैं इसलिए यह सरकार हिमाचल सरकार से नैगोशिएट करे और इन तीनों प्रोजैक्ट्स में अपनी हिस्सेदारी रखे। इस प्रकार से जो बिजली हमें मिलेगी, वह लगभग 70 सालों तक भी किसानों को मुफ्त के आधार पर ही मिलेगी और वह थर्मल पावर प्लांट व गैस बेस्ड थर्मल पावर प्लांट की बिजली से यह बिजली 1/10 हिस्सा सस्ती मिलेगी। जब आप हिमाचल प्रदेश से नैगोशिएट करेंगे तब आप कह सकते हैं कि हम अनइंट्रप्टिड बिजली की सप्लाई दे रहे हैं। बड़ा दुःख होता है जब हर गांव में डिम अर्थात् कम वोल्टेज की बिजली सप्लाई होती है तथा शहरों में कम वोल्टेज की बिजली न होकर पूरे वोल्टेज की बिजली सप्लाई की जाती है। अध्यक्ष महोदय, हम गांव में रहने वाले बिजली के कंज्यूमर हैं। जब हम बिजली के बिल देते हैं तो हमारा यह हक है कि हमें पूरे वोल्टेज की बिजली मिले। (विघ्न) मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह भेदभाव गांवों के लोगों के साथ ही क्यों किया जा रहा है। गांव के विद्यार्थी जब घर आकर के अपनी परीक्षा की तैयारी या स्कूल का काम करते हैं तो बिजली चली जाती है अथवा कम वोल्टेज की बिजली आती है। कभी बिजली आ जाती है, कभी आती नहीं है। आज मेरी सरकार से यह मांग है कि वह इस बात को इश्योर करे कि बिजली उपभोक्ताओं को अनइंट्रप्टिड पूरे वोल्टेज की बिजली सप्लाई मिलनी चाहिए। अगर कम वोल्टेज की बिजली दी जाती है अथवा सप्लाई बिल्कुल भी नहीं दी जाती है तो इसके लिए उनको कंपनसेशन मिलना चाहिए। यह उनका हक बनता है। यह सरकार की जिम्मेवारी भी बनती है। हरियाणा सरकार ने वर्ल्ड

बैंक के साथ 3 बड़े लोन नैगोशिएट किए, छोटे-छोटे लोनज का तो मुझे पता नहीं। बिजली बोर्ड के लिए 2400 करोड़ रुपए का लोन नैगोशिएट किया गया, 1858 करोड़ रुपए का लोन वाटर रिसोर्सिज के लिए नैगोशिएट किया गया और 1405 करोड़ रुपए का लोन सड़कों तथा पुलों के लिए नैगोशिएट किया गया है। अध्यक्ष महोदय, ये कर्जे हैं। इन कर्जों को चुकाना पड़ेगा। सरकार किसकी आएगी, कौन आएगा पता नहीं लेकिन हरियाणा की जनता को वह कर्जे चुकाने पड़ेंगे। उन कर्जों का कितना ब्याज सरकार को चुकाना पड़ेगा, कितना इन कर्जों के ब्याज का बोझ हर महीने यहां से प्रत्येक नागरिक पर पड़ेगा इस बारे में सरकार को व्हाइट पेपर इशू करना चाहिए। जो सरकार यह कहती कि हम काम-काज में पारदर्शिता ले कर आएंगे, उनका फर्ज है कि इतने बड़े तीन लोनज के बारे में हरियाणा ने जो वर्ल्ड बैंक के साथ शर्त रखी है, उसको सरकार जनता के सामने प्रकट करे उसके बारे में लोगों को अन्धेरे में न रखे। जहां तक पानी की बात है। मैंने एस०वाई०एल० का जिक्र किया। अगर एस०वाई०एल० पिछले 25 सालों से नहीं बनी तो क्या हम दूसरे कोई रास्ते नहीं खोजेंगे कि हमको कहां-कहां से पानी मिल सकता है। पिछले 23 सालों से मैं इस सदन का सदस्य रहा हूं। विपक्ष में ज्यादा रहा हूं और पक्ष में बहुत कम रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : आपकी किस्मत में पक्ष भी विपक्ष रहा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : यह बात ठीक है लेकिन कम से कम जो लोग आज पक्ष में बैठे हुए हैं वे अपनी भूमिका को समझें। मुझे अफसोस है कि वे अपनी भूमिका को नहीं समझ रहे। आपकी बंसी लाल से नहीं बनती और बंसी लाल की आपसे नहीं बनती।

श्री रामविलास शर्मा : बीरेन्द्र सिंह जी की बैटरी जब ठण्डी हो जाती है तो ये मजबूर हो जाते हैं। हमारी बंसी लाल जी से कैसी बन रही है यह बात स्पीकर साहब आप देख रहे हैं। चुनावों से लेकर हमारा बंसी लाल जी के साथ कितना सामंजस्य रहा है यह जग जाहिर है। संयोग से मैं और बीरेन्द्र सिंह जी 1982 से इस सदन के लगातार सदस्य रह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह कांग्रेस के अध्यक्ष होते थे और राजीव जी नेता होते थे। स्पीकर साहब, इनकी अध्यक्षता में हरियाणा में विधानसभा का चुनाव लड़ा गया रोहतक जिले में खानपुर एक गांव है वहां बीरेन्द्र सिंह ने लोगों की कहा कि इस बार आप मेरे कहने से कांग्रेस का समर्थन करिए और वोट दे दीजिए। हम ऐसे आदमी को मुख्यमंत्री नहीं बनने देंगे। हरियाणा के लोगों ने विश्वास किया। यहां इन्होंने उनका नाम परपोज कर दिया फिर वे मुख्यमंत्री बन गए। उन्होंने इनको कांग्रेस के अध्यक्ष पद से भी हटा दिया और मंत्री पद से भी हटा दिया। ऐसे दुधारू आदमी को तो इधर होना चाहिए।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा बात को लाइन पर ले कर आ जाते हैं लेकिन कई बार उनका जो रोल होता है वह थोड़ा सा दुखदायी हो जाता है। जब भी वह कहा करते थे कि राम बिलास शर्मा भी चौधरी भजन लाल के साथ है। (हंसी)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी झेंप उतारने के लिए यह बात कह रहे हैं। बी०जे०पी० तो लोगों के सामने एक खुली किताब है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप कनकल्यूड करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, टांगरी नदी, मारकण्डा नदी और घग्गर नदी पर जो बैराज बनाने की बात थी वह सही थी। यदि इन

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

नदियों पर बैराज बना दिए जाएं तो हरियाणा के किसानों को दो महीने का एडीशनल पानी दिया जा सकता है। मैं तो यह कहूंगा कि इन्हीं सोर्सिज से आप किसानों को पानी दे सकते हैं। आपने हरियाणा की जनता को एक नारा दिया था कि आपको गंगा का पानी ला कर देंगे। यह सपना तो पता नहीं आपका कब पूरा हो और पूरा होगा भी या नहीं इसका भी पता नहीं है अगर आप मारकण्डा, घग्गर और टांगरी नदियों पर बैराज बना दें तो उनसे आप किसानों को दो महीने का एडीशनल ज्यादा पानी दे सकते हैं। इन नदियों पर बैराज बना कर अगर आप किसानों को पानी देंगे तो उससे कृषि को बढ़ावा मिलेगा और जहां पर आज वाटर लैवल नीचे चला गया है उसका भी परमानैंट ईलाज हो जाएगा। इसके अलावा मैं एक बात किसाऊ डैम के बारे में कहना चाहूंगा। किसाऊ डैम बनाने का पिछले 60 साल का सपना है। अगर आपने जमुना का पूरा पानी देना है तो किसाऊ डैम बनाना बहुत ही जरूरी है। आज से 60 साल पहले किसाऊ डैम कन्सीव हुआ था लेकिन इस पर पिछले चार साल से काम चालू करने के बारे मे सोचा जा रहा है। अगर आप किसाऊ डैम बनाने का काम जल्दी शुरु करवा दें तो डब्ल्यू०जे०सी० से जो इलाके सिंचित होते हैं उन इलाकों को डेढ़ा पानी नहीं तो सवाया पानी जरूर मिलेगा। जहां पर किसानों को इस समय एक फसल पैदा करने के लिए पूरा पानी नहीं मिल पाता है यह डैम बनने से उनको दो फसल पैदा करने का पानी मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सड़कों के बारे में एक बात कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप वाइंड अप करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : ठीक है जी। अध्यक्ष महोदय, फ्लड के दौरान जो जो सड़कें टूट गई थी उनका आप हैवी पैच वर्क कराएं उन सड़कों की ड्रैसिंग करने की महकमे को छूट न दें अगर आप उनको उन सड़कों की ड्रैसिंग करने की छूट देंगे तो महकमे वाले उसके पैसे में गड़बड़ करेंगे। मेरा निवेदन है कि 1995 में फ्लड परोन एरियाज में जो सड़कें डैमेज हो गई थी उन सड़कों की ड्रैसिंग एक बार नहीं दो बार नहीं तीन बार नहीं चार-चार बार की गई, उन सड़कों की आप मेहरबानी करके स्ट्रैथनिंग कराएं। स्पीकर साहब, सुन्दरपुर से काकड़ोदा एक सड़क है उस पर कार, स्कूटर, ट्रैक्टर और जो 50-50 सवारियां ले कर जीपें चलती हैं वे उस पर नहीं चल सकती यहां तक कि उस पर साईकिल भी नहीं चल सकती। जब हरियाणा में फ्लड आया था उस समय की वह सड़क टूटी पड़ी है। पिछले दो साल में उस सड़क का एक परसैंट भी काम नहीं किया गया है। एक बार उस सड़क पर मुख्य मंत्री को जाना था तो उस सड़क पर तीन किलोमीटर तक लिपिस्टिक पाउडर लगा कर दिखा दिया।

श्री अध्यक्ष : आप उस सड़क को कैसे देख कर आते हैं क्या आप पैदल चल कर वहां जाते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं तो वहां पर अपनी गाड़ी से जाता हूं। उस सड़क की हालत खराब होने के कारण मैं साल में एक गाड़ी तोड़ता हूं। इसके अलावा कामर्शियल व्हीकल्ज की आज बहुत ज्यादा मूवमैंट है जब तक आप उनसे टोल टैक्स नहीं लेंगे तब तक आप सड़कों का निर्माण और उनकी रिपेयर नहीं कर सकते। अगर आप उन वहीकल्ज पर 10 रुपये टोल टैक्स लगा देंगे तो कोई आदमी यह नहीं कहेगा कि उसको 10 रुपये टोल टैक्स देना पड़ा। स्पीकर साहब इस बजट में कई बसों की रिप्लेसमैंट करनी है तो यह सारी इन्टरलिंकड चीजें हैं। जहां पर सड़कें खराब हैं वहां पर सरकारी बसों की हालत खराब होती है और जब बसों की हालत खराब होगी तो उससे संबंधित डिपो पर उस का भार बढ़ेगा। डीज़ल की कंजम्पशन बढ़ेगी अगर पैट्रोल की गाड़ियां हैं तो पैट्रोल की कंजम्पशन बढ़ेगी। जहां पर हजारों गाड़ियां चलती हों वहां पर टोल टैक्स का प्रावधान करें। इससे किसी की कोई परेशानी नहीं हो सकती।

श्री अध्यक्ष : आप जल्दी खत्म करें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आखरी बात यह कहना चाहता हूं कि आज हरियाणा में अपराधिक तत्वों ने बड़े पैमाने पर अपना काम शुरु कर दिया है। यह हम सभी के लिए एक खतरे का सिगनल है, यह वार्निंग है। हमें इस बात को समझना पड़ेगा कि हरियाणा प्रदेश की स्थिति बिहार और यू0पी० (वैस्टर्न) जैसी न हो जाये। जब गरीब और अमीर का फासला बढ़ता है तब अपराधिक तत्व अधिक बढ़ते हैं। जहां पर एक प्रकार की सोसायटी होती है वहां पर अपराधिक तत्व नहीं होते। मैं आपका मशकूर हूं कि आपने बगैर चीफ मिनिस्टर के सदन में एनाउंस किया कि मैं इसके लिए एक कमेटी का गठन करूंगा जो कमेटी इन तथ्यों में जायेगी कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की इतनी भयानक स्थिति क्यों हो रही है। हमारे युवकों में आज बेचैनी हो रही है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि आप इस कमेटी का जल्दी से जल्दी गठन करें ताकि वह कमेटी अपनी रिपोर्ट दे और लोगों को पता चले कि हरियाणा में कानून व्यवस्था की स्थिति की क्या पोजीशन है। यह स्थिति किसी एक आदमी से टैकल नहीं हो सकती। इसमें हम सभी ने मिलकर काम करना होगा तभी जाकर इसे टैकल कर पाएंगे। हरियाणा को बने हुए 32 साल हो गए। अब तक जितने भी मुख्यमंत्री बने उन्होंने अपने हल्के से बाहर जाकर नहीं देखा। यानि उन्होंने हरियाणा के साथ न्याय नहीं किया। सब को अपना हक मिले यही हम चाहते हैं। धन्यवाद।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ) : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : जगननाथ जी आप बैठिये। खुर्शीद अहमद, चन्द्रभाटिया व मायना साहब के बाद आपको समय दूंगा।

मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि वे अपनी बात 10 मिनट में खत्म करें वरना आप यह सोच कर चलें कि जिनको मैंने बुलवाना है उनको बुलवाना है चाहे इसके लिए रात के 9.30 बज जायें।

श्री बलवंत सिंह मायना (हसनगढ़) : स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, इस बजट पर 21 तारीख से लेकर आज 24 तारीख तक बहस चल रही है। मैं इस बजट में किसानों, मजदूरों व हरियाणा प्रदेश के अन्य वासियों की भलाई के लिए बनाई जाने वाली स्कीमों में जो खामियां रह गई हैं, उनके बारे में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश की जनता को लग रहा था कि सरकार की तरफ से हरियाणा प्रदेश के लोगों के लिए जो बजट आयेगा वह बहुत ही अच्छा आयेगा। मुख्यमंत्री जी ने शराब बंदी की आड़ में प्रदेश की जनता पर 625 करोड़ रुपये के टैक्स लगा दिए थे। इस सरकार ने वह टैक्स नर्सिंग होमज, व्हीक्लज, गूड्स पर लगाये, बसों के किराये बढ़ाये और बिजली के रेट्स बढ़ाये। इसी प्रकार से अन्य कई चीजों की लाईसेंस फीस भी कई गुणा बढ़ाई गई। भट्ठे की फीस भी 400 से बढ़ा कर 2000 कर दी गई। मिट्टी के तेल के लाईसेंस की फीस भी 2000 तक बढ़ाई गई। इसी प्रकार से अन्य और चीजों पर इस सरकार ने फीस बढ़ा दी थी। अध्यक्ष महोदय, इस बजट को पढ़ कर बहुत दुख हुआ क्योंकि इन्होंने पहले बजट में कहा था कि हम हरियाणा प्रदेश के लिए एस०वाई०एल० का पानी व गंगा का पानी लाएंगे। अब ये चीजें इस बजट में नहीं है। इसमें केवल एक ही चीज पाई कि भाखड़ा मेन लाईन की सफाई के लिए पंजाब सरकार को इस सरकार ने अढ़ाई करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया है। अध्यक्ष महोदय, पंजाब एरिया में इस नहर की सफाई के लिए ये रुपये बहुत कम हैं। इसके अलावा मैं कहना चाहूंगा कि पंजाब सरकार को इस नहर की सफाई के लिए पैसा देना चाहिए। मेरे से पहले जो बात चौधरी

[श्री बलवन्त सिंह मायना]

बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे वह बाद की शंका है कि अढ़ाई करोड़ रुपये उस नहर की गाद निकालने पर खर्च नहीं किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इस अढ़ाई करोड़ रुपये से कुछ नहीं होगा। मैं कहता हूं कि सरकार इस नहर की पूरी की पूरी गाद को निकाले ताकि हरियाणा को उस नहर का पूरा पानी आए। अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा मेन लाईन की और नरवाना ब्रांच की पूरी सफाई कराई जाये और हरियाणा प्रदेश के अंदर पानी लाने का काम किया जाये। भाखड़ा मेन लाईन की ठीक तरह से सफाई कराई जाए तो इसमें 1000 क्यूसिक पानी और बढ़ जायेगा, इसके साथ-साथ अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि अगर नरवाना ब्रांच की सफाई करवा दी जाए तो रोहतक जिले के अंदर भाखड़ा मेन लाईन में भी पानी आएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय अपनी रिप्लाई में इस बात का भी आश्वासन दें कि रोहतक जिले को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा। आज रोहतक जिले को दो प्रकार की मार पड़ रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि एक मार तो यह है कि रोहतक जिले को नहरी पानी पूरा नहीं मिलता और दूसरी मार वहां पर सीपेज की वजह से सेम की है। थोड़ी देर पहले एक बात सीपेज और सेम के बारे में चली थी। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि रोहतक जिले में सीपेज होने के बावजूद भी आबपाशी के लिए भी लोगों को पानी नहीं मिलता। अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले के अंदर जवाहर लाल नेहरू कैनाल, झज्जर सब ब्रांच, लोहारू फीडर लिफ्ट इरीगेशन स्कीम के पानी से सीपेज की प्रोब्लम है। इस तरह से रोहतक जिले को दो तरह की मार पड़ रही है। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो रोहतक जिले के खेतों की आबपाशी नहीं हो रही है और दूसरी तरफ जो नहरें रोहतक जिले से होकर गुजरती हैं, उन नहरों के निकट जो जमीन है उस जमीन में सीपेज हो जाती है, जिसके कारण फसलें खराब हो जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले के कुछ गांव जैसे सुनारिया, दुबलधन, रिटोली, बालंद, इसमाईला, गोच्छी आदि के लोगों को सीपेज के पानी से बड़ी तकलीफ है। इन गांवों में जे०एल०एन० कैनाल का सीपेज का पानी आ रहा है, जिसके कारण इन गांवों की जमीन बेकार हो रही है। अध्यक्ष महोदय, झज्जर सब ब्रांच गाद से भरी हुई है उसकी सफाई नहीं की गई है। अध्यक्ष महोदय, जब मैं छोटा होता था उस समय उसमें नहाता था तब झज्जर सब ब्रांच का पानी मेरे सिर के ऊपर से जाता था, हाथ भी दिखाई नहीं देते थे, उसकी इतनी गहराई थी। मुझे बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि जे०एस०बी० गाद से भर जाने के कारण यह गोच्छी से पहले ही बिल्कुल खत्म हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, जे०एस०बी० में गाद भर जाने के कारण इन गांवों को पानी नहीं मिलता है। रोहतक जिले के लोग अपनी जमीन की आबपाशी से महरूम रह जाते हैं। रोहतक जिले में सीपेज की वजह से सेम की प्रोब्लम का कारण यह है कि रोहतक जिले में से जितनी नहरें गुजरती हैं उनमें कोई मोरी नहीं है। उन नहरों में मोरी न लगने से रोहतक जिले के खेतों को पानी नहीं मिलता है। सीपेज के कारण रिटोली, सुनारिया, बालंद, गोच्छी आदि गांवों की फसल बिल्कुल खत्म हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से यह भी आश्वासन चाहता हूं कि वे रिटोली गांव को बरबादी से बचायें। वहां पर जे०एल०एन० और झज्जर सब ब्रांचें की आर०डी० 205 से आर०डी० 303 के बीच में जमीन के अंदर पाइप दबा कर उस सीपेज के पानी को ड्रेन नं0-8 में डाला जाए ताकि किसानों को बरबादी से बचाया जा सके। स्पीकर सर, एक तो हमारे यहां नहर का पानी नहीं आता और दूसरी परेशानी सीपेज से है। इसके अलावा एक-दो परेशानियां और भी आ जाती हैं। दोनों नहरों पर पुल बने हुए हैं। एक पुल बावल से करौंथा और दूसरा सुनारिया से मायना रोड पर है। इन पुलों की डायरैक्शन इस प्रकार से है कि नेहरू कैनाल और झज्जर सब-ब्रान्च का इतना तीखा मोड़ है कि गाड़ी पुल पर जाती है और सीधे नहर में गिर जाती है। अध्यक्ष महोदय, इससे पहले भी मैंने इस बात को कई बार कहा परन्तु आज तक

इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। मेरी बात पर कोई सुनवाई नहीं हुई है। इस बात का मुझे बहुत दुख है। स्पीकर सर, जहां तक सिंचाई की बात है यहां के लोग सिंचाई के पानी से महरूम हैं। दुल्हेड़ा माईनर इस्माईला से जाती है लेकिन इस माईनर के पानी से सांपला, इस्माईला, छुड़ाना आदि गांव बिल्कुल महरूम हैं क्योंकि वह माइनर गाद से भरी पड़ी है। इस माईनर पर इस्माइला गांव का जो पुल है उसकी खस्ता हालत है उस बारे में ग्रिवैंसिज़ कमेटी की मीटिंग में भी मुद्दा रखा गया था और दलाल साहब से उस बारे में बात की थी परन्तु अभी तक इस बारे में भी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि भालोट माईनर की भी यही हालत है जहां से यह नहर निकलती है वहां पर इसका बैड नीचा है और आगे बैड ऊंचा है जिससे पानी आगे नहीं जाता है। मैंने इस बारे में एस०ई० से और एक्सीयन से भी बात की और ये मामला ग्रीवैंसिज कमेटी की मीटिंग में भी उठाया और सिंचाई मंत्री जी से भी बात की है लेकिन उसका कोई समाधान नहीं किया गया। जो रजबाहा बना हुआ है वह नहर से ऊंचा है जिसके कारण अटायल, सांपला, इस्माईला और हसनगढ़ गांव पानी से महरूम रहते हैं। इसराना, किलोई आदि गांव भी मेरे हल्के में लगते हैं जो कि सिंचाई से महरूम हैं। इन सब की हालत बहुत ही खराब है इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय सिंचाई मंत्री और मुख्य मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मुख्य मन्त्री जी इस बारे में आश्वासन दें कि सिंचाई का प्रोपर प्रबन्ध कब तक हो जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इस के बाद अब मैं सड़कों की हालत के बारे में कहना चाहता हूं। जब आप यहां से पानीपत तक जाएं तो अढ़ाई पौने तीन घण्टे का समय लगता है और पानीपत से रोहतक तक दो घण्टे लगते हैं। अध्यक्ष महोदय, पानीपत-गोहाना, गोहाना-रोहतक, रोहतक-झज्जर, झज्जर-रिवाड़ी का जो रोड है, वह दिल्ली-चण्डीगढ़ हाईवे के साथ मिलता है। अध्यक्ष महोदय, इस रोड पर भारी ट्रैफिक चलता है। वह रोड सिंगल रोड है। वह दिल्ली-जयपुर रोड को भी मिलाता है जिस कारण इस रोड पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक रहता है, इसलिए ट्रैफिक को चलने में बहुत मुश्किल होती है और समय भी ज्यादा लगता है तथा एक्सीडैंट्स भी हो जाते हैं। इस बारे में सरकार से मेरी प्रार्थना है कि उस सिंगल रोड को डबल रोड बनाया जाए। मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि जयपुर से ट्रकों का सारा ट्रैफिक इसी रोड पर रहता है इसलिए इसको डबल करवाना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मेरे हल्के में सांपला गांव पड़ता है। माननीय जगन्नाथ जी का सांपला के साथ बहुत लगाव है। ये अक्सर वहां पर आते-जाते रहते हैं। मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि सांपला बाज़ार के अन्दर सड़क पर तीन-तीन चार-चार फुट के गड्ढे बने हुए हैं। स्पीकर सर, इतना ही नहीं आगे इसी रोड पर खरखौदा आता है और यह रोड आगे झज्जर को मिलाता है, इस रोड पर खरखौदा तक तीन-तीन फुट के खड्डे पड़े हुए हैं। अध्यक्ष महोदय,साम्पला के अन्दर जो भाई सब्जी ला कर बेचते हैं वे वहां पर पानी के अन्दर बैठ कर बेचते हैं जिससे वह सब्जी सड़ जाती है गल जाती है। अब वहां के लोग ऐसी सब्जी खाएंगे तो वहां पर बीमारियां फैलने का डर है। सरकार को चाहिए कि वहां पर सब्जी मण्डी बनाने का काम करे इस बारे में मैं मुख्यमंत्री जी से आश्वासन चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं रामबिलास शर्मा जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि इन्होंने साम्पला के अन्दर महाविद्यालय बनवाने का काम किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा समचाना गांव के अन्दर मंत्री जी ने एक बात कही थी कि जो भी स्कूल नार्म्ज पूरे करता है उसको अपग्रेड के बारे में विचार करते हैं। समचाना में स्कूल के 28 कमरे हैं और उसकी नार्म्ज के हिसाब से पूरी जमीन है इसी तरह से चुलाना गांव का स्कूल भी सभी शर्तें पूरी करता है लेकिन उनको अपग्रेड नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, साम्पला की अनाज मण्डी का बहुत ही बुरा हाल है वहां पर कहीं से भी पानी की निकासी नहीं है। मंत्री जी ने वहां से पानी की निकासी के लिए पैसा देने के लिए कहा था। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, कंबल सिंह जी ने वहां से पानी की निकासी के लिए पैसा देने की बात कही थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। मैं मंत्री जी

[श्री बलवन्त सिंह मायना]

से फिर कहता हूं कि वहां से पानी की निकासी का कुछ इन्तजाम करें। साम्पला कस्बे और इस्माईला की 25-25- हजार की आबादी है। मंत्री जी इन गांवों में घर-घर में पानी का कनैक्शन देने का काम करें। (घंटी) स्पीकर साहब, मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहता हूं। राम बिलास शर्मा जी यहां पर नहीं बैठे हुए हैं हमारे रोहतक शहर के अन्दर कुछ लड़के ऐसे हैं जो दिन में मजदूरी और नौकरी करते हैं तथा इवनिंग कालेज में पढ़ने जाते हैं। रोहतक में एक ही ईवनिंग कालेज था जो कि बंद कर दिया गया है जिस वजह से ऐसे कई बच्चे पढ़ाई से महरूम हो गए हैं। मैं यह प्रार्थना करता हूं कि वहां पर ईवनिंग कालेज फिर से खोलने का इन्तजाम करें। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा सा और बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : मायना साहब, आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गए हैं। आप बैठ जाएं। (विघ्न) चलो ठीक है यह आपका आखिरी वाक्या होना चाहिए। आप गागर में सागर भरने वाली बात करें।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, ला एंड आर्डर की बात मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा। रोहतक जिले के अन्दर जिसके बारे में चौधरी धीरपाल सिंह जी ने भी कहा कि ला एंड आर्डर की स्थिति बहुत ही खराब है। यह इसलिए खराब है क्योंकि वहां के लोगों को रोजगार नहीं मिलता है। स्पीकर साहब, हमारे साम्पला के अन्दर फैक्टरियां है। हमारे यहां की जमीनें उन फैक्टरियों के लिए दी गई हैं हमारे यहां पर उनकी वजह से पोल्यूशन हो रहा है लेकिन उनमें हमारे यहां के लड़कों को नहीं लिया जाता है। हमारी बिजली, हमारी जमीन, हमारा पानी वे लेते हैं लेकिन हमारे लोगों को उनमें नहीं रखा जाता है। अध्यक्ष महोदय, अगर वहां पर हमारे 10 लोगों को एक फैक्टरी में भी लेते हैं तो वहां पर बहुत फैक्टरियां हैं जिनमें हमारे बहुत से लोगों को रोजगार मिल जाएगा और वहां पर बेगोजगारी की समस्या खत्म हो जाएगी। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, साम्पला कस्बे का एक आदमी एम०डी० यूनिवर्सिटी में कोच लगा हुआ था जिसका दिनदिहाड़े कत्ल कर दिया गया। वह आपके सामने है। इसी तरह से रोहतक जिले में तिलयार गांव से चार लड़कियों का अपहरण किया गया था। ऐसे ही रोहतक के अंदर ही मोहनी कांड हुआ था। इसके अलावा जब पुलिस भर्ती की गयी तो एक लड़का नेशनल अवार्ड लिए हुए था लेकिन उस भर्ती में भी उसको न्याय नहीं मिला। स्पीकर सर, बातें तो बहुत थी लेकिन आपकी घंटी बार बार बज रही है। अतः मैं अपनी बात को यहीं खत्म करता हूं।

श्री खुर्शीद अहमद (नूह) : स्पीकर सर, मैं इस हाउस के सामने कुछ ऐसी बातें रखूंगा जिनके बारे में हमारे कुछ दूसरे साथियों ने भी बहुत वैल्यूएबल सुजैशंज दी हैं।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपको बोलने के लिए 15 मिनट दिए जाते हैं इसलिए मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि आप अपनी बात 15 मिनट में ही खत्म कर लें।

श्री खुर्शीद अहमद : ठीक है, मैं 15 मिनट में ही अपनी बात खत्म करने की कोशिश करूंगा। स्पीकर सर, ऐसा है कि अब हमारे दूसरे साथियों ने बहुत सी बातें कही हैं जैसे अभी लॉ एंड आर्डर के बारे में कहा जा रहा था। इस बारे में मैं यही कहूंगा कि अब तक पोजीशन यही है कि लॉ एंड आर्डर बहुत खराब है। इसके खराब होने के कुछ कारण हैं। एक कारण यह है कि हमारे बहुत से नौजवान आज बेकार हैं और जब उनको कुछ भी रोजगार नहीं मिलता तो वे अपराध की तरफ चल पड़ते हैं। बदकिस्मती से हरियाणा के अन्दर पिछले दो साल से शराबबंदी लागू होने से उनको कुछ ऐसी ट्रेनिंग सी मिल गयी कि वे यह सोचते हैं कि आसान से तरीके से कैसे ज्यादा से ज्यादा कमाई की जा सकती है। अब यह ट्रेनिंग रुक गयी तो अब वे क्राईम की तरफ तो चलेंगे ही। अगर वे ऐसा नहीं करेंगे तो वे जाएंगे

कहां क्योंकि अब उनको थोड़ी सी मेहनत करके ज्यादा मुनाफा कमाने की एक आदत जो पड़ गयी है। इसलिए मैं कहूंगा कि सरकार को उन नौजवान लोगों को रोजगार देने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार ने उनसे वायदा भी किया था कि किसी भी तरह से उनको रोजगार देंगे। खासकर ट्रांसपोर्ट के फील्ड में सरकार ने उनको रूट परमिट देने का वायदा किया था। पैट्रोल पम्पों के लाईसेंस देने का और जुगाड़ के लाइसेंस देने का भी सरकार ने उनसे वायदा किया था लेकिन हालत आज यह हुई कि जुगाड़ के लाईसेंस तो हाई कोर्ट ने बंद कर दिए। स्पीकर सर, जीपों के लाईसेंस के बारे में आपने सुना ही होगा कि सरकार ने ये लाईसेंस दिए थे। वित्त मंत्री जी ने अपनी बजट स्पीच में भी कहा हुआ है कि हम लाईसेंस देंगे। सरकार ने मैक्सी कैब के लाईसेंस मार्च, 1998 तक के लिए दिए जबकि आज, हम जुलाई महीने में खड़े हुए हैं लेकिन आज तक सरकार ने उनके लाईसेंस रिन्यू नहीं किए हैं। बगैर लाईसेंस रिन्यू किए हुए वे जीपें चल रही हैं। स्पीकर सर, उनको रोजगार तो मिला लेकिन केवल एक साल के लिए। क्या कोई आदमी तीन चार लाख रुपये एक साल के लिए लगाकर जीप लेगा ? जब उन्होंने इतने पैसे लगाकर जीपें ली हैं तो सरकार को उनके लाईसेंस आसान बना देने चाहिएं और जितने ज्यादा हो सके उतने लाईसेंस दिए जाने चाहिएं। आज वे जीपें इसलिए बगैर परमिट के चल रही हैं क्योंकि न तो हरियाणा रोडवेज की बसिज सवारियां उठा पा रही हैं और न ही जो बड़े बड़े लोगों की पैरलल प्राईवेट बसिज चल रही हैं, वे सवारियां पूरी उठा पाती हैं। स्पीकर सर, मैं उन बड़े लोगों का नाम तो नहीं लूंगा लेकिन उनकी बसिज भी पूरी सवारियां नहीं उठा पाती। जब वहां सवारियां बच जाती हैं तो ये जीप वाले उनको उठाते हैं। सरकार ने कुछ लोगों को तो जीपों के परमिट दे रखे हैं लेकिन कुछ को नहीं दे रखे। स्पीकर सर, अवैध रूप से बगैर परमिट के चलने वाली वे जीपें भी पूरी सवारियों को नहीं उठा पाती हैं। फिर भी सरकार को उनको लाईसेंस देने में आपत्ति क्या है जो बिना परमिट के चलती हैं। वे चलती तो हैं ही। जो लोग जीपों के लाईसेंस ले चुके और अगर वे रिन्यू न हों तो वह भी ठीक बात नहीं है क्योंकि वे सारी गाड़ियां बेकार हो जाएंगी। कल को अगर वे अपनी उन गाड़ियों के साथ क्राईम में लग गये तो फिर सारी पुलिस फोर्स के लिए उनको संभालना मुश्किल हो जाएगा। जो गाड़ियां आज बगैर परमिट के चल रही हैं या तो उनकी सारी कमाई चैकिंग स्टाफ की जेबों में जाती है या फिर पुलिस वालों की जेबों में चली जाती है। स्पीकर सर, यदि उनको रूट परमिट नहीं दिए गए तो वे कोई भी रास्ता अख्तियार कर सकते हैं। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि वह इन रूट परमिट्स को बहुत ज्यादा लिबरल कर दें। लिब्रलाइजेशन सिर्फ बड़े-बड़े इंडस्ट्रीयलिट्स के लिए ही न हो बल्कि छोटे-छोटे और गरीब खानदान से आए हुए लोगों के लिए भी हो। यदि उन्होंने जीपें ले रखी हैं तो न वे ओवरलोडिंग चलाएंगे और न कोई गलत काम करेंगे। खासकर हमारे जिलों में जीपें बिना रूट परमिट के चलाने की समस्या सबसे ज्यादा है अगर यह समस्या दूर न की गई तो वे लोग भी क्राईम की तरफ लग जाएंगे उस काम में उनकी जीपें भी उनकी मदद करेंगी और आपके सामने ये सोशल प्रौब्लम बनकर खड़ी हो जाएगी। अब मैं सड़कों के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे एरिया में जो पिछला फ्लड आया उसके बाद सड़कों की मरम्मत आज तक नहीं हो पाई है। अगर कागजों में हुई हो तो मुझे मालूम नहीं क्योंकि कल हमारे मंत्री महोदय जिनके बारे में सभी यह कहते हैं कि वे "न" में जवाब देते हैं, कल उन्होंने "हां" में जवाब दिया कि रिकार्ड में इतने करोड़ रुपये सड़कों की मरम्मत पर खर्च हो गए हैं फिर भी सड़कों की हालत खराब है, उनकी मरम्मत करने की इनके बस की बात नहीं है। मेवात की सड़कों का जिक्र यहां करूं तो मेरे पास 36 सड़कों की लिस्ट है जिसे यदि मैं यहां पढ़ने लगूं तो 15 मिनट का समय लग जाएगा। यदि रूल 107 के तहत अपने दस्तखतों सहित मैं इन्हें सदन की टेबल पर रख दूं तो मेरी यह समस्या दो सैकेण्ड में हल हो सकती है Do I have your permission to place this list on the table of the House ?

Mr. Speaker : Yes, you are given the permission.

श्री खुर्शीद अहमद : ठीक है जी।

***CONDITION OF THE ROADS IN MEWAT AREA**

I am bringing to your kind notice the worsening condition of the existing roads in the Mewat Area of the Gurgaon and Faridabad Districts. The common features of all these roads are :—

(a) That their berms have not been repaired since long and the erosion on both the sides of these roads has considerably reduced the width of these roads. This is not only on the side roads and the approach roads but also on the main road i.e. Delhi-Alwar Road passing through the Mewat Area.

(b) That some of the roads are in such a condition that it is difficult to even walk on foot on these roads not to speak of any vehicles including Tongas etc. There are huge pits in most of these roads and the P.W.D. people fill up these huge creters with either ordinary sand or with red bajri from the nearby mountains which flows alongwith rain water leaving these creters again in previous condition.

(c) In fact the condition is so pathetic, if minor repairs are not undertaken then very existence of these roads would be a thing of past. I give the names of the roads below :—

(1) The Main Delhi-Alwar Road :—It needs widening and repairs with regard to all the items referred to in the beginning of this note.

(2) Delhi-Alwar Road to Ranika via Maroda, Nizampur-Chhawa and Buraka.

(3) Nuh to Nagina via Untka, Mewli, Kotla, Kansali & Ghaghus.

(4) Nuh-Hodel Road to Tain via Adbar.

(5) Hodel-Nuh Road to Devla Nagli via Bibipur, Bajhera, Bhapawli and Sultanpur.

(6) Delhi-Alwar Road to Badka, Alimudin via Badwa Rithoda & Jhuntaraka.

(7) Delhi-Alwar Road to Badka, Alimudin via Chandeni, Sadian.

(8) Delhi-Alwar Road to Mahawan via Riwason, Chhapda, Gajarpur & Korali.

(9) Delhi-Alwar Road to Biwan via Bikadanda, Rozka Meo, Marola, Khod, Sadain Rahna, Tapkan & Sonk.

(10) Nuh-Palwal Road to Salaheri.

*Became part of the proceedings as ordered by Chair.

(11) Delhi-Alwar Road to Punhana via Gohana, Partap Bass, Dani has, Khan Mohmadpur, Umra & Huhuka, Umri Rithath, Khajlika, Sikrawa, Rasulpur, Jalika, Gulalta, Raipur, Rahida & Khechatan.

(12) Gohana Punhana Road to Khosspuri via Nangal Sahapur.

(13) Bajidpur to Bhadas via Badarpur, Bukharaka.

(14) Sakarawa to Utawar Mod via Tonka & Ghudawali.

(15) Sikrawa to Jahetana.

(16) Nuh-Hodel Road to Gulalta via Maluka & Saroli.

(17) Nuh-Palwal Road to Mannaki.

(18) Sikrawa to Pinangwa.

(19) Ghasera to PHC Ghasera.

(20) Nuh-Hodel Road to Punhana via Pat Phardari, Bisru & Mubarakpur Rawalki.

(21) Punhana Road to Singar via Aali Meo, Ali Brahma, Andhek & Hyka.

(22) Malai to Hathin via Lakhnaka Bhiranki, Deenpur, Pahadpur & Kukarchhanti.

(23) Malai to Alawalpur.

(24) Hathin to Adwar via Chhainsa, Bighawali, Bolpuri, Sudaka, Karaika, Babupur & Satputia.

(25) Bisru to Gurauli.

(26) Madepur to Baghola.

(27) Pinangwa to Dungeja.

(28) Punhana-Bodakli Road to Alipur, Tighra via Maroda Hyabatka, Baisi, Khanzada, Molaka, Khedlikala, Gujar Nangal, Sekhpur, Baikhera, Mahu Chopra, Chitoda, Tigri, Haryali & Madepur Hirwadi.

(29) Delhi-Alwar Road to Nariala Firozpur.

(30) Delhi-Alwar Road to Sohna, Mandkola Road via Badelaki & Khanpur.

(31) Khod to Sohna-Tauru Road via Ghusbathi & Dhulawat.

(32) Punhana to Bima via Lehawadi, Sihri, Singleheri, Jamalgarh, Manoda, Kondal, Fatehpur & Jhandipur.

(33) Punhana to Janwat via Dallawas, Thek, Khedla, Punhana.

(34) Ghaghas to Bhajas via Karhera.

(35) Delhi-Alwar Road to Beer Sika via Dehana.

(36) Punhana to Delhi-Alwar Road via Tundloka, Lahanga Kalan, Godhala, Melhaka, Tigaon, Mahu & Sakaras.

All these roads are in most dilapidated conditions and all these need repairs, not only the patch work but comprehensive/repairs.*

*Became part of the proceedings as ordered by the Chair.

श्री खुर्शीद अहमद : अब मैं वाटर सप्लाई के बारे में बताना चाहूंगा। हमारे जगननाथ जी बहुत अच्छे मिनिस्टर हैं। ये हमारे पुराने दोस्त हैं। वे तो ठीक काम कर देते हैं लेकिन नीचे जाकर मामला कुछ गड़बड़ हो जाता है। कई गांवों में वाटर चैम्बर बने हुए हैं लेकिन ऐनर्जाइज नहीं हुए। पाइप लाइन नहीं बिछाई गई, यदि बिछाई गई है तो कनैक्ट नहीं हुई है अगर कहीं पर बिजली के कनैक्शन के साथ बोर तैयार हैं तो संभालने वाला नहीं है। स्पीकर साहब, इस बारे में भी मैं लिस्ट बनकर लाया हूं। वह भी तकरीबन 20-25 गांवों की है। उसे भी मैं अपने दस्तखतों से ऑथैंटिकेट करके इस हाउस की प्रॉपर्टी बनाता हूं so that it can save the time of the House. Do I have your permission to place both these lists on the table of the House ?

श्री अध्यक्ष : ठीक है, इससे आपकी भी ऐनर्जी बचेगी और हाऊस का समय भी बच जाएगा।

श्री खुर्शीद अहमद : ठीक है जी।

***THE CONDITION OF WATER SUPPLY SCHEME IN MEWAT AREA**

The most of the water supply schemes in the Mewat Area of Gurgaon and Faridabad Districts were executed about 30 to 25 years ago. Now most of the schemes are either totally defunct or are supplying water which is much less than the requirement of the increased size of the population at present. In some places the water supplies lines have been damaged and have not been repaired for the last six months. At some places Tubewells have been bored and all the material for energising these tubewells have been drawn from the Haryana State Electricity Board (H.S.E.B.) by the Department but the connections have not been provided for working order. Some of the non-functioning or under-functioning water supply systems are given below :—

(1) Village Salamba—The chamber has been constructed here but no line has been connected with it and the villagers are without any supply of water whatsoever.

(2) Buraka and Ranika—Both villages are covered by Mewli Group of Villages. The line has been breached and has not been repaired for the last six months. These villages are without any water supply.

(3) Malaka—Tubewell is ready and all the material for energising the tubewell including the transformer has been drawn from the H.S.E.B./S.D.E., H.S.E.B., Firozepur Jhirka, it has not been fitted on the site.

(4) Gubradi—It has to be given water supply from Bisru Tubewell which is bored but no electric connection has been provided.

(5) Adbar toTain water supply is not working. It may be put in working order after disconnecting all the unauthorised connections made in the line. Chamber at village Tain for which a huge amount has been provided by the Mewat Development Board, has not made any progress to benefit the village which may be got expedited.

*Became part of the proceedings as ordered by the Chair.

(6) Bai—There are many villages under the Bai Group of Water Supply but no provision has been made of chambers where workers can stay for the night consequently most of the villages remain without water as the power supply is erratic, needs the attention of the workers all the 24 hours.

(7) Khedli Kalan—The tubewell has turned sore and no alternative arrangement has been made for the last six months.

(8) Rehapwa—The bore is ready alongwith the power connection but no pipeline has been laid as yet.

(9) Village Ganduri and Hasanpur Nuh are at the end of the Group of Villages fed by Ghagas water supply Group and many unauthorised connections have been made on the line with the result that no water reaches and chamber constructed at Ganduri and villages beyong Ganduri remain without water. All such unauthorised connections be removed immediately so that Chamber may be filled with water and these villages can get supply of drinking water.

The list is not exhaustive but only illustrative and problems like this exist in all most of the water supply groups in Mewat Area which need to be remedied at the earliest.

अध्यक्ष महोदय, हमारे दो जिले फरीदाबाद और गुड़गांव ऐसे हैं कि जब इनका मेंबर आता है तो इनको एक बूंद भी पानी इनके हिस्से का नहीं मिलता है जो स्कीम थी सारी खत्म हुई पड़ी हैं। हमारी सारी उम्मीदें एस०वाई०एल० से थीं लेकिन बजट स्पीच में एस०वाई०एल० के बारे में लिखा है "We are pressing it." यह कैसी प्रैस है, क्या चलेगा, क्या होगा, मुझे मालूम नहीं है।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आपने तो बहुत लम्बे समय तक प्रैस देखी।

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, सैन्टर में आपके तालमेल की सरकार है। पंजाब में आपके तालमेल की सरकार है। हरियाणा में आपका तालमेल है फिर भी आप यह मामला प्रैस में ले आये, प्रैस में लाने से तो काम नहीं बनेगा। उस काम को कम्पलीट करने के लिए तो कुछ न कुछ प्रबन्ध तो करना ही होगा। ऐसी हमें इस सरकार से उम्मीद है। अगर यह मामला ऐसे ही चलता रहा तो सारा हरियाणा पानी से महरूम हो जायेगा और खासकर के साउथ हरियाणा जिसमें पानी की कमी है। जहां पर ट्यूबवैल्ज और नहर का पानी कम है। मेवात के एरिया के दो चार गांवों को छोड़कर बाकी गांवों में खारा पानी है जो फसल के लिए भी ठीक नहीं है। उन गांवों के लिए पानी किसी भी स्कीम के तहत कवर नहीं किया गया है। मेवात कैनाल प्रोजैक्ट के तहत यह सारा ब्लाक कवर होता है जो कि छोटा सा ब्लाक है जिसमें फरूखनगर, पटौदी, तावडू और सोहना का एरिया आता है। मेवात कैनाल प्रोजैक्ट के तहत छोटा सा ब्लाक है आप इसे सिरे चढ़ायें। कहीं यह कोई मिस्टरी सी बनकर न रह जाये। ओखला बैराज का पानी तो सिर्फ बरसात के समय आता है जो डूबने के सिवाय कोई काम नहीं आता है क्योंकि उसका पानी बड़ी स्पीड से आता है। हमारे इलाके में पानी का प्रबन्ध होना चाहिये क्योंकि वहां पानी का कहीं से कोई प्रबन्ध नहीं है। एस०वाई०एल० कैनाल में जो साउथ हरियाणा का हिस्सा था वह कहां जायेगा। माफ करना इस सरकार ने हमारे एरिया के पानी का मुद्दा कभी इस हाउस में नहीं उठाया। कर्ण सिंह दलाल जी अगर हमारे एरिया का पानी दिला दें तो मैं उनका बड़ा आभारी रहूंगा।

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं खुर्शीद अहमद जी से प्रार्थना करूंगा कि वे अपने हल्के और हल्के के बाहर के क्षेत्र का जिनमें खारा पानी है तथा जहां पानी काफी गहरा है उनके बारे में लिखकर दे दें हम महकमे से सर्वे कराकर उस एरियाज को बिजली महकमे की जो स्लैब प्रणाली है उसके अधीन ला देंगे जिससे उस एरिया के लोगों को काफी फायदा हो जायेगा।

श्री खुर्शीद अहमद : कैसे भी हो इस समस्या का समाधान होना चाहिए। (इंटी) सर, अब मैं हैल्थ के बारे में कहना चाहता हूं। हमारे इलाके में कोई बड़ा होस्पीटल नहीं है। माण्डीखेड़ा गांव में हैल्थ सैंटर की बिल्डिंग बनाने के लिए औमान देश के शाह ने दस करोड़ रुपया दिया परन्तु मुझे पता चला है कि उस बिल्डिंग में मार्बल लगाने की बजाये वहां पर साधारण पत्थर लगाया जा रहा है। उसको कीड़ियों के हिसाब से बनाया जा रहा है। मैं यह कहूंगा कि जो भी महकमा उस बिल्डिंग को बना रहा है, उसको ठीक ढंग से बनाये और जो पैसा उसके लिए मिला है उसको उसी पर खर्च किया जाये नहीं तो जनता हमें कभी माफ नहीं करेगी। दूसरा हैल्थ विभाग में नर्सों का आन्दोलन चल रहा है जो कि छोटी मुलाजिम हैं और सबसे यूजफुल मुलाजिम हैं। पहले तो उनको कह दिया कि पांचवें वेतन आयोग में तुम्हें इतना लाभ देंगे। जब उनकी मांगें नहीं मानी गई तो उनको आन्दोलन करना पड़ा और उन्हें जेल में डाल दिया गया। यह इस सरकार की कैसी विडम्बना है। उनकी मांगों के बारे में कुछ कीजिए इसमें सरकार की मदद की जरूरत है। महाजन साहब तो बड़े बढ़िया आदमी हैं उनके जमाने में नर्सों को आन्दोलन करना पड़े यह अच्छा नहीं लगता। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री चन्द्र भादिया (फरीदाबाद) : अध्यक्ष महोदय, कल से कई बार कहने पर आपने आज मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आपका मैं इसके लिए धन्यवाद भी करता हूं। मेरे से पहले भी यहां पर बैठे हुए बहुत से माननीय साथियों ने बजट पर चर्चा की है। मैं यह समझता हूं कि यह जो बजट तैयार किया गया है यह मुख्यमंत्री महोदय व वित्त मंत्री जी की देखरेख में ही बनाया गया है जो कि बहुत बढ़िया बजट है। इसकी जितनी भी तारीफ की जाए, वह कम है क्योंकि मेरे कई विपक्ष के साथियों ने भी इस बजट की तारीफ की है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए थोड़ा सा समय दिया है जिस के अंदर मैं अपने क्षेत्र की सारी बातें कहना चाहता हूं। आज इस सरकार को बने लगभग सवा दो साल होने जा रहे हैं तथा जब इस सरकार का प्रथम सत्र लगा था उस समय मैंने अपने हल्के की बहुत सी बातें यहां पर रखी थीं व मुख्यमंत्री जी को भी बताई थी। लोगों को इस सरकार से बहुत आशाएं थीं क्योंकि इस सरकार ने चुनाव से पूर्व बड़े वायदे किए थे। यहां पर मेरे माननीय साथी व मंत्रीगण बैठे हुए हैं जो यह कहते हैं इस थोड़े से अर्से के अंदर हरियाणा में विकास कार्य हुए हैं। इस समय यहां पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय बैठे नहीं हैं। मैं मानता हूं कि हो सकता है इन के क्षेत्रों में विकास कार्य हुए हों लेकिन मैं अपने क्षेत्र के बारे में कहना चाहता हूं क्योंकि फरीदाबाद की जनता ने मुझे 34 हजार वोटों से जिताकर इस विधान सभा में भेजा है। मैंने फरीदाबाद क्षेत्र की समस्याएं कई बार इस सदन में रखीं, अधिकारियों के सामने रखीं, मुख्यमंत्री व मंत्रियों के सामने भी रखीं लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने पिछली बार भी कहा था कि वहां पर ऐसे कई अधिकारी हैं जो मेरे हल्के के अंदर विकास कार्य करके राजी ही नहीं हैं। अगर मेरे क्षेत्र का किसी समय आप दौरा करके देखें तो मालूम होगा कि वहां पर जो सड़कें टूटी हुई हैं, पिछले दो साल के अंदर उनकी मरम्मत तक नहीं हुई है। बरसात के दिनों में गांवों से अंदर-बाहर नहीं जाया जा सकता है। रात को लोग अपने घरों में नहीं रह सकते हैं। बहुत बुरा हाल हो जाता है। गर्मियों के दिनों में पीने के पानी की समस्या इतनी ज्यादा हो जाती है कि पानी दूर दूर से टैंकरों के द्वारा लाया जाता है। पानी की निकासी भी ठीक से नहीं हो पा रही है। अभी

एक महीना पहले जब बरसात हुई थी तो उस समय न्यू जनता कॉलोनी, जवाहर कालोनी, डबुआ कॉलोनी एम०आई०टी०-1, 2 व 3 के पूरे क्षेत्र में 4-5 फुट पानी खड़ा हो गया था और वहां पर ऐसी स्थिति बन गई थी कि न तो व्यक्ति वहां से अपने घर जा सकता था और न ही घर से बाहर जा सकता था। अगर वहां पर बदकिस्मती से किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती तो उस का दाह-संस्कार करना भी बड़ा मुश्किल हो जाता। अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी कहते हैं कि उनके क्षेत्रों में विकास कार्य हो रहे हैं, इस बात की मुझे भी खुशी है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के अंदर इस समय कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। लोगों ने मुझे चुनकर यहां पर भेजा है, इसलिए मेरा सदन को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराने का फर्ज बनता है। अगर हम यहां पर उनकी समस्याओं को नहीं रखेंगे तो उचित नहीं होगा। मुख्यमंत्री जी को मैंने बताया था कि फरीदाबाद में तोड़फोड़ की गई। उस समय एक बार तो मुख्यमंत्री जी ने आदेश दिए थे कि तोड़फोड़ बन्द की जाए। लेकिन अध्यक्ष महोदय, उसके बाद भी तोड़-फोड़ हुई है। आज जब हम सैशन में 2-3 दिन लेट पहुंचे हैं इस बारे में हमारी पार्टी के विधायक दल के नेता रामविलास जी ने यहां कहा था कि हमारे यहां कोई व्यक्ति अस्पताल में एडमिट था इस वजह से हम लोग लेट पहुंचे हैं। जो रामविलास जी कह रहे थे यह बात ठीक है लेकिन हालत वहां तोड़-फोड़ की भी बनी हुई थी। दो दिन से बल्लभगढ़ में तोड़-फोड़ की गई। हमने लोगों से बात की। लोगों से बात करना भी जरूरी था। लेकिन जब हमें पार्टी का आदेश मिला कि यहां सैशन में पहुंचो तो हम यहां पहुंचे। हम पार्टी के सिपाही हैं और पार्टी की बात मानना हमारे लिए जरूरी है। मैं अपने क्षेत्र से चुना हुआ प्रतिनिधि हूं। लोगों ने बड़ी उम्मीद और आस से मुझे चुनकर भेजा था। पिछले चुनावों में जो लोग चुने हुए थे उनको इन चुनावों में लोगों ने हराया था क्योंकि वे अपने क्षेत्र की तरफ ध्यान नहीं देते थे। मैं मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा और मैंने मुख्यमंत्री जी से भी कई बार कहा कि हमारे क्षेत्र की यह समस्या है। आप इसका समाधान करें। हमने उनको जिस समस्या के बारे में बताया हो सकता है मुख्यमंत्री जी ने इस समस्या के बारे में वहां के अधिकारियों को आदेश दिए हों लेकिन वहां के अधिकारियों ने वे आदेश न माने हों। हमारे फरीदाबाद जिले में भ्रष्टाचार का बोल बाला है और फरीदाबाद में ******** डी०सी० जैसे भ्रष्ट आदमी बैठे हैं।

श्री अध्यक्ष : डी०सी० का नाम रिकार्ड न किया जाए।

श्री चन्द्र भाटिया : उस डी०सी० के बारे में मैंने नहीं बल्कि मेरे साथियों ने भी लिखकर दिया कि इस अधिकारी का तबादला किया जाए। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसे भ्रष्ट आदमियों की बातें आपके सामने कह सकते हैं क्योंकि हम अपने दुःख को आपके सामने ही कह सकते हैं। लोगों की शिकायत के बावजूद भी वह अधिकारी कहता है कि मुझे किसी की परवाह नहीं है। मैं अपनी मनमानी करूंगा। उसने फरीदाबाद के लोगों पर जो अत्याचार किए और जो बुल्डोजर चलवाए उसका मैंने यहां अकेले ही नहीं बल्कि सदन के और भी साथियों ने लिख कर दिया लेकिन अध्यक्ष महोदय, आज तक उस केस में कोई कार्यवाही नहीं की गई। उस व्यक्ति ने मेरे ऊपर झूठे मुकद्दमे बनाए। मेरे ऊपर जो झूठे मुकद्दमे बनाए गए, आप उनकी इन्कवायरी करवा लें। यदि उन मुकद्दमों के अन्दर मेरी थोड़ी सी भी भागीदारी हो तो आप उसके लिए जो सजा मुझे देंगे, मैं उसे भुगतने के लिए तैयार हूं। वह अधिकारी मुख्यमंत्री को गुमराह करता है। मुख्यमंत्री जी यहां बैठे नहीं हैं। मुख्यमंत्री हरियाणा के निर्माता गिने जाते थे। कोई अधिकारी यदि गलत काम करे तो नेताओं का फर्ज है हमें बुलाकर हम से पूछे। लेकिन हमारी बात को सुना नहीं जाता, हमारी बात को अनसुना कर दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं किसी की बुराई नहीं कर रहा हूं।

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री चन्द्र भाटिया]

फरीदाबाद में जो बाटा पुल बना हुआ है। उस पुल का शिलान्यास चौधरी भजन लाल ने किया था। आज उस पुल का काम वहीं पर रुका पड़ा है जितना उस समय किया गया था। वह पुल अधूरा पड़ा हुआ है। उस पुल के अधूरा होने के कारण वहां के लोगों को पड़ी परेशानी हो रही है। इसी तरह से स्पीकर साहब, मोहना में काण्ड हुआ उसमें 25 लोग मारे गए। वे लोग इसी डी०सी० की लापरवाही की वजह से मारे गए। अगर डी०सी० की लापरवाही नहीं होती तो वह इतनी बड़ी घटना फरीदाबाद में नहीं होती

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर साहब, मैं एक सबमिशन करना चाहूंगा।

श्री खुर्शीद अहमद : आप अपनी ही पार्टी के मैम्बर को इन्टरप्ट कर रहे हैं। (शोर)

श्री राम बिलास शर्मा : मैं उनको इन्टरप्ट नहीं कर रहा हूं।

श्री सम्पत सिंह : स्पीकर सर, उधर देखो। भाटिया जी को दो मैम्बर बैठे बैठे धमका रहे हैं।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, हमारे विपक्ष के नए पुराने जो माननीय सदस्य हैं इनको हमारे माननीय सदस्य द्वारा फरीदाबाद की कोई समस्या बताई जा रही है वह अच्छी नहीं लगती है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि सदन की कार्यवाही चलती है तो उसकी एक एक मिनट पर हजारों रुपया खर्च आता है। माननीय सदस्य चन्द्र भाटिया वहां के बाटा पुल के बारे में बात कह रहे हैं। स्पीकर साहब, जब भी सदन में कोई राजनीतिक बात आती है तो ये विपक्ष के माननीय सदस्य उसमें मेजें थपथपाते हैं। हमारे विपक्ष के माननीय सदस्यों ने कल यह कहा था कि बी०जे०पी० के दो सदस्य सदन में नहीं आ रहे हैं और जब आज ये यहां पर आ कर बोल रहे हैं तो इनकी तरफ से कहा जा रहा है कि उनको दबाया जा रहा है। हमारे भाजपा के माननीय सदस्य अपने क्षेत्र की बात कह रहे हैं उसके बारे में इनकी तरफ से यह कहा जा रहा है कि उनको दबाया जा रहा है। हमारे माननीय सदस्य चन्द्र भाटिया बड़ी निर्भीकता से अपने क्षेत्र की बात कह रहे हैं फिर भी आप यह कहें कि इनको दबाया जा रहा है। स्पीकर साहब, आप इनकी नीयत देखें।

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, मैं कम शब्दों में अपनी बात कहने की कोशिश करूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे चुनाव क्षेत्र फरीदाबाद में जो नगर निगम बना हुआ है वह फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के लिए बना हुआ है। उस क्षेत्र से स्लम एरियाज के लिए एक करोड़ रुपया आया था उस पैसे के बारे में हमने वहां के अधिकारियों से कई बार कहा कि आप यह रुपया यहां स्लम एरिया में लगाएं लेकिन उन अधिकारियों ने वह पैसा वहां पर नहीं लगाया। उन अधिकारियों ने यह कह दिया कि इसके लिए हमारे पास कोई आदेश नहीं हैं। स्पीकर साहब, मेरा कहना है कि कुछ अधिकारी मुख्य मंत्री जी को गुमराह करते हैं। उन अधिकारियों ने आज तक वह एक करोड़ रुपया वहां पर नहीं लगाया है। मैं कहना चाहूंगा कि अगर वह एक करोड़ रुपया वहां पर झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले स्लम एरिया के लोगों के भले के लिए लगा दिया जाता तो उनका रहन सहन ठीक हो जाता हम चुनाव के दौरान लोगों के बीच में जा कर यह वायदा करके आते हैं कि हम आपका यह काम करेंगे हम आपका यह विकास करेंगे लेकिन अध्यक्ष महोदय जो पैसा वहां के स्लम एरिया के लिए आया हुआ था वह पैसा वापिस भेज दिया गया। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि अगर मेरे क्षेत्र के अन्दर लापरवाही की गई अगर मेरे क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हुए तो वह अधिकारियों की लापरवाही होगी। हमारे फरीदाबाद जिले में कुछ भ्रष्ट अधिकारी बैठा दिए गए हैं। हम सभी को भ्रष्ट नहीं कहते। जो अधिकारी सही काम करता है उसकी हम पूरी इज्जत करते हैं और जो अधिकारी सही काम नहीं करते उनका हम विरोध भी करते है। हमारे साथ वहां पर जो भी

हो रहा है यदि उसको मैं बताने लग जाऊं तो पूरा दिन लग जायेगा। हमारे फरीदाबाद के अन्दर आज कोई बहन बेटी रात को तो क्या दिन के समय में भी अकेली नहीं निकल सकती। मैं अपने विधायक दल के नेता राम विलास शर्मा जी और मुख्य मंत्री जी से पुनः कहना चाहता हूं कि जो बातें मैंने पिछले सैशन में भी अपने हल्के के बारे में कही थी उनकी तरफ ध्यान दें। वहां पर हालत ठीक नहीं हैं। शर्मा जी ने मेरे हल्के के पिछले साल 3 स्कूल अपग्रेड किए थे। मैं इनका धन्यवाद करता हूं। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, अब मैं पुलिस की भर्ती के बारे में एक बात कहना चाहता हूं। मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने जिनमें बीरेन्द्र सिंह जी भी थे और दूसरे साथी भी थे, उन्होंने कहा कि इस पुलिस भर्ती में लोगों से रिश्वत के डेढ़-डेढ़ लाख रुपये लेकर भर्ती की जा रही है। यह लोगों में आम चर्चा हो रही है। जब लोग हमसे मिलते हैं तो वे ऐसी बात बताते है। इस समय मुख्यमंत्री जी बैठे नहीं हैं। पुलिस भर्ती की चर्चा चल रही है इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि इन बातों से हमारे मुख्य मंत्री जी की छवि खराब हो रही है। मुख्य मंत्री के ऊपर आरोप लग रहे हैं कि डेढ़-डेढ़ लाख रुपये लेकर भर्ती की जा रही है। (शोर)

श्री राम विलास शर्मा : वे मुख्य मंत्री जी पर आरोप नहीं लगा रहे। वे बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री जी इन बातों की तरफ ध्यान देकर लोगों को बताएं कि ऐसी बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री चन्द्र भाटिया : अध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट मेरी बात सुनिये। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात कही है और मेरे से पहले बोलने वाले भाई बीरेन्द्र सिंह जी ने भी कहा है कि लोगों में इस भर्ती के बारे में पैसा लिये जाने की चर्चा चल रही है। मैं यह बात कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री जी इस तरफ ध्यान देकर लोगों को व हरियाणा की जनता को बताएं कि ऐसी बात नहीं है क्योंकि इस समय लोगों में इसी बात को लेकर मुख्यमंत्री जी की छवि खराब हो रही है। वे लोगों को बताएं कि इस तरह की कोई बात नहीं हो रही है और न कोई किसी से पैसा लिया जा रहा है। (शोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, चूंकि मैं अपनी पार्टी का बन्धा हुआ सिपाही हूं इसलिए ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। (विघ्न) मेरे पास कहने को तो काफी कुछ बातें हैं लेकिन मैं कह नहीं सकता। इसलिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैंने परसों भी इस हाऊस में एक बात कही थी कि जो एफिडेविट के साथ शिकायत करेगा तो उस पर हम कार्रवाई करेंगे और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जायें, सबको बोलने का समय मिलेगा। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, तीन विधायक भारतीय जनता पार्टी के और तीन विधायक हरियाणा विकास पार्टी के फरीदाबाद जिले से संबंध रखते हैं। श्री चंद्र भाटिया ने जो बात कही है वह उन्होंने अपने तरीके से कही है। लेकिन जिला फरीदाबाद के बारे में मैं यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के और हरियाणा विकास पार्टी के किसी भी मंत्री पर, विधायक पर और किसी भी कार्यकर्ता पर लोग यह इल्जाम नहीं लगा सकते कि किसी ने पुलिस भर्ती के लिए किसी से पैसे मांगे हैं या मांग रहे हैं। मैं भी फरीदाबाद जिले का रहने वाला हूं। अध्यक्ष महोदय, कोई यह बात भी नहीं कह सकता कि पुलिस भर्ती में किसी तरह की कोई अनियमितता बरती जा रही है या बरती गई है। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : मेरी आप सब लोगों से प्रार्थना है कि हाउस की कार्यवाही ठीक तरह से चलने दें। (विघ्न एवं शोर)

Shri Ram Bilas Sharma : Speaker Sir, they are not interested in positive things. They are not interested in smooth functioning of the House. अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद से श्री राम चन्द्र बैंदा जी लोक सभा के लिए दो बार चुनकर आये हैं और तीन-तीन विधायक भारतीय जनता पार्टी के 30-30 हजार के मार्जन से इनके लोगों को हराकर आये हैं। अध्यक्ष महोदय, कंवर सूरज पाल जी मेवात को रिप्रेजेंट करते हैं, श्री कृष्ण पाल गुज्जर जी और श्री आनंद शर्मा जी भी मेवात को रिप्रेजेंट करते हैं। स्पीकर सर, जो बात श्री चन्द्र भाटिया जी कह रहे थे मेरे साथी उसे दूसरी तरह से ले रहे हैं, इस तरह से नहीं चल सकता। डा० वीरेन्द्र पाल जी आप इस वहम को मन से निकाल दें कि श्री चन्द्र भाटिया जी को आप हमारे से अलग कर लेंगे। बी०जे०पी० एक मजबूत पार्टी है। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी की गठबंधन सरकार एक मजबूत सरकार है। अध्यक्ष महोदय, ये लोग दूसरों के बैड रूम में दूरबीन लगाकर झांकने की अपनी प्रवृत्ति छोड़ दें और अपने घर को संभाल कर रखें, इन्हें हमारी चिंता नहीं करनी चाहिए, इन्हें अपनी चिन्ता करनी चाहिए। (विघ्न)

श्री अशोक कुमार : अध्यक्ष महोदय, जो लोग बीच में बोलते हैं उन्हें आप चुप करायें।

श्री अध्यक्ष : श्री अशोक कुमार जी, सत्ता पक्ष के लोगों ने किसी को बोलने से नहीं रोका, बीच में शोर नहीं डालते, आपकी पार्टी के लोग ही बीच में शोर डालते हैं किसी को बोलने नहीं देते। (विघ्न एवं शोर)

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्ष कुमार) : अध्यक्ष महोदय, जब सुबह हरियाणा के पानी के बंटवारे की बात हो रही थी तो हमारी तरफ से गोदारा साहब और दूसरे लोग तथा उधर से कांग्रेस के जो दक्षिणी हरियाणा के लोग हैं, पानी के बंटवारे के ऊपर अपनी पार्टी की मर्यादाओं को तोड़कर अपने इलाके के बारे में, अपनी बात पर ज्यादा जोर दे रहे थे। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद के बारे में जो रोष श्री चन्द्र भाटिया जी का है वह इसी तरह का रोष है। (विघ्न एवं शोर) यह जो रोष है यह शहर और देहात, शहर और किसान का रोष है। अध्यक्ष महोदय, इनका रोष अपनी जगह ठीक है लेकिन फरीदाबाद से जो गुड़गांव कैनाल जाती है उसमें डिसिल्टिंग का काम कई सालों से रुका हुआ है वह नहर सिल्ट से भरी हुई है, उसमें गाद भरी हुई है जिसके कारण किसानों को मेवात के इलाके में जितना पानी मिलना चाहिए उतना नहीं मिल रहा है। गाद की वजह से उनमें उतना पानी नहीं जा पा रहा है जितना पानी जाना चाहिए। उस पर लोगों ने अनअथोराईज्ड कब्जे किए हुए हैं। जब प्रशासन उन कब्जों को हटाने की कोशिश करता है तो लोग उन कब्जों को छोड़ते नहीं। हाईकोर्ट से उन लोगों के कब्जे हटाने के आदेश हुए थे उसके बाद प्रशासनिक आधार पर वहां से कब्जे हटाए गए हैं ताकि उसकी डिसिल्टिंग का काम हो सके और देहात के लोगों को पानी मिल जाए। जो तोड़-फोड़ हुई है उनकी हमदर्दी के लिए इनका आवाज़ उठाना जायज़ है इसमें और कोई ऐसी बात नहीं है। (विघ्न)

जन-स्वास्थ्य मन्त्री (श्री जगन्नाथ) : स्पीकर सर, मैं दो-चार मिनट का समय ही लूंगा क्योंकि मुझे अपनी बात हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के लिए जो रिज़र्वेशन है उस पर कहनी है। हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज़ की 50% रिज़र्वेशन है। ये बड़े-बड़े जमींदार जो ये बात बोलते हैं कि इनका नाम लेना भी पाप है आज उनकी हिमायत कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, चुनाव के समय चौधरी बंसी लाल जी के हर जलसे में इनकी पार्टी के नेताओं ने और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने एक बात कही थी कि चुनाव के बाद अगर हमारी सरकार बनती है तो हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज़ को रिज़र्वेशन में जो नौकरियां नहीं मिल पाई हैं वह हमारी सरकार उनको दिलवाएगी। बी०सीज़० के लिए मण्डल कमीशन की

रिपोर्ट में 27% का तथा संविधान में एस०सीज़० के लिए 20% का रिज़र्वेशन है लेकिन इस हिसाब से उनको नौकरियां नहीं मिल पाई हैं उनको उनके कोटे की एक-एक नौकरी देंगे। अध्यक्ष महोदय, जब से यह सरकार बनी है जितनी भी नौकरियां निकाली गई हैं और जितनी भी सिलैक्शन्ज़ हुई हैं उनमें इस सरकार ने रिज़र्वेशन का पूरा-पूरा कोटा दिया है चाहे वह जे०बी०टी० की भर्ती हो, चाहे बी०एड०, क्लर्कस की भर्ती हुई है या बिजली बोर्ड के कर्मचारियों की भर्ती हुई है या खेतीबाड़ी के ए०डी०ओज० की भर्ती है उसमें रिज़र्वेशन का पूरा कोटा रखा गया है और यह कोशिश की गई है कि कोई कमी कहीं पर न रहे। अध्यक्ष महोदय, इन्दिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट का 16-11-1992 का फैसला है। यह फैसला फुल बैंच का फैसला था जिसमें कहा गया है कि हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज़ का कोटा स्टेट गवर्नमैंट्स में पूरा नहीं किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, उस फैसले में केवल इस कोटे को पूरा करने की बात ही नहीं बल्कि उन्होंने यह भी कहा है कि 27% और 20% जो रिज़र्वेशन है वह हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज़ के उन लड़के लड़कियों को अतिरिक्त तौर पर मिलती है जो कि मैरिट के आधार पर जनरल कैंडिडेट्स के साथ सलैक्ट होंगे। जिन लड़के लड़कियों का मैरिट में जनरल के साथ सलैक्शन हुआ है उन्हें इस रिज़र्वेशन कोटे में नहीं गिना जाएगा और वे रिज़र्वेशन कोटे में शामिल नहीं होने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय 12-07-1997 को इसी आधार पर चीफ सैक्रेटरी ने हरियाणा गवर्नमैंट के सभी डिपार्टमैंट्स, बोर्डज़, कारपोरेशन्ज़, यूनिवर्सिटीज़ और सभी डी०सीज़० को इन्हें इम्पलीमैंट करने के लिए लिख दिया है कि जो लड़के लड़कियां मैरिट में आ जाते हैं उनको रिजर्वेशन में शामिल न करें। अध्यक्ष महोजय, फिर भी कहीं-कहीं थोड़ी-बहुत गड़बड़ हो जाती है।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मन्त्री महोदय कह रहे हैं कि सरकार बनने के बाद रिज़र्वेशन का पूरा ध्यान रखा गया है। मेरे नॉलेज में एक बात है कि रोहतक यूनिवर्सिटी में एस०सी० कैंडीडेट्स के अगेंस्ट जनरल कैटेगरी के लोगों को लगाया गया है। उसकी बी०सी० के आर्डर्ज की लिस्ट में दे सकता हूं आप इन्क्वायरी करवा कर देख लें। (विघ्न)

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं अभी यह बात कह ही रहा था कि इस बारे में एस०एस०एस०बोर्ड में ऐसा नहीं है। हो सकता है कि यूनिवर्सिटी के अन्दर कुछ थोड़ा-बहुत ऐसा हुआ हो या बिजली बोर्ड में या दूसरी और किसी जगह पर कोई थोड़ी बहुत शिकायत हो सकती है लेकिन ऐसा नहीं है कि पिछली सरकारों की तरह रिज़र्वेशन का ध्यान ही न रखा गया हो। अध्यक्ष महोदय, आज हरिजनों में भी ए और बी दो कैटेगरीज़ हो गई हैं। (विघ्न एवं शोर)

16.00 बजे **श्री अध्यक्ष :** आप अपनी सीटों पर बैठ जाएं। सरदार साहब इन्होंने जो बात कहनी है वह ये ही कह लेंगे इसमें आपकी वकालत की जरूरत नहीं है।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, स्वयं मुख्यमंत्री जी इस बारे में कोशिश कर रहे हैं कि किसी के साथ कोई गड़बड़ न हो जाए। नौकरियों में रिजर्वेशन का कोटा पूरा किया जा रहा है। कैबिनेट की मीटिंग हुई थी तो उसमें एस०सी० और बी०सी० को पुलिस भर्ती में रिलैक्सेशन देने के बारे में मंजूरी दी है। अध्यक्ष महोदय, हरिजन और बैकवर्ड क्लास के लड़के अपनी पूरी पढ़ाई नहीं कर पाते हैं इसलिए उनकी क्वालिफिकेशन 10वीं क्लास की जगह 8वीं क्लास कर दी गई है। उनको खाना पीना भी ठीक ढंग का नहीं मिल पाता है इसलिए उनको लम्बाई में और छाती में 1" की छूट दी है। यह हमारी सरकार ने किया है। (विघ्न) उम्र में भी हमने उनको पांच साल की छूट दी है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दिलू राम जी आप अपनी सीट पर बैठकर बात सुनें।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज के साथ पुलिस की भर्ती में कितना अन्याय किया है यह मैं आपके द्वारा सदन में बताना चाहूंगा। इन कैटेगरीज के हिसार जिले में 74, करनाल में 46 और भिवानी में 28 कैंडिडेट कम लिए थे। रिजर्व कैटेगरी का हक पिछली सरकार ने बड़ी बेरहमी से खाया था। इस सरकार में ऐसा कुछ नहीं होगा। यह हमारी दो पार्टियों का फैसला है अगर ऐसा कुछ होगा तो जिसके पार्ट पर होगा उसको सजा दी जाएगी।

श्री अध्यक्ष : चौधरी जगन नाथ जी, बिलूराम जी ने आखिरी वाली आपकी बात नहीं सुनी आप उनको दोबारा से बता दें।

श्री जगन नाथ : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बता रहा था कि पिछली सरकार के वक्त हरिजन और बैकवर्ड क्लासिज का हक किस तरह से पुलिस भर्ती में खाया गया था। इन कैटेगरीज के हिसार जिले में 74, करनाल में 46 और भिवानी में 28 कैंडिडेट्स कम लिए थे। उस सरकार ने इन कैटेगरीज के टोटल 570 कैंडिडेट्स कम लिए थे। इस बारे में अगर आप डिटेल जानना चाहेंगे तो मैं आपको बता दूंगा। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। जो मैरिट में आएगा उसको लिया जाएगा और जो रिजर्व कैटेगरी का होगा उसको अलग से लेंगे। इसके अलावा बसों के रूट परमिट देने की बात है तो हमने इसमें भी एस०सी० और बी०सी० का कोटा अलग से रख दिया है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं दो मिनट में अपनी बात भी कह देता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे महकमे में कोशिश की जा रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पानी दिया जाए। यह सब कुछ एक दिन में तो नहीं हो पाएगा इसके लिए समय लगेगा और इसके लिए हम कोशिश करेंगे। हम यह भी कोशिश करेंगे कि लोगों को साफ सुथरा पानी मिले। हमारा ध्येय यह है कि सन् 2000 तक 40 लीटर पानी प्रति दिन प्रति व्यक्ति सारे हरियाणा में हो जाए। सिरसा, हिसार, भिवानी, रोहतक और झज्जर में जहां पर 40 लीटर पानी प्रति दिन प्रति व्यक्ति है वहां पर 70 लीटर करने जा रहे हैं जो कि कुछ जगह पर हो भी गया है। जहां पर 25 लीटर पानी प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से है वहां पर 50-55 लीटर के हिसाब से पानी हो जाएगा। 55 लीटर पानी का हर घर में कनैक्शन हो जाएगा और 70 लीटर पानी का भी घर-घर कनैक्शन हो जाएगा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 40 लीटर पानी देने की बात कर रहे हैं आज वाटर सप्लाई के पानी के कारण गांवों की गलियों का बुरा हाल है तो फिर पानी के हाउस कनैक्शंज देने के बाद उन गलियों का क्या हाल होगा ? आपको इस बारे में कोई कम्पोजिट प्रोग्राम बनाना चाहिए जिसमें सीवरेज का भी इंतजाम हो। तभी गांवों में हाउस कनैक्शंज देने का कुछ फायदा होगा।

श्री जयननाथ : स्पीकर सर, ऐसा है कि पानी के हाउस कनैक्शंज देने के बाद तो गलियों में कीचड़ कम होगी क्योंकि बाहर के टेप में जो आजकल पानी खुला चलता रहता है वह बंद हो जाएगा। जब हम बाहर टैप लगाते हैं तो लोग उनको उखाड़ लेते हैं। हमने टेप्स वैल्ड करके भी लगाकर देख लिए लेकिन फिर भी लोग इनको उखाड़ ही लेते हैं। लेकिन जब घर के अंदर पानी के कनैक्शंज होंगे तो लोग उनको यूज करने के बाद बंद कर देंगे। सर, शहरों के अंदर भी ऐसा ही है। क्या शहरों के लोग अपने घरों के टैप्स बंद नहीं करते हैं ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : इसका मतलब शहरों में जहां मकानों में कनैक्शंज हैं वहां पानी नहीं निकलता है क्या ?

श्री जगननाथ : निकलता तो है लेकिन वहां सीवरेज भी तो हैं। सीवरेज सिस्टम के बारे में हम सोच रहे हैं कि जहां पर पांच हजार की आबादी है वहां पर हम सीवरेज सिस्टम लगाने की कोशिश कर

रहे हैं। ऐसे 17 गांव हैं लेकिन स्पीकर सर, हमारे पास इतने साधन नहीं हैं कि यह काम एक दिन में सारा हो जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंह : चाहे आप यह काम सौ ही गांव में करो लेकिन आपका कोई कम्पोजिट प्रोग्राम होना चाहिए। जहां पर आप घरों में पानी के कनैक्शंज देंगे कम से कम वहां पर सीवरेज सिस्टम इंट्रोड्यूस करने का फैसला तो करो।

श्री जगन्नाथ : इसके लिए तो कम से कम सौ लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति होना चाहिए। इतना पानी हम एक दिन में कैसे दे सकते हैं ? बीरेन्द्र सिंह जी, आप भी पहले की सरकार में मंत्री थे आपने ऐसा क्यों नहीं कर लिया ?

श्री बीरेन्द्र सिंह : जब आप यह काम कर ही नहीं सकते तो इतनी बड़ी बात क्यों कर रहे हो ?

श्री जगन्नाथ : स्पीकर सर, हमने 1254 गांवों में पानी के 23250 हाउस कनैक्शंज दिए हैं। इसके अलावा भागी राम जी कह रहे थे कि हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के लोगों के घरों में पानी के कनैक्शंज नहीं देते लेकिन ऐसी कोई बात नहीं है। हमने बाकायदा अपने महकमे को हिदायत दे रखी है कि हरिजन और कमजोर लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रायोरिटी के हिसाब से पानी मिलना चाहिए। इसमें कोई भी भेदभाव नहीं होगा चाहे वह विपक्ष के एम०एल०एज० के हल्के हों या रूलिंग पार्टी के एम०एल०एज० के हल्के हों। स्पीकर सर, इसके अलावा यमुना ऐक्शन प्लान की 232 करोड़ रुपये की स्कीम थी। उसके तहत हमें यमुना के पानी को ट्रीट करके, साफ सुथरा करके यमुनानगर, करनाल, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव और फरीदाबाद जैसे शहरों को देना है। इसके साथ ही 6 और छोटे शहर जैसे छछरोली, रादौर, इन्द्री, घरौंडा, गोहाना और पलवल को भी हमने इस यमुना ऐक्शन प्लान के तहत पानी देना है। स्पीकर सर, इस बारे में यह सरकार आने से पहले तो केवल ऐस्टीमेट्स ही बना था लेकिन हमारी सरकार आने के बाद से इस पर 70 फीसदी काम हुआ है। लेकिन इसके लिए कुछ पैसा जापान से केन्द्र सरकार के द्वारा आना था वह हमें अभी तक नहीं मिला है इसलिए इसमें अभी थोड़ा सा काम रह रहा है लेकिन केन्द्र में वाजपेयी जी की सरकार है इसलिए हमारी कोशिश यह है कि जल्दी से जल्दी वह पैसा हमें मिल जाए और यह काम शुरू हो जाए। सर, मैं यह विश्वास दिलाता हूं कि चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ज्यादा से ज्यादा कोशिश कर रही है कि साफ सुथरा पानी लोगों को मिले। बीरेन्द्र सिंह जी को गरीबी के बारे में क्या पता क्योंकि ये तो बहुत बड़े लैंड लोर्ड हैं इसलिए ये किसानों की समस्याओं को क्या जानें ? किसान तो इनके घरों में काम करते हैं। स्पीकर सर, पांच-छः एकड़ जमीन वाला तो जमींदार नहीं हो सकता वह तो केवल मजदूर के समान ही होता है। चौटाला साहब जैसे व्यक्ति को तो खेतों का आज तक पता ही नहीं है। जो भी बड़े जमींदार हैं उन लोगों को छोटे किसान के दुख का पता नहीं होता। छोटे किसान और मजदूर उनकी समस्या एक ही प्रकार की होती है। चौधरी बंसी लाल जी और बी०जे०पी० की सरकार एस०सी० और बी०सी० के ज्यादा से ज्यादा हित की बात कर रही है। लोगों को साफ सुथरा पानी देने की बात कर रही है।

श्री मनी राम (मंडी डबवाली) : स्पीकर साहब, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए मौका दिया इसके लिए मैं तहेदिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूं। आपने मुझे क्वेशचन ऑवर में जो बोलने के लिए मौका दिया उसके लिए भी मैं आपका आभारी हूं।

श्री अध्यक्ष : आपका धन्यवाद । आप दस मिनट में अपनी बात कह दीजिए।

श्री मनी राम : जैसे कि मुझे मेरे हल्के के बारे में क्वेश्चन ऑवर में आश्वासन दिया था कि आशाखेड़ा गांव से पनियावाली मोढ़ा तक 40 किलोमीटर लम्बी सड़क है उसको चौड़ा कर दिया जाएगा तो वह काम तो मेरा हो ही जाएगा। दूसरी बात यह है कि जगननाथ जी हमारे भाई हैं कालांवाली मंडी में सन् 1952 में वाटर वर्क्स बना था। (विघ्न) किसी वक्त में जगननाथ जी वहां से एम०पी० का चुनाव लड़े थे जो जलधर 1952 में बना था उसके बाद वहां की आबादी बढ़कर लगभग बीस गुनी हो गई है वहां आबादी 35-40 हजार के करीब हो गई है वहां नया जलधर बनाने की बात मान ली है। (विघ्न) स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी बड़े सिद्धांतवादी आदमी हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। ये काम करना चाहते हैं। सारे मंत्रियों के बारे में तो मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन अगर छः-सात मंत्रियों के विभाग उनसे छीन लिये जायें तो इस सरकार का कल्याण हो सकता है। चौधरी बंसीलाल जी ने चुनावों में बहुत बड़े-बड़े वायदे कर दिये परन्तु उनको पूरा नहीं किया। चुनावों से पहले नौजवानों को कह दिया कि पैट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी, खाद-कीड़े मार दवाईयों की दुकान खुलवा देंगे और बसों के रूट परमिट दे देंगे। (विघ्न)

कृषि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल) : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मेरा चौधरी मनीराम जी से अनुरोध है कि ये फिजूल की बात न करें बल्कि इनके हल्के की कोई बात है तो वह हमें बतायें हम उनको नोट करने के लिए तैयार हैं।

श्री अध्यक्ष : मनीराम जी, आपको दस मिनट का समय दिया गया था जिनमें से पांच मिनट हो चुके हैं जो कुछ आपको कहना है वह जल्दी कहें। (विघ्न)

श्री मनी राम : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जब शराबबन्दी लागू की थी तो यह कहा था कि हम कोई टैक्स नहीं लगायेंगे। इन्होंने हजारों रुपये के टैक्स लगा दिये जिसके कारण हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा महंगाई बढ़ गयी है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, चौधरी मनी राम जी की पार्टी को आपने कितना समय दिया है फिर भी ये हर बात को दोहरा रहे हैं इससे क्या फायदा है ?

श्री अध्यक्ष : चौधरी मनीराम जी, आपके समय में से तीन मिनट रह गये हैं कोई हल्के की बात कहनी है तो कहिये। आपको जब समय मिलता है तो आप बोलते नहीं हैं और बैठे-बैठे बोलते रहते हैं।

श्री मनी राम : स्पीकर सर, भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में यह बात थी कि हम चुंगी को समाप्त करेंगे जिससे सिर्फ 40-50 करोड़ रुपये का ही घाटा होगा। परन्तु अब सुनने में आया है कि चुंगी को समाप्त करके सेल्स टैक्स पर सरचार्ज लगाकर इस घाटे को पूरा करने के लिए 100-150 करोड़ रुपये कमाने की कोई स्कीम है। दूसरा मेरे हल्के के कुछ गांव हैं जैसे लखवाना, नीमड़ी उन गांवों में पहले बसें चला करती थीं परन्तु अब वे बसें बन्द हैं मेरा इस सरकार से अनुरोध है कि बसों को दोबारा से चलाया जाये।

श्री अध्यक्ष : मनी राम जी, दिलू राम जी, आप सब बैठिए। (शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने सदन में जो बजट पेश किया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, पिछले सवा दो साल से भाजपा और हविपा गठबंधन की सरकार चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में इस प्रदेश के अंदर चल रही है। जो बजट वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है मैं उसकी प्रशंसा करता हूं क्योंकि यह एक बहुत ही विकासशील और संतुलित बजट है। इस बजट को बनाते समय हरियाणा की 36 बिरादरियों, समाज के हर वर्ग की समस्याओं को व्यापक रूप से ध्यान में रखा गया है। आज भी और हर रोज विपक्ष के सभी माननीय साथियों ने प्रदेश

की विभिन्न समस्याओं पर अपने अपने विचार रखे। आज चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी बोल रहे थे। कोई भी बात कहना आसान होता है लेकिन उस को सिरे चढ़ाना बहुत ही मुश्किल कार्य होता है। जब से यह हरियाणा प्रदेश बना है तब से लेकर आज तक इस प्रदेश की जनता ने चौधरी देवी लाल जी व चौधरी भजन लाल जी की सरकारें इस प्रदेश में बनाईं। अपने-अपने तरीके से सभी राजनीतिक पार्टियां लोगों के बीच में जाती रहीं और लोगों को वायदे करती रहीं। लोगों को बहुत अच्छे अच्छे सपने दिखाए गए कि जब हमारी सरकार बनेगी तो हम यह कार्य करेंगे, प्रदेश का भला करेंगे इत्यादि। एक ऐसी परिपाटी प्रजातंत्र के अंदर बनती जा रही है कि जो कोई भी विपक्ष के अंदर बैठता है वह सरकार के हर अच्छे और बुरे काम की आलोचना करना अपना कर्त्तव्य समझता है लेकिन प्रजातंत्र में यह मान्यता नहीं है। जब यह प्रजातंत्र कायम हुआ था तो मान्यता यह थी कि खून के रिश्तों से ज्यादा विचारों के रिश्ते गाढ़े होते हैं। इस प्रजातंत्र में बाप कहीं होता है, बेटा कहीं होता है लेकिन राजनीतिक तौर पर प्रदेश व देश की भलाई की ही बात करता है। चौधरी बंसी लाल जी, अध्यक्ष महोदय आप और हम जब 6 साल पहले विपक्ष में बैठा करते थे तो हम और आप गांवों में जाया करते थे। उस समय चौधरी बंसी लाल ने अपना एक-एक कार्यक्रम लोगों के सामने रखा जिसकी लोगों ने सराहना की और चुनावों के समय उन में विश्वास व्यक्त किया। तमाम हरियाणा प्रदेश की जनता इस बात को जानती है कि चौधरी बंसी लाल जी की नीयत में आज भी कोई फर्क नहीं है। उनकी करनी और कथनी में कोई फर्क नहीं है। हां, यह बात सही है कि चौधरी बंसी लाल जी के सामने प्रदेश की समस्याएं बहुत हैं। श्री संपत सिंह जी, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी व दूसरे अन्य माननीय साथियों ने भी कानून और व्यवस्था के बारे में सरकार की आलोचना की है लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की इस बात को सही मानता हूं कि सदन के हर माननीय सदस्य को इस बात की चिंता करनी चाहिए कि अगर प्रदेश के अंदर कानून और व्यवस्था खराब है तो इसके लिए कौन जिम्मेवार है ? आज इस हरियाणा प्रदेश के अन्दर जिस तरह से अफरा-तफरी मची हुई है अगर उसमें हमारी सरकार का, भाजपा या विकास पार्टी का कोई भी मंत्री, कोई पदाधिकारी या कोई कार्यकर्ता किसी तरीके से कानून और व्यवस्था को खराब करने में लगा हुआ है या असामाजिक तत्वों को संरक्षण देने में लगा हुआ है तो हम अपने आप को कसूरवार मानते हैं। इस प्रदेश के अन्दर रिवायत कायम है और आपको पता है कि पिछली सरकार में जो मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने किस तरह से इस प्रदेश के अन्दर राज किया। हमें इस बात का फख्र है कि हमारे विपक्षी भाई हमारी सरकार की आलोचना करें और यह बताएं कि इस सरकार के किसी वजीर ने पिछले अढ़ाई साल में कोई घोटाला किया है जिससे हरियाणा की जनता हमारी गतिविधियों पर शक कर सके ? (शोर)

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by one hour ?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the sitting is extended by one hour.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कर्ण सिंह दलाल : आज प्रजातंत्र में विश्वास रखते हुए हमारी सरकार ने ऐसी प्रजातांत्रिक व्यवस्थाएं स्थापित करने की कोशिश की है जिनके बारे में किसी को कोई शक नहीं हो सकता। हमारे विपक्षी भाइयों ने कहा कि हम फतेहाबाद का उप-चुनाव हार गए। अभी-अभी आदमपुर का उप-चुनाव

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

हार गए। अध्यक्ष महोदय, हमें ऐसी हार पर भी फख्र है। हम प्रजातंत्र की प्रजातांत्रिक प्रणालियों में विश्वास करते हैं। यह हरियाणा वही प्रदेश है जिसके पिछले दिनों भजन लाल मुख्यमंत्री थे। प्रो० सम्पत सिंह यहां बैठे हुए हैं, उनके समय में भी उप-चुनाव हुए थे, उस समय किस तरह से कानून की धज्जियां उड़ाई गई थी। किस तरह से लोगों को मजबूर किया गया था। एक कैंडीडेट के पक्ष में वोट डलवाने के लिए किस तरह से सरकार का कितना बजट एक हल्के के चुनाव के लिए खर्च कर दिया गया था। मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने के लिए किस तरह से हरियाणा के अन्दर खून खराबे करवाते रहे। सरकार कोई भी हो, कोई सरकार यह नहीं चाहती कि हम उप-चुनाव हारें। चुनाव जीतने के लिए हर तरह के हथकण्डे अपनाए जाते हैं कुलदीप बिश्नोई जो यहां सदन में नहीं बैठे हैं। आप अपनी छाती पर हाथ रखकर कहें कि आपको उस उप-चुनाव में हमारी सरकार की कोई बदनियती नजर आई। हम वह चुनाव इसलिए हारे क्योंकि लोगों को हमसे जो उम्मीदें थी वह इतने थोड़े से समय में पूरी नहीं हो सकती थी, इसलिए लोगों की हमसे नाराजगी थी। अगर हम आपके उसूलों पर चलते तो इनका चुनाव जीतना तो दूर ये यहां नजर ही न आते। प्रजातंत्र की बातों को मानते हुए जो कायदे-कानून की बात थी, वह मैंने कही। शराबबन्दी लगभग 1-1$^1/_2$ साल रही, शराबबन्दी करके हमने कोई गुनाह नहीं किया। हमारे नेता की एक सोच थी कि समाज के अन्दर शराब का चलन एक बहुत बड़ी कुरीति है उसको रोकने के लिए शराबबन्दी लागू की जाए। विपक्षी भाईयों ने भी शराबबन्दी लागू करते समय हर तरह का समर्थन देने का वायदा किया था। अध्यक्ष महोदय, जब विपक्ष के माननीय सदस्यों की तरफ से यह बात आई कि सत्ताधारी पार्टी के लोग प्रान्त में शराब बिकवाते हैं तो हमने उस समय इनको खुले तौर पर इस बात की इजाजत दी थी कि विपक्ष का कोई भी साथी हमारे किसी भी अधिकारी को अपने साथ ले जा कर कहीं पर भी छापा डलवा सकता है और जो भी कोई आदमी शराब बेचने में संलिप्त पाया जाए उसको पकड़वा सकता है लेकिन पिछले एक डेढ़ साल के अर्से में विपक्ष के किसी भी माननीय सदस्य ने या विपक्षी पार्टीज के किसी भी आदमी ने हमारे किसी भी अधिकारी को यह जा कर नहीं कहा कि चलिए आप हमारे साथ हम शराब बेचने वाले आदमी को पकड़वाते हैं। इन्होंने शराबबंदी में हमें कोई योगदान नहीं दिया। इन्होंने किसी भी गांव में जा कर शराबबंदी की सराहना नहीं की और कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि यह बहुत अच्छा काम है। कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि यह एक राजनीतिक काम नहीं है यह एक सामाजिक काम है। कहीं पर भी इन्होंने यह नहीं कहा कि शराब बंदी लागू होने से देश और प्रदेश का भला होगा। इन्होंने कभी भी इस शराब बंदी का समर्थन नहीं किया। (शोर) अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे विपक्ष के भाई किस प्रकार से अपने शासनकाल में हरियाणा प्रदेश के अन्दर अपने लोगों को, अपने कार्यकर्त्ताओं को, अपने रिश्तेदारों को व चहेतों को नौकरियां दिया करते थे। पिछले शासन काल में किस तरीके से नौकरियों को लुटाया गया व बांटा गया, सबको पता है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी पार्टी के कार्यकर्ता हमसे नाराज हैं, क्यों हैं, वह मैं बताना चाहता हूं। हम पिछली सरकार की तरह काम नहीं कर रहे हैं। उनकी तरह नौकरियां नहीं बांट रहे हैं इसलिए वे हमसे नाराज हैं। यही कारण है कि हम पिछले दो उप-चुनाव हारे हैं। हम प्रजातंत्र में विश्वास रखते हैं और कायदे कानून की बात को लेकर चलते हैं। पिछली सरकारों ने गलत रवायात कायम कर दिए थे। कल एक प्रश्न के उत्तर में चौधरी सम्पत सिंह जी ने माईनर इरीगेशन ट्यूबैल्ज के बारे में बात कही थी। मैं बताना चाहता हूं कि पिछली सरकारों के समय में किस तरीके से बिजली बोर्ड, दूसरे बोर्ड या कार्पोरेशनों में भरती होती थी सभी को पता है। अध्यक्ष महोदय जब हम हल्कों में जाते हैं तो हमारे कार्यकर्ता हमारे मंत्रियों के सामने रास्ते में खड़े हो जाते हैं वे कहते हैं कि पिछले राज में जब मंत्री निकलते थे वे जेब में एप्वायंटमेंट

लैटर लेकर रखते थे। वे ऐसे लैटर अपने घरों में रखते थे और दफ्तरों में रखा करते थे। जब भी उनके कार्यकर्ता उनके पास जाते थे तो वे उनको जेब से निकाल कर एप्वायंटमेंट लैटर दे देते थे। वे कहते हैं कि तुम्हारी सरकार को क्या हो गया ? मेरा कहना यही है कि सच्चाई और नेक ईमानदारी से चलने के कारण हम ये दोनों उपचुनाव पिछले डेढ़ साल में हारे हैं और कोई मुख्यमंत्री होता तो नौकरियों पर पाबन्दी नहीं लगती। हमारे विपक्षी पार्टियों की सरकार होती तो वे न केवल सैंक्शन पोस्टों को भरते बल्कि उससे भी अधिक की भर्ती करते। इनमें वे अपने कार्यकर्ताओं चहेतों, रिश्तेदारों को नौकरियों पर रखते। हमने इस प्रदेश के लिए, आने वाली पीढ़ी के लिए एक नई मिसाल कायम करने की कोशिश की है। लेकिन ये लोग हमारे पैर टिकने नहीं दे रहे। चाहे विधान सभा हो या जनसभा हो इन्होंने कभी हमारे काम को सराहा नहीं। मैं बताना चाहूंगा कि आज हरियाणा में जो हमारे बैकवर्ड क्लासिज और शिड्यूल्ड कास्टस के भाई हैं, प्रदेश में हमने उनका जितना कोटा था उसके हिसाब से उन को नौकरियां दी हैं। चाहे पुलिस की भर्ती हो, चाहे किसी बोर्ड या कार्पोरेशन हो या कोई विभाग हो हमने उनका बैकलाग पूरा किया है। उनको पहले रखकर फिर बाद में जनरल कैटेगरी से लोगों को लिया गया है। पिछले शासनकाल में इन लोगों की पोस्टों को भरा नहीं गया था। हमने यह साफ शब्दों में कहा है कि जो भी नौकरियों में भर्ती होगी वह सही होगी। हमारे विपक्ष के भाई भी मानेंगे हमारे पुलिस अधीक्षकों ने कहा कि इस पुलिस भर्ती के समय में जो कद में ऊंचा होगा, लम्बा होगा, अच्छी छाती व सेहत होगी उसको भर्ती किया जायेगा। जो भी भर्ती होगी वह लियाकत के आधार पर होगी। हमारी दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं को पता है कि पुलिस भर्ती की प्रक्रिया शुरु होने पर एस०पीज० ने जैसा मैंने पहले कहा कि जो लम्बा चौड़ा अच्छा कद जिसका होगा व नम्बर जिसके होंगे उसको लेंगे इसलिए हमारी पार्टी के कार्यकर्ता हमारे से नाराज हैं कि हमारी तरफ से किसी को कोई फोन नहीं किया गया कि फलां फलां को ले लो। इस समय बीरेन्द्र सिंह जी बैठे नहीं हैं। यह सही बात है कि जब कोई अच्छी व्यवस्था कायम की जाती है तो लोगों में पार्टी के अपने कार्यकर्ताओं में, इस प्रकार का गुस्सा हुआ करता है। पिछली सरकारों में पुलिस की भर्ती इस प्रकार होती थी कि जेब में फीता रखा जाता था। भर्ती होने वाले को दीवार के साथ खड़ा कर दिया जाता और उसका कद नापा जाता था तो उस वक्त यदि उसका कद एक आध इंच कम होता था तो उसको कह दिया जाता था कि कोई बात नहीं भर्ती हो जायेगी। इस तरह से ये भर्ती करते थे। अध्यक्ष महोदय, आज कोई हमारी खिलाफत या मुखालफत करे अलग बात है लेकिन हमारी सरकार सही काम कर रही है। हमारी सरकार कायदे कानून के अनुसार काम कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं ईमानदारी से बताता हूं कि हमारे फरीदाबाद जिले में पुलिस भर्ती में कोई पैसा नहीं लिया जा रहा। अभी चन्द्र भाटिया जी ने बोलते हुए कहा था कि फरीदाबाद में डेढ़ डेढ़ लाख रुपये लेकर भर्ती हो रही है। यह बिल्कुल गलत बात है। हमारे यहां से किसी को कोई फोन तक नहीं गया है। अध्यक्ष महोदय, नौकरियां देने के मामले में हमारी कोई मंशा खराब नहीं है। जैसे पहले भर्ती हुआ करती थी वैसी भर्ती हम नहीं कर रहे हैं। पहले मैरिट के आधार पर भर्ती नहीं होती थी। पहले नौकरियां विपक्ष के जो भाई सरकार में थे उनके पार्टी कार्यकर्ताओं व उनके रिश्तेदारों को ही मिलती थी। पिछली सरकार के समय जब हम अपने हल्कों में जाते थे तो हमारे कार्यकर्ता हमें कहते थे कि फलां आदमी के लड़के, फलां आदमी के भाई और फलां आदमी के बेटे को नौकरी मिल गई लेकिन हमने आपके कपड़े उठाये, डंडे खाये, जूते उठाये, हमने आपके आगे पीछे चक्कर काटे, भूखे-प्यासे रहे फिर भी हमें नौकरी नहीं मिली। अध्यक्ष महोदय, उस बात का हमारे पास कोई जवाब नहीं होता था। एक बात मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर ये लोग सत्ता में होते तो इन कायदे कानूनों की इनकी नजरों में कोई कद्र नहीं होती। अध्यक्ष महोदय, इस हरियाणा प्रदेश के अंदर पहले जो कुछ होता रहा है उसके कारण प्रदेश की व्यवस्था खराब हुई है। जो व्यवस्था आज बिगड़ी हुई है उसका

[श्री कर्ण सिंह दलाल]
सबसे बड़ा कारण यह है कि पिछले इनके कारनामों को देखते हुए प्रदेश का नौजवान इस व्यवस्था के अंदर विश्वास खो बैठा है। इस प्रदेश के नौजवान पढ़ना लिखना नहीं चाहते हैं क्योंकि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि नौकरी राजनीतिक सिफारिशों पर मिलती है। (विघ्न)

श्री रमेश कुमार : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : रमेश कुमार जी, आप पढ़े लिखे आदमी हैं आपको प्वायंट आफ आर्डर के बारे में रूल्ज पढ़कर आना चाहिए था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे अनुरोध करना चाहता हूं कि हम भी विपक्ष में विधायक रहे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज के हमारे मंत्री, विधायक और हमारे कार्यकर्ता इस बात से भी बहुत खफा हैं कि क्यों न हम अपने-अपने वोट चढ़ाने के लिए विकास के कार्य पिछले मुख्य मंत्रियों की तरह, पिछली सरकारों की तरह से करें। अध्यक्ष महोदय, हमारे कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और विधायकों की नाराजगी का कारण और पार्टी की छवि लोगों में बिगड़ने का कारण यही है कि हम तमाम कार्य समानता के आधार पर करते हैं और सब को एक साथ लेकर चलते हैं। आज अगर बाढ़ की स्थिति को सुधारने का काम किया गया है तो वह इस तरह से नहीं किया गया कि अगर भिवानी या फरीदाबाद जिलों के 6 विधायक हमारी पार्टी के हैं तो वहां का काम कर दिया हो या इसी तरह से रोहतक का काम कर दिया हो या कैथल जिले का काम कर दिया हो या जींद जिले का काम कर दिया हो, ऐसा नहीं है। हमने विधायकों के हल्कों में बराबर काम किए हैं। हमारी सरकार ने तमाम हरियाणा प्रदेश के अंदर 20 साल के बाद नालों को खोदने का काम किया है। हरियाणा प्रदेश के लोग इस बात को भूल ही गये थे कि कभी इन नालों की खुदाई भी होगी। अध्यक्ष महोदय, आज खेतों के छोर तक पानी पहुंच रहा है। विपक्ष के भाईयों ने हमारे ऊपर आरोप लगाया है कि नहर की टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए हम जिम्मेवार नहीं हैं। हमारे विपक्ष के भाईयों ने अपने समय में क्यों नहीं देखा, क्यों इन्होंने ऐसी सरकारें बनाई, जिनका पिछले 20 साल से नहरों पर जाने का कोई काम नहीं था। इनकी सरकार के समय से प्रदेश की एक-एक नहर के अंदर गाद भरी हुई है, उसी के आधार पर ये लोग अपनी राजनैतिक रोटियां सेकते हैं। अध्यक्ष महोदय, किसी मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं पंचकुला को पैरिस बना दूंगा, किसी ने कह दिया मैं मेहम को पैरिस बना दूंगा और किसी ने कह दिया मैं अपने चुनाव क्षेत्र को वहां ले जाऊंगा। अध्यक्ष महोदय, यह लोगों के साथ बेईमानी है। आज हमारे हलोदरा के विपक्ष के भाई यहां बैठे हुए हैं इनकी अपनी पार्टी के एक वरिष्ठ युवा नेता ने पिछले चुनावों के दौरान भिवानी के बारे में यह स्टेटमेंट दी कि भिवानी के अंदर विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। क्या इसका कारण यह नहीं था कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने अपने भिवानी को छोड़ करके पूरे हरियाणा प्रदेश का विकास करना चाहा। उन्होंने कहा अगर मैं अकेला भिवानी का विकास करूंगा तो अपने आप से और अपनी जनता के साथ बेईमानी करूंगा। अध्यक्ष महोदय, सच्चाई पर चलने की सजायें मिलती हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह मान सकता हूं कि हमारे अंदर भी थोड़ी बहुत कमियां हो सकती हैं, हमारी पार्टी और हमारे कार्यकर्ताओं में थोड़ी बहुत कमियां हो सकती हैं लेकिन हमारे मन में कोई कमी नहीं है। हमारा मन बिल्कुल साफ है। अध्यक्ष महोदय, आज बिजली के बारे में हमारे विपक्षी भाईयों ने हम पर आरोप लगाये कि बिजली नहीं आती है, बिजली की बड़ी कमी है। अध्यक्ष महोदय, मैं मानता हूं कि आज हरियाणा के अंदर बिजली की बहुत कमी है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, चौ० सम्पत सिंह जी सदन में बैठे हैं, बहुत वरिष्ठ नेता हैं ये ईमानदारी से बतायें कि क्या इस बिजली की कमी के लिए केवल हम ही कसूरवार हैं। तब ये लोग कहां गये थे जब इनकी सरकार हुआ करती थी (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इन

लोगों ने हरियाणा प्रदेश के लिए उस समय बिजली का उत्पादन क्यों नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, पिछले दस साल हरियाणा के आने वाले भविष्य के लिए बहुत खतरनाक रहे हैं। हमें पता नहीं है कि हरियाणा प्रदेश को सुधारने में और हरियाणा की बिजली की व्यवस्था को ठीक करने में कितने साल लगेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारे विपक्ष के भाई भी यह मानते हैं कि सरकार ठीक कार्य कर रही है। चाहे फरीदाबाद में गैस पर आधारित बिजली बनाने का यूनिट है, चाहे यमुनानगर के तापधर में बिजली बनाने की बात है और चाहे हिसार में बिजली का उत्पादन करने की बात है। अध्यक्ष महोदय, हम इस पर ईमानदारी से काम कर रहे हैं और दिन रात इसमें लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारी सोच यह है कि चाहे साल डेढ़ साल और लग जाए लेकिन बिजली के मामले में हम हरियाणा को इतना खड़ा करने वाले हैं कि आने वाले 20-25 वर्षों तक बिजली के मामले में कोई दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, ये गांवों की बात करते हैं कि बिजली नहीं आती, शहरों के बारे में कहते हैं कि बिजली नहीं आती पीने का पानी नहीं मिलता, इस का कारण भी मैं आपको बता देता हूं। पिछले दिनों हमें आदमपुर हल्के में जाने का मौका मिला। भाई चन्द्र मोहन जी इस समय बैठे हुए नहीं हैं। आदमपुर हल्के के जिस किसी भी गांव में जाएं कोई भी ऐसा गांव नहीं था जहां के रास्ते एक-दूसरे गांव से पक्की सड़कों से न मिले हुए हों, कोई भी गांव ऐसा नहीं है जिसकी कच्ची गली हो, कोई ऐसा महकमा नहीं है जिसका दफ्तर वहां पर न खुला हुआ हो। चौधरी सम्पत सिंह जी, क्या यह जनता के लोगों के साथ ईमानदारी है कि जो व्यक्ति मुख्य मन्त्री बने, इतने साथियों को साथ लेकर इस प्रदेश पर राज करे और वह भला केवल अपने क्षेत्र के लोगों का करे बाकी के दूसरे लोग कहीं भी जाएं। अध्यक्ष महोदय, आज इस हरियाणा के अन्दर चाहे हमारी सरकार है और आने वाले समय में चाहे हमारी सरकार बने चाहे सरकार किसी और की बने लेकिन हरेक मुख्य मन्त्री की यही सोच होनी चाहिए कि पूरे प्रदेश का बराबर विकास करना है। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व वाली सरकार आज प्रदेश में पूरी ईमानदारी के साथ काम कर रही है और विकास के मामले में प्रदेश के किसी भी हिस्से के साथ कोई भेदभाव नहीं बरता जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, नौजवानों को काम पर लगाने का मामला हो या दूसरे मामले हों कोई भेदभाव की बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, छात्र चुनावों के बारे में तो आपको पता ही है कि देवेन्द्र कोच हमारी पार्टी का बहुत अच्छा कार्यकर्ता था और युवा नेता था। (विघ्न) मैं अपने उस भाई को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर उसकी भी हत्या हुई है तो उसका मुख्य कारण यह हो सकता है कि पिछली राज्य सरकारों की जो व्यवस्था थी या जो हालात उन लोगों ने बना रखे थे वे ऐसे थे जिससे कि वोटों पर उनका अधिकार बना रहे और वोट उनकी पकड़ में रहें। अध्यक्ष महोदय, जहां राजनीतिक पार्टियां यह कोशिश करती हैं कि आज उनकी सरकार है इसलिए विश्वविद्यालयों में राजनीति करें और भविष्य में पार्टी की पकड़ छात्रों पर मजबूत करने के लिए राजनीतिक पार्टियां कोशिश करें तो ऐसे हालात उत्पन्न होंगे ही। अध्यक्ष महोदय, उसूलों पर चलते हुए हमारी सरकार बहुत बड़ी कुर्बानी दे रही है (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस प्रदेश के अन्दर सत्तारूढ़ लोगों ने अपने समय में अपने परिवार के लोगों के लिए या अपने रिश्तेदारों के लिए क्या किया वह बताने की बात नहीं है। मैं अपनी सरकार के बारे में बता सकता हूं कि हिसार के अन्दर वर्तमान मुख्य मंत्री जी की सगी बेटी के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज हुआ और उसे गिरफ्तार किया गया। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के अन्दर क्या आज तक ऐसा कोई मुख्य मन्त्री हुआ है या भविष्य में होगा कि उसकी बेटी के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज हो और उसे गिरफ्तार किया जाए। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, जितनी पारदर्शिता से हमने इस प्रदेश के अन्दर काम किये हैं और प्रदेश को आगे बढ़ाने की कोशिश की है वह अपने आप में एक मिसाल है। आज हरियाणा प्रदेश के अन्दर अधिकारी और दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं की नाराजगी की बात थी वह इसी कारण थी कि इस सरकार के काम करने के

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

तौर तरीके पिछली सरकारों जैसे नहीं थे। पिछले कई सालों से वे इस सिस्टम के आदी हो गए हैं इसलिए नये सिस्टम से काम करने में थोड़ा वक्त तो लगेगा ही क्योंकि पुरानी सरकारों के काम करने का तरीका कुछ और था। हमारी सरकार को अपने कामों को अपने तरीके से करवाने में चाहे साल डेढ़ साल का समय ज्यादा लग जाए लेकिन चाहे सड़कों का मामला है, चाहे दूसरे मामले हैं इनमें जो दिक्कतें आ रही हैं हम उनको दूर करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि जितने भी सदस्यों ने सवाल उठाए हैं मैं इस बात का आश्वासन देता हूं कि उन सभी सवालों को हल किया जाएगा लेकिन थोड़ा समय जरूर लग सकता है। हमारी जो नई योजनाएं हैं चाहे वह सड़कों का मसला है, बिजली की समस्या है, पीने के पानी की समस्या है, नहरों के पानी की समस्या या बाढ़ की समस्या है, चाहे छात्रों की समस्या है उनके भविष्य की समस्या है, वे इन समस्याओं का ठीक तरह से समाधान करने में सक्षम होंगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं कि खेतों में पानी पहुंचाने के लिए पिछली सरकार का कोई ध्यान नहीं था लेकिन इस सरकार के आने के बाद आज 20 साल के बाद मेरे हल्के में जो नाले मिट्टी से भरे हुए थे उनमें पानी नहीं पहुचता था वहां पर नहरों से पानी पहुंच रहा है। जो लोग भूख से मरने के कगार पर पहुंच गए थे उनको अपने बच्चों का भविष्य नजर आने लगा है। अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के भाईयों से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे यहां पर कटाक्ष और इस सरकार का विरोध करने की बजाए हमारे पास आएं। अगर आपकी कोई अच्छी बात है कोई अच्छी स्कीम है वह हमारे साथ मिटिंग कर के हमें बताएं। हम सब मिलकर उस पर विचार करेंगे। अगर ये ऐसा करते हैं तो हम इनकी अच्छी बातों को पूरा करने पर विचार कर सकेंगे। इसके साथ ही मैं वित्तमंत्री जी का इतना अच्छा बजट लाने के लिए धन्यबाद करता हूं तथा इसको सर्वसम्मति से पास किया जाए। जय-हिन्द।

श्री बलबीर सिंह (मेहम) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझ जैसे नए मैम्बर को बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने ऐसा किया यह आपका बड़प्पन है। अध्यक्ष महोदय, यह जो बजट वित्तमंत्री जी ने पेश किया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह बजट किसानों, व्यापारियों और शिक्षा के हित में नहीं है। इसमें किसी भी वर्ग के लिए कोई रियायत नहीं दी गई है। इस बजट से तो आम लोगों को भी कोई रियायत नहीं मिली है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैंने सुबह भी आपके माध्यम से मंत्री जी को कहा था कि लाखन माजरा ड्रेन अधूरी पड़ी हुई है। हमारे रोहतक जिले में प्रिवैंसिज़ कमेटी के चेयरमैन भाई कर्ण सिंह दलाल हैं। वहां पर भी इस बारे में जिक्र होता है। अध्यक्ष महोदय, आज सुबह मंत्री जी ने कहा कि विपक्ष के भाई उस ड्रेन को नहीं खुदवाने देते हैं। यह इल्जाम इन्होंने सीधा हमारे ऊपर लगाया था। अध्यक्ष महोदय, जब कृषि मंत्री जी रोहतक में प्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग ले रहे थे तो उसमें मैंने इनसे कहा था कि मंत्री जी आप हमें टाईम दे दें यह 4-5 गांवों का मामला है। हम उन गांवों के सभी लोगों को उस समय इक्ट्ठा कर लेंगे और इस विषय में बैठकर बातचीत कर लेंगे। लेकिन मंत्री जी ने हमें टाईम नहीं दिया है। अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० का एक पी०के० चौधरी है उसने उस ड्रेन के काम को रुकवा रखा है। वह उससे राजनैतिक फायदा उठाना चाहता था। यह जो लाखन माजरा ड्रेन है उसमें पानी की खाले यूं की यूं ही पड़ी हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो साईफन और पुलिया बनानी थी वह नहीं बना रहे हैं। उनके न बनने से बहुत ही (कठिनाईयों) का सामना वहां के लोगों को करना पड़ रहा है। अगर जमींदारों के खेतों में पानी नहीं जाएगा और वे अपने खेतों तक नहीं पहुंच पाएंगे तो इससे उनको और ज्यादा कठिनाई हो सकती है। मंत्री जी उस ड्रेन को बनवाने का कष्ट करें। हमारे मेहम हल्के में चार गांव

निदाणा, भैनी चन्द्रपाल, गिरावड़, मोखारा खेड़ी में अभी तक भी चकबंदी नहीं हुई है। मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वह इन गांवों में चकबंदी करवाए। इनमें से कुछ गांवों में तो आधे गांव में चकबंदी हो रही है और आधे में नहीं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी भी दो साल पहले कहा करते थे कि हर एक टेल पर पानी पहुंचाएंगे परन्तु हमारे हल्के में तकरीबन 6-7 टेल्ज ऐसी हैं जहां पर अभी तक भी पानी नहीं पहुंच पाया है। अध्यक्ष महोदय, एक नहर तो आपके हल्के की तरफ ही जा रही है उसमें हमारे हल्के में कोई मोगा नहीं है। वैसे दो या तीन नहरों में तो आपकी सरकार बनने के बाद पानी आया है लेकिन तीन चार नहरों की टेल्ज पर बिल्कुल पानी नहीं पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, एक बरसोला माईनर है उसकी टेल पर तो लाठर साहब की मेहरबानी की वजह से पानी नहीं पहुंच रहा है। जब ये चेयरमैन थे तब भी वहां पानी नहीं आने देते थे और अब मंत्री हैं तब भी ये पानी नहीं आने देते हैं। सारे अधिकारी यानी एस०डी०ओ०, जे०ई०, एस०ई० या दूसरे बड़े अधिकारी इनकी ही बात मानते हैं। जो नहरों के मौगे हैं उनमें भी पानी नहीं आता है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की जनता ने हम 90 आदमियों को यहां पर चुनकर भेजा है और इससे बड़ी हरियाणा की कोई पंचायत भी नहीं है। इन 90 आदमियों में से मैं भी हूं। यहां पर अगर कोई जायज बात भी कही जाए तो उसको भी यहां पर पक्षपात की बात कहते हैं। सरकार चाहे कोई काम करें या न करें लेकिन हमेशा उसके खिलाफ ही बोला जाता है। यह बहुत ही शर्म की बात है। जो लोग यहां पर हमको देख रहे हैं वह क्या सोचते होंगे। इसी तरह से बड़े-बड़े अधिकारी भी हमारे बारे में क्या सोचते होंगे कि जो ये लोग चुनकर आए हैं वे कितने बड़े आदमी हैं, मंत्री हैं लेकिन ये आपस में ही कैसी कैसी बातें करते हैं। मेरे से यहां पर सभी बूजुर्ग हैं इसलिए मेरी सभी से प्रार्थना है कि कम से कम हम सभी को तरीके से तो बातें करनी चाहिएं। यहां पर बहुत ही गलत शब्द बोले जाते हैं। इसको देखकर यहां पर देखने वाले नौजवान साथी क्या महसूस करते होंगे। अध्यक्ष महोदय, सरकार की भी कोई कमी हो सकती है, मंत्री की भी कोई कमी हो सकती है और अधिकारी की भी कोई कमी हो सकती है। लेकिन हम उन कमियों की गहराई तक नहीं पहुंच पाते हैं। हम तो आपस में ही बहस में लगे रहते हैं जबकि हमें उन कमियों की गहराई तक पहुंचना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पी०डब्ल्यू०डी० मिनिस्टर यहां बैठे हुए नहीं हैं।लेकिन मेरे पास पी०डब्ल्यू०डी० से संबंधित दो डाकुमैंट्स हैं। मंत्री जी हमें बता दें कि उनमें इनका भी हिस्सा है या नहीं ? अध्यक्ष महोदय, यह एक 17.00 बजे परम्परा पड़ रही है कि जे०ई०, एस०डी०ओ०, ऐक्सीयन, एस०ई० और चीफ इंजीनियर और एक आध मिनिस्टर का भी नाम आया है सभी का नाम तो आया नहीं है। चाहे कोई भी काम हो, किसी भी महकमे का काम हो उसमें यह देखा गया है कि जे०ई०, एस०डी०ओ०, ऐक्सीयन, एस०ई० और चीफ इंजीनियर 15-16 परसैंट तक पैसा ठेकेदार से लेना अपना हक समझते हैं यदि 15-16 परसैंट पैसा ठेकेदार से अधिकारी ले लें तो ठेकेदार भी अपने बच्चों को रोटी खिलाने की सोचेगा तो आप सोचें कि क्या कोई ठेकेदार किसी काम को ठीक करेगा ? इस प्रकार से यह सिस्टम ऐसा हो गया है कि इसमें कोई भी काम अच्छा नहीं हो पाएगा। अगर ठेकेदारों से इस तरह से परसैंटेज ली जाएगी तो वे सब-स्टैंडर्ड मैटीरियल लगाएंगे जिसके कारण बिल्डिंग, माइनर, पुली या खाल जिसकी समय सीमा या आयु 20 साल आप लगा लें तो वह 3-4 साल में ही कंडम हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी इलैक्शन से पहले कहा करते थे कि मैं बड़ा स्ट्रौंग आदमी हूं और किसी भी अधिकारी को कोई पैसा नहीं लेने दूंगा लेकिन इसमें चीफ इंजीनियर, इंजीनियर इन चीफ पी०डब्लू०डी० बी० एण्ड आर० *** एस०ई०***ऐक्सीयन, * * * एस०डी०ओ०, * * * जे०ई० सभी शामिल हैं। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है।

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : यह जो बलबीर सिंह जी ने नाम और डैजिग्नेशन बोले हैं इनमें से नाम रिकार्ड न किये जाएं।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जगाधरी रोड पर एन०जी० प्लांट के नाम से एक फैक्ट्री लगी हुई हैं उसमें * * * * का हिस्सा है यह बजरी और तारकोल का प्लांट है उसमें 6 करोड़ का काम दिया तो एस०ई० ने कहा कि 30 परसैंट मैं लूंगा और 30 परसैंट ठेकेदार ने ओट लिया। अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ठेकेदार के बयान और ऐफीडेविट मेरे पास है।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, जो ऑनरेबल मैम्बर बोल रहे हैं उससे ऐसा जाहिर होता है कि किसी आदमी ने इनको पोस्ट किया है और इनको बेचारे को तो पता नहीं कि हाउस के अंदर किसी पर इस तरह से इल्जाम नहीं लगाते हैं। ये तरीका ठीक नहीं है और मैम्बर भी बोलते हैं लेकिन डिपार्टमैंट के बारे में कहते हैं, सिस्टम के बारे में कहते हैं सोच समझकर कहते हैं परसैन्टेज बताकर कहते हैं आंकड़े देकर कहते हैं लेकिन यह गली में मदारी की तरह खड़े होकर बताना ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष : बलबीर सिंह जी ने जो नाम लिया है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, गृहमंत्री श्री मनीराम गोदारा जी हमारे बुजुर्ग हैं हमारे बाप के समान है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि मैं किसी का सिखाया हुआ यह सब बातें नहीं बोल रहा हूं। सवा लाख लोगों ने चुनकर मुझे इस सदन में भेजा है। जो बात सच है उसके लिए मैं एफीडेविट दे रहा हूं। मैं लोगों के हक की बात और जनता की भलाई की बात कह रहा हूं। जो सड़कें या पुल तीन साल में नहीं टूटनी चाहिये वे छः महीने में टूट जाती हैं। यह रिकार्ड मेरे पास है मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। (घण्टी)

Mr. Speaker : Please take your seat. (Noise & Interruptions).

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, 19-6-98 को मुख्यमंत्री जी के पास एक फैक्स आया उसमें यह बताया गया था कि इस जगह पर गड़बड़ हो रही है परन्तु उसके बावजूद भी उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। अध्यक्ष महोदय, एक इंक्वायरी हुई थी उसमें एक्सीयन श्री एस०के० सिंगल . (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने हल्के की बात कहूंगा। मैं एफीडेविट दे रहा हूं। (विघ्न)

गृहमंत्री (श्री मनीराम गोदारा) : अध्यक्ष महोदय, अगर एफीडेविट देना है तो डिपार्टमैंट को देना चाहिये। ऐसे हाउस में किसी आदमी की पगड़ी उछालना अच्छी बात नहीं है, यह कोई तरीका नहीं है।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी की अपने बाप की तरह इज्जत करता हूं परन्तु मंत्री जी ऐसे मुझे धमकायें नहीं, अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के बल्लभा गांव में चार-पांच साल पहले से ही पी०एच०सी० की बिल्डिंग तैयार है। मंत्री जी यहां बैठे हुये हैं मेरी उनसे रिकवैस्ट है कि उस पी०एच०सी० को चालू किया जाये। दूसरी बात भैरोभैणी गांव में स्कूल की बिल्डिंग गांव वालों ने बनाकर तैयार कर दी है मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि उस स्कूल को अपग्रेड किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रार्थना है कि अगर मुझ से कोई गलत शब्द निकल गये हों तो मैं उनके लिए माफी चाहूंगा। धन्यवाद, आपने मुझे जो बोलने के लिए समय दिया।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी) : स्पीकर सर, आपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। हमारे वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट पेश किया है वह बड़ा ही सराहनीय बजट है क्योंकि इस बजट में कोई नये टैक्स नहीं लगाये गए हैं। यह हरियाणा के किसानों का भलाई के लिए और हर आदमी के लिए भलाई का बजट पेश किया गया है। स्पीकर सर, अपोजीशन के साथी प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की बात करते हैं कि आज प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत खराब है। लीडर ऑफ अपोजीशन ने कहा कि चुनाव में जनता ने सरकार को धूल चटा दी। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि पार्लियामैंट के चुनाव और असैम्बली के चुनाव हुये तो धूल किस पार्टी ने चटाई क्योंकि जहां भी लीडर ऑफ दि अपोजीशन के पैरों के निशान पड़े वहीं पर भिवानी और रोहतक में इनका उम्मीदवार जीत नहीं पाया। इनके उम्मीदवार का बंटाधार हो गया। अब आप ही देख सकते हैं कि धूल किसने किसको चटाई है। सम्पत सिंह जी किस्मत वाले हैं कि फतेहाबाद की सीट को निकाल लाये क्योंकि वहां पर लीडर ऑफ दि अपोजीशन को जाने का समय ही नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी पक्ष के भाई कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल जी के राज में पार्लियामैंट के चुनाव हुए, ये यह बता दें कि क्या उन चुनावों पर कोई गलत हरकत हुई थी। लेकिन इनके राज में तीन बार चुनाव हुए और उन चुनावों में जो कुछ हुआ वह सभी को मालूम है। इसके बावजूद भी ये कानून और व्यवस्था की बात करते हैं। चौधरी बंसी लाल के समय में हुए चुनावों में एक चींटी की भी आवाज नहीं आने पाई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1987 के चुनावों में भिवानी में कुछ स्थानों पर रिपोलिंग हुई थी। अध्यक्ष महोदय, 1987 के चुनावों में ही वास्तव में कानून और व्यवस्था की समस्या हो गई थी। उस समय बदमाशों ने वहां वोटों को जलाया था। आज ये कहते हैं कि प्रदेश के अंदर कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब है। उस समय मैं तो एक छोटा सा मुलाजिम था। इन्होंने हमारे जितने भी आदमी थे, जितने भी हमारे वर्कर्ज थे, उन को थानों में बंद करवा दिया था। आज ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति प्रदेश के अंदर खराब है। इन्होंने वहां पर जाली वोट्स भी डलवाए। आज ये प्रजातंत्र का बड़ा ढिंढोरा पीटते हैं। उस वक्त के चुनावों में मेरा लड़का कांउटिंग एजैंट था। इन्होंने उस पर झूठा केस बनवाया। श्री ओम प्रकाश धौटाला का एक वर्कर है, कहते हैं कि उस ने मेरे लड़के के खिलाफ एफिडैविट दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी संपत सिंह जी को कहना चाहता हूं क्योंकि ये एक सफल लीडर माने जाते हैं, ये बाकायदा इन्क्वायरी करा लें और अगर मेरे लड़के का कानून और व्यवस्था बिगाड़ने में जरा सा भी हाथ पाया गया तो मैं हाऊस से इस्तीफा दे दूंगा। हम झूठ के आधार पर कोई राजनीति नहीं करते हैं। मैं पूछता हूं कि कौन कानून और व्यवस्था को बिगाड़ता है ? चौधरी बंसी लाल की सरकार किसी को नाजायज तंग नहीं करती है। यह बिल्कुल शांतिप्रिय सरकार है। मैं इन को खुले तौर पर चेलेंज करता हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये कहते हैं कि कानून और व्यवस्था की स्थिति हरियाणा में खराब है लेकिन आपको शायद पता नहीं होगा कि इन्होंने 1989 में भिवानी में क्या किया था ? उस समय वहां पर किस ने खराब किया कानून और व्यवस्था की स्थिति को ? किस ने ग्रीन ब्रिगेड बनाई ? किस ने लोगों को गलत आदतें सिखाईं ? अध्यक्ष महोदय, आप खुद भिवानी जिले के रहने वाले हैं। इसलिए आप इनके कारनामों को जानते हैं। इन की सरकार के समय में कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत खराब होती थी। इन के समय में एक आई०जी० जो बेचारा भगवान् को पसंद आ गया, वह अब हमारे बीच में नहीं है, को चंडीगढ़ से वहां पर भेजा गया था और उससे वहां पर गोलियां चलवाई गईं। मैं कहता हूं कि अगर कोई अच्छी बात करता है या अच्छा काम करता है तो क्या उस को अच्छा कहते हुए शर्म आती है ? हरियाणा की समस्त जनता जानती है कि चौधरी बंसी लाल जी एक ऐसे महान् नेता हैं जो सुबह से लेकर शाम तक हरियाणा प्रदेश की जनता की भलाई की बात

[श्री सतपाल सांगवान]

ही सोचते हैं। उन्होंने बिजली के सुधार के लिए बहुत अच्छा सिस्टम बनाया है। हम पॉवर जनरेशन का अलग सिस्टम, डिस्ट्रीब्यूशन का अलग सिस्टम और ट्रांसमिशन का अलग सिस्टम इंट्रोड्यूस करने जा रहे हैं। लेकिन इन को इस बारे में पता ही नहीं है। कल एक महाशय न्यूक्लीयर बम्ब की बात कर रहे थे। न्यूक्लीयर बम्ब के बारे में तो मैं भी नहीं जानता हूं, भला वे कैसे जानते होंगे ? अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल का यह एक बहुत ही बढ़िया प्रयास है कि जब हरियाणा की जनता को किसानों को व कारखानों को 24 घंटे बिजली मिलेगी तब प्रदेश खुशहाल होगा। लेकिन ये किसी का भला नहीं चाहते हैं। इन्होंने तो हर जगह अपनी टांग अड़ानी है। चौधरी बंसी लाल जी बिजली के सुधारीकरण के लिए प्रयासरत हैं और जब पुराने जनरेशन सिस्टम को बदला जाएगा तो प्रदेश को 1263 मैगावाट बिजली फालतू प्राप्त होगी। यह हरियाणा का सौभाग्य होगा। मैं कहना चाहता हूं कि प्रदेश में ट्रांसिशन लाईनें बहुत समय पहले खींची गई थी ? जब तक उन पुरानी लाईनों को नई लाईनों के द्वारा रिप्लेस नहीं किया जाएगा तब तक बिजली में सुधार नहीं हो सकेगा। अध्यक्ष महोदय, आप इन विरोधी पक्ष के भाइयों से पूछें कि क्या इन्होंने अपने समय में कोई ट्रांसमीशन लाईन खींची हो तो ये बता दें। चौधरी बंसीलाल की सरकार द्वारा बंसीलाल जी के अच्छे काम करने इनको पसन्द नहीं आए। बिजली के डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम और ट्रांसमिशन सिस्टम के लिए हमने वर्ल्ड बैंक से लोन लिया। लोन लेना कोई बुरी बात नहीं है। लोन भी साहुकार आदमी को मिलता है, बेईमान आदमी को लोन नहीं मिलता। इस लोन का प्रयोग जनता की भलाई के लिए ही होगा न कि लोगों की प्रापर्टी बढ़ाने के लिए। आपने अपने समय में अरबों की जो-जो प्रापर्टी बना रखी है वह मेरे पास इस कागज में लिखी हुई है। सदन में बैठा हुआ कोई भी सदस्य या अपोजीशन का भाई यह देख सकता है। बिजली के डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम, ट्रांसमिशन सिस्टम और जनरेशन सिस्टम नार्मल हो जाने से लोगों को 24 घण्टे बिजली मिलेगी और किसान फले-फूलेगा। अपोजीशन वाले कहते हैं कि इरीगेशन में कुछ नहीं हुआ। इनके समय में इरीगेशन के बारे में हमें पता है हमारी क्या हालत थी, उस समय हमें पीने का पानी नहीं मिलता था। तालाब खाली पड़े रहते थे। लोहारू वाटर लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम में इन्होंने कभी कोई पम्प हाउस की मरम्मत नहीं करवाई। अगर वे पम्प ठीक होते तो मेरे एरिया में 1995 का फ्लड नहीं आता। इस सरकार के आने के बाद वह पम्प हाउस ठीक हुए हैं जिसके कारण हमारे एरिया के लोगों को 20 साल के बाद खुशी मिली है। लोहारू पूरे हरियाणा का सबसे पिछड़ा हुआ एरिया माना जाता है वहां के लोगों को अब इस सरकार के आने के बाद पीने का पानी मिल रहा है। 1986-87 में बंसीलाल ने जो नई नहरें/नए माइनर्ज बनाने का काम शुरू किया था उसके बाद पिछली सरकारों ने अपने समय में उन माइनर्ज पर जो सड़कें गुजरती हैं उन पर पुल नहीं बनवाए। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद उन नहरों पर पुल बनाए गए हैं आज ये किसानों के मसीहा बनते हैं। इस समय नहरें बनाने के लिए जो लैण्ड एक्वायर हुई थी, उसका किसानों को इन्होंने अपने समय में कोई कम्पनसैशन नहीं दिया। इस सरकार के आने के बाद अब किसानों को कम्पनसैशन मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक पब्लिक हैल्थ की बात है इस बारे में हमारा लोहारू एरिया सबसे इफैक्टिड एरिया है। अध्यक्ष महोदय, 1977 के चुनावों में हमने उस समय की पार्टी को 6 सीटें दी थी और 1987 के चुनावों में उस समय की सरकार को हमने भिवानी की 7 सीटें दी थी। लेकिन पिछली सरकार ने सोचा कि भिवानी तो पाकिस्तान है इसलिए वहां पर पानी देने की क्या जरूरत है। मेरी कंस्टीच्युएंसी, सोमबीर और नरपेन्द्र सिंह की कंस्टीच्युएंसी पानी के मामले में सबसे वैड इफैक्टिड थी। अब मैं घमण्ड के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार आने के बाद अब वहां पर पानी की कोई कम्पलेन्ट नहीं है, इससे ज्यादा हमारी सरकार और क्या कर सकती है। मेरे एरिया लोहारू में जो वाटर लिफ्ट इरीगेशन स्कीम है उसके

साथ सीवेज की समस्या है। आज मुख्यमंत्री ने बताया कि उसके लिए 30 करोड़ रुपए की कोई स्कीम तैयार हो गई है इसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं। यह हमारी कंस्टीच्युएंसी की सबसे मेन समस्या थी, अब इसका समाधान हो जाएगा। मेरी कंस्टीच्युएंसी दादरी जो स्पीकर साहब आपकी भी तहसील है और नरपेन्द्र सिंह जी की भी तहसील है वहां की भारी प्रोब्लम यह है कि वहां पर कोई मिनी सैक्रेटेरिएट नहीं है। इस समय तहसील का कार्यालय एक बहुत पुरानी बिल्डिंग में है। इसलिए अध्यक्ष महोदय मैं मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा क्योंकि जो पुरानी बिल्डिंग महाराजा जींद के टाईम की बनी हुई है वह कोलैप्स हो गई है और पी०डब्ल्यू०डी० विभाग ने उस बिल्डिंग को अनसेफ डिकलेयर कर दिया है उसके बारे में कुछ ध्यान दें। जहां तक हैल्थ की बात है मैं एक बात कहना चाहूंगा कि दादरी में जो होस्पीटल है वह जहाज के हादसे के कारण तबाह हो गया था इसलिए उस होस्पीटल के बारे में दादरी की सारी जनता कहने लग गई कि इस होस्पीटल को दादरी से बाहर स्थापित किया जाए तो बहुत अच्छा होगा। दादरी में जो उधम सिंह जैन होस्पीटल है उसको सरकार ने टेकओवर तो कर लिया है लेकिन वह होस्पीटल चार पांच साल बंद रहने के कारण उसकी मैंटीनैंस करना जरूरी है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार उस होस्पीटल की मैंटीनैंस जरूर कराए। अन्दर वाला होस्पीटल छोटे छोटे बच्चों के लिए कंटीन्यू रहे तो अच्छा है। स्पीकर साहब, हमारे अपोजीशन के माननीय सदस्य गवर्नमैंट एम्पलाइज के बारे में पता नहीं क्या-क्या कहते है। मैं खुद गवर्नमैंट एम्पलाई रहा हूं। मैं ट्रेड यूनियनिस्ट रहा हूं। मैंने 10 साल तक आल इंडिया ट्रेड यूनियन को रीप्रैजैंट किया है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1987 में फोर्थ-पे-कमीशन चौधरी बंसी लाल जी ने दिया था। स्पीकर साहब, 1987 के बाद दो सरकारें रही वह दोनों सरकारें एम्पलाइज को छोटी छोटी 13 पे-अनोमलीज दूर नहीं कर सकी आज जो एम्पलाइज एजीटेशन कर रहे हैं वे उसी बात को ले कर एजीटेशन कर रहे हैं पिछली दोनों सरकारों ने 10 साल तक एम्पलाइज की छोटी छोटी पे-अनोमलीज दूर नहीं की। आज ये एम्पलाइज के बारे में बड़ी बड़ी सेखियां मार रहे हैं। हमारे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने यह वायदा किया था कि फिफ्थ-पे-कमिशन लागू करूंगा और इन्होंने 1-1-96 से फिफ्थ-पे-कमिशन लागू कर दिया। स्पीकर साहब, इन दोनों पार्टियों के महारथियों की सरकारों द्वारा एम्पलाइज की छोटी छोटी पे-अनोमलीज दूर न करने के कारण आज एम्पलाइज दुखी हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों से रिक्वैस्ट करूंगा कि आप मेहरबानी करके वह नोट छापने वाली मशीन थोड़े दिन के लिए हमें दे दें चूंकि आपको याद होगा जब चौधरी देवी लाल जी 1987 में मुख्य मंत्री बने तो उस समय उन्होंने कहा था कि लोगों आप मुझे वोट दो मैं नोट छापने की मशीन आपको दे दूंगा। उस समय मैं राजनीति में नहीं था मैं उनकी यह बात सुना करता था। इसलिए मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि आप यह नोट छापने की मशीन थोड़े दिन के लिए हमें दे दें तो सभी कर्मचारियों की, किसानों की व्यापारियों की आर्थिक स्थिति ठीक हो जाएगी और कोई नाराज नहीं रहेगा।

श्री बलवंत सिंह : स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने चौधरी देवी लाल जी का नाम लिया है क्या ये उनका नाम ले सकते हैं क्योंकि वे इस हाउस के सदस्य नहीं हैं। इनको पता होना चाहिए कि नोट छापने की मशीन नहीं होती यह तो पालिसी की बात होती है यह सरकार लोगों की भलाई के लिए उनके विकास के लिए कोई पालिसी बनाएं। उन्होंने उस समय लोगों की भलाई के लिए और उनके विकास के लिए अच्छी अच्छी पालिसी बनाई थी।

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप मायना साहब से जा कर पूछ लेना कि वह कौन सी विधि है ?

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, उन्होंने बास गांव में यह कहा था कि लोगो आप मुझे वोट दो नोट छापने की मशीन थारे गांव में भी आ ज्यागी। (शोर)

श्री बलवंत सिंह : नोट छापने की मशीन नहीं होती जो किसी के घर में भेज दी जाए। उनका मकसद यह था कि पोलिसी ऐसी बनाई जाए जिससे दुकानदार, व्यापारी, किसान, मजदूर और एम्पलाइज की वित्तीय स्थिति ठीक हो जाए उनकी हालत ठीक हो जाए। (शोर)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय आधा घंटे के लिए और बढ़ाया जाता है।

आवाजें : ठीक है।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, हाउस का समय आधा घंटा बढ़ाया जाता है।

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने बजट पेश किया है यह बहुत अच्छा बजट है। यह किसानों का बजट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय मैं अपने अपोजिशन के भाईयों से निवेदन करता हूं कि ये सरकार का विरोध करें लेकिन वह कन्स्ट्रेक्टिव ढंग से करें। विपक्ष की तरफ से कन्स्ट्रेक्टिव विरोध किया जाना चाहिए। स्पीकर साहब इनको पता है और ये दिल से जानते हैं कि बिजली का सुधार हो रहा है। इसी प्रकार से इरीगेशन और ड्रेनेज के काम में सुधार हो रहा है। इनसे कोई पूछे कि क्या इन्होंने अपने समय में कोई ड्रेन खोदी थी ? क्या आपने अपने समय में बाढ़ की रोकथाम के लिए कोई काम किया था ? अध्यक्ष महोदय, यह सरकार बधाई की पात्र है जिसने बहुत बढ़िया बजट पेश किया है। यह आम नागरिकों के लिए, किसानों के लिए व व्यापारियों के लिए बहुत बढ़िया बजट है। धन्यवाद।

श्री दिलूराम (गुहला) : अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी की तरफ से जो बजट पेश किया गया है मैं इसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस बजट में कोई ऐसी बात नहीं है जो जमींदारों की, व्यापारियों की, या मजदूरों के हक की कही गयी हो। हमारे शोरेवाला जी ने किसी मजबूरी में यह बजट स्पीच पढ़ी है। ये काफी अच्छे आदमी हैं और हमारे रिश्तेदार भी हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में मैंने और सरदार जसविन्द्र सिंह जी ने जो हमारे एरियाज में ट्यूबवैल्ज हैं उनके लिए स्लैब प्रणाली लागू करने के लिए निवेदन किया था। मुझे खुशी है कि सरकार ने पेहवा में वह स्लैब प्रणाली लागू कर दी। हमारे गुहला में भी सरकार जल्दी से यह प्रणाली लागू कर देगी, यह मुझे इस सरकार पर विश्वास है।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की सड़कों की हालत के बारे में कहना चाहता हूं। माननीय मंत्री जी कुछ दिन हमारे यहां पर प्रिविलेजिज कमेटी के चेयरमैन भी रहे हैं। जब ये आते थे तो उस वक्त भी मैंने इनके सामने इन सड़कों की हालत की समस्या रखी थी। मेरे एरिया में सड़कों की दुर्दशा है। इन सड़कों पर व्हीकल्ज नहीं निकल सकते। मैं बताना चाहूंगा कि हमारे यहां पर जो सिविल हस्पताल की तरफ सड़क जाती है उस पर 300 फुट लम्बा और तीन फुट गहरा एक गड्ढा है जिसके कारण उस सड़क पर कोई व्हीकल्ज नहीं जाता। उस सड़क की हालत खराब होने के कारण कोई आदमी मरीज को चैकअप कराने के लिए उस अस्पताल में नहीं जाता है। हस्पताल खाली पड़ा है। मैं मंत्री जी से अनुरोध

करता हूं कि और सड़कों को चाहे बाद में ठीक करवा दें कम से कम उनको तुरन्त ठीक करवाने के आदेश जारी कर दें। उस सड़क की हालत बहुत ज्यादा खराब होने से सभी परेशान हैं। अध्यक्ष महोदय, आपको पता है कि बाढ़ के दिनों में टांकरी, मारकंडा व दूसरी नदियों का पानी मेरे हल्के से निकलता है। अब से पहले भी मेरे हल्के के 8-9 गांव में बाढ़ आ गई, जिसके कारण वहां पर लोगों को दुबारा जीरी लगवानी पड़ी है। आपको भी पता है कि जमींदारों का एक एकड़ पर जीरी लगाने का खर्चा 1500 रुपये एक बार का आता है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने तो यह कह दिया कि हम उन गांवों के किसानों को 600 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दे रहे हैं और किसी को 200 रुपये, किसी को 400 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने क्राईटेरिया बना रखा है कि या 50% या 75% या उससे ज्यादा जिस किसान का नुक्सान होगा उसको उसके हिसाब से मुआवजा दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मान लिजिए एक जमींदार के पास 100 एकड़ जमीन है और उसकी सौ की सौ एकड़ जमीन की फसल खराब हो गई, तो उसका 100% नुक्सान हो जाता है लेकिन उसको फिर भी मुआवजा नहीं मिलता है। अध्यक्ष महोदय, मेरी इस सरकार से प्रार्थना है कि जो आपने यह क्राईटेरिया बना रखा है इसको बदला जाये। सरकार को यह देखना चाहिए कि वास्तव में उस किसान का कितना नुक्सान हुआ है, उसी हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, गांव के अंदर कई दफा ओला वृष्टि होती है, एक खेत बच जाता है और दूसरी तरफ सारी फसल नष्ट हो जाती है तो उस बारे में ठीक तरह से गिरदावरी करवा कर मुआवजा दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इस सरकार से प्रार्थना है कि मुआवजा देने के लिए जो क्राईटेरिया बनाया हुआ है उसको बदला जाये। अध्यक्ष महोदय, हमें तो पूरी उम्मीद थी कि चौ० बंसी लाल जी की कथनी और करनी में अंतर कोई नहीं है। ये जो कहते हैं वही करते हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में 12 टेलें हैं। मेरी तो यह बदकिस्मती है कि मेरा हल्का बिजली के मामले में भी टेल पर है, हरियाणा प्रदेश की भी टेल पर है और नहरों की भी टेल पर पड़ता है, मेरे हल्के की तरफ अगर कोई मुख्यमंत्री ध्यान देगा तो वह किस्मत वाला ही होगा। मेरे हल्के में कई नहरें ऐसी हैं जो कई गांवों से 10-10 कि०मी० पीछे रह गई हैं। अगर मैं इस बारे में रत्ति भर भी झूठ बोल रहा हूं तो आप वहां पर किसी भी अधिकारी को भेजकर पता करवा लें कि उन टेलों में पानी आता है या नहीं, उन टेलों में बिल्कुल भी पानी नहीं आता। इसके अलावा मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में पानी लैवल 100 फुट नीचे चला गया है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर कोई नौजवान लड़का अपने ट्यूबवैल को ठीक करने के लिए 100 फुट गहरे कुएं में जाता है तो 100 फुट गहराई में जाने से और 100 फुट गहराई से वापिस आने से उसके दांत पीले हो जाते हैं, उसके बाद वह दोबारा कुएं में जाने की हिम्मत नहीं करता। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के लोगों के पास जमीन के नीचे के पानी का ही साधन था और वह पानी भी दिन प्रति दिन नीचे जा रहा है। मेरे हल्के में जब नहरें कच्ची थी तब उनमें पानी आता था लेकिन जब से उनको पक्का किया गया है तब से उनमें पानी बिल्कुल नहीं आता। उपाध्यक्ष महोदय, एक मारकण्डा डिस्ट्रीब्यूट्री है, मेरे हल्के का उसमें 450 क्यूसिक पानी का हिस्सा है। वह नहर इतनी खराब बनी हुई है कि अगर उसमें 450 क्यूसिक पानी की बजाय 250 क्यूसिक पानी भी छोड़ दिया जाये तो वह नहर सरदार जसविन्द्र जी के इलाके में जाकर टूट जाती है, पता नहीं उसके बनाने में क्या गलती हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, कहां 450 क्यूसिक पानी और कहां 250 क्यूसिक। जब तक उस नहर में 450 क्यूसिक पानी नहीं डाला जायेगा तब तक मेरे हल्के के लोगों को पानी नहीं मिलेगा। (विघ्न एवं शोर) उपाध्यक्ष महोदय, भाटिया माईनर, टूटियाना माईनर और गुहला माईनर 1993 की बाढ़ में 15-15 कि०मी० दूर तक बह गये। आज तक किसी ने भी उनके ऊपर कोई कार्यवाही शुरू नहीं की है क्योंकि मेरे से पहले जो विधायक था वह अपोजीशन का विधायक था,

[श्री दिलू राम]

उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अब मैं भी अपोजीशन से हूं। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय के लिए तो सारा हरियाणा प्रांत एक जैसा है, सभी को एक आंख से देखना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये कोई सराहनीय काम करेंगे तो हम उसका स्वागत करेंगे, इन्होंने शराब बंदी लागू की, यह एक अच्छा कदम था। भाई कर्ण सिंह दलाल ने यह कहा कि अपोजिशन वालों ने शराब बंदी का समर्थन नहीं किया, हमने उसका स्वागत किया, समर्थन किया। ग्रीवंसिड़ कमेटी के अंदर हम यह कहते रहे, उसके साथ-साथ मैं यह भी कहता था कि जब तक पब्लिक ओपिनियन नहीं मिलेगी तब तक यह शराब बंदी कामयाब होने वाली नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार को पब्लिक ओपिनियन मिली नहीं, सरकार ने दबाव भी डाला लेकिन यह फेल हो रई और दोबारा से हरियाणा प्रदेश में शराब लागू करनी पड़ी। यह तो सरकार की मजबूरी है यह तो इनको देखना है। (विघ्न) इसी तरह सर, मेरे इलाके में बिजली बिल्कुल डिम आती है और डिम क्या 24 घंटे में से सिर्फ 5 घंटे लाईट आती है और गर्मी बहुत भयानक पड़ी है, मच्छर बहुत ज्यादा हो रहे हैं,10 बजे के बाद तो पता नहीं बिजली कहां चली जाती है। जब अधिकारियों से बात करते हैं तब वे कहते हैं कि आपके किसान टू फेस पर मोटरें चलाते हैं इसलिए हम पूरी बिजली नहीं दे सकते। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में त्राही-त्राही मची हुई है। जब मच्छर काटते हैं, तब गांव के अंदर छोटे-छोटे बच्चे बिलखते हैं, इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा इनसे प्रार्थना है कि अगर पावर नहीं है तो कम से कम लाईट तो दी जावे ताकि जमींदार दिन भर काम करने के बाद रात को चैन की नींद ले सकें। उपाध्यक्ष महोदय, मुझे पता लगा है कि 220 के०वी० का सब-स्टेशन मेरे यहां मन्जूर हुआ है उसके लिए इस सरकार की बहुत-बहुत मेहरबानी। उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से 132 के०वी० का पावर हाउस कारथली और 32 के०वी० का भागल का सब-स्टेशन मन्जूर हुआ था। चौधरी भजन लाल जी के समय में मेरे हल्के के चकू लादाना गांव में 132 के०वी० सब-स्टेशन की आधारशिला रखी गई थी और उस पर काम भी शुरू हुआ था। उसके लिए वहां ईंटें और सरिया वगैरा भी पहुंच गया था लेकिन इस सरकार के आते ही बजाय इसके कि उस पर काम शुरू होता वहां पर जो सामान पड़ा था वह भी उठा लिया गया। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा हल्का जीरी पैदा करने वाला हल्का है इसलिए वहां पर पानी की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। मेरे हल्के में नहरों का पानी नहीं मिलता है इसलिए ट्यूबवैलों के लिए बिजली की बहुत ज्यादा जरूरत होती है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार से मेरी गुजारिश है कि उस सब-स्टेशन को बनाने के लिए दोबारा काम शुरू किया जाए। इस मामले को लेकर लोग वहां पर ऐजिटेशन करने वाले थे बड़ी मुश्किल से मैंने उनको रोका था। मैंने उनको आश्वासन दिया था कि इस में इस बात को विधान सभा सैशन के दौरान हाउस में रखूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात कहना चाहूंगा। मेरे पास कुछ आदमी गुड़ला-चीका ब्लॉक समिति की दुकानों के बारे में शिकायत लेकर आए। मैंने उस बारे माननीय मन्त्री चौधरी कंवल सिंह जी से भी बात की थी कि ब्लॉक समिति के अन्दर 8-10 दुकानें थीं जो किसी अधिकारी और ब्लॉक समिति के चेयरमैन से मिल कर डेढ़ लाख रुपये प्रति दुकान के हिसाब से कुछ लोगों ने ले ली और एक-एक दुकान की 25 हज़ार की पर्ची काटी और बाकी सवा लाख रुपये प्रति दुकान के हिसाब से वह अधिकारी और चेयरमैन पैसा पी गए। अगर दुकानों की बोली करवाई जाए तो 5-5 या 6-6 लाख रुपये की एक-एक दुकान बिकेगी। इस मामले को लेकर लोगों में काफी रोष है इसलिए माननीय मन्त्री जी भी इस ओर ध्यान देने की कृपा करें और इस मामले के बारे में कुछ कार्यवाही करवायें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मेरे हल्के में सड़कों का बुरा हाल है फ्लड़ के दौरान जो सड़कें टूट गई थीं उन पर आज तक कोई भी रोड़ा तक नहीं लगा है। (विघ्न)

श्री उपाध्यक्ष : दिलू राम जी, आप तीन मिनट के अन्दर कन्क्लूड करें।

श्री दिलू राम : उपाध्यक्ष महोदय, ट्यूबवैल्ज़ के बारे में मैंने पिछली बार कहा था कि 200-200 फुट की गहराई पर लोगों ने सबमर्सिबल ट्यूबवैल्ज़ लगाए हैं। जब भी कोई व्यापारी कोई इण्डस्ट्री लगाता है या कोई फैक्टरी खोलता है तो उसको 30% या 50% सबसिडी दी जाती है लेकिन किसानों को सबमर्सिबल लगाने के लिए कोई सबसिडी नहीं दी जाती है। सबमर्सिबल ट्यूबवैल लगाने पर डेढ़-पौने दो लाख रुपये खर्च होते हैं। सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस खर्चे में किसान को कुछ न कुछ सबसिडी दी जानी चाहिए तथा जो किसान जैनरेटर सैट ले कर आते हैं उन्हें भी सबसिडी दी जानी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं मिनी वैंक सोसायटीज़ के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। मिनी वैंक सोसाईटीज़ द्वारा जो खाद और दवाईयां किसानों को दी जाती हैं वे बहुत ही घटिया क्वालिटी की और सब-स्टैंडर्ड होती हैं। वे समितियां घटिया दवाइयों और घटिया खाद लेने के लिए किसानों को मजबूर करती हैं क्योंकि किसानों ने इनसे कर्जा लेना होता है इसलिए मजबूरी में वे इनसे ये चीजें लेते हैं। जो खाद बाज़ार में मिलती है वह एकदम फ्रैश होता है और पोलीथीन के कट्टों में मिलता है जब कि इन समितियों से जो खाद मिलता है वह जूट के बैग्ज़ में मिलता है जो कई साल पुराना होता है। यह खाद मजबूरी में किसान को इनसे लेना पड़ता है। इसी प्रकार से मिनि वैंक सोसाईटीज़ द्वारा जो कीड़े मार दवाइयां दी जाती हैं वे भी घटिया स्टैंडर्ड की होती हैं। इसके अलावा इनके पास एग्रीकल्चरल डिपार्टमैंट की मशीनरी भी नहीं होती है। इन समितियों से ली गई दवाई से कई बार पौधों के पत्ते ही झुलस जाते हैं। मेरे हल्के में इन समितियों से बहुत ही घटिया किस्म की दवाइयां मिलती हैं जिन से फायदे की जगह नुकसान हो जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि सरकार को इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। जो इस प्रकार की स्थिति पैदा हुई है उसको सुधारना और ठीक करना सरकार का फर्ज बनता है। उपाध्यक्ष महोदय, एग्रीकल्चर मिनिस्टर इस समय हाउस में बैठे हुए नहीं हैं मैं उनसे यह जानकारी चाहता हूं कि इस वर्तमान सरकार के समय में कितने लाईसैंस कीड़े मार दवाईयों के दिए गए हैं, कितने सैम्पल्ज़ लिए गए हैं और कितने सैम्पल्ज़ फेल हुए हैं और इस बारे में कितने लोगों को पकड़ा गया है ? इसके अलावा मैं एक और बात कहूंगा कि कैथल के अन्दर नरवानिया बिल्डिंग के पास कुछ खाली जगह पड़ी हुई थी उस जमीन पर पता नहीं किस ने कब्जा करवाया और पता नहीं किस ने कब्जा किया है। वहां पर रातों रात 10 दुकानें बना दी गई। उपाध्यक्ष महोदय, अगर उस जमीन का दाम लगाया जाए तो वह काफी कीमत की बैठेगी। (घंटी)

श्री उपाध्यक्ष : दिलुराम जी आप बैठ जाएं आपके बोलने का समय खत्म हो गया है।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : उपाध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी ने 132 के()वी() सब स्टेशन के बारे में कहा था तो मैं इनको उस बारे में बताना चाहूंगा कि यह चतुरदाना में है और इस पर अढ़ाई करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। यह ए()पी()एल() 2 में डाला हुआ है और यह अन्डर कंसीडेशन है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु (पेहवा) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, माननीय वित्तमंत्री जी ने वर्ष 1998-99 की वार्षिक योजना का लक्ष्य 2260 करोड़ रुपए का रखा है। यह ठीक है कि एक साल में सरकार कितने खर्चे का इन्तजाम कर सकती है यह सरकार को पता है। मैं अपोजीशन का विधायक हूं। मैं 1991 में पहली दफा और 1996 में दूसरी दफा चुनकर आया हूं। पिछली कांग्रेस की सरकार के वक्त में मेरे हल्के पेहवा के साथ भेदभाव किया गया था। पांच साल तक मेरे हल्के की सड़कों, पुलों और जिन स्कूलों की बिल्डिंग अनसेफ घोषित की गयी थी उनके लिए कोई काम नहीं किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, गुमथला में 8-9 साल से एक स्कूल की बिल्डिंग अनसेफ घोषित की हुई है। आज तक उस बारे में कोई कार्यवाही

[श्री जसविन्द्र सिंह संधु]

नहीं की गई है और न ही उस पर कोई ध्यान दिया गया है। हां एक बात वहां पर जरूर होती है कि वहां के प्रिंसिपल को हर दो महीने में एक चिट्ठी चली जाती है कि अगर वहां पर कोई दुर्घटना हुई तो उसका जिम्मेवार प्रिंसिपल होगा। अब आप ही बताएं कि इसमें वह क्या कर सकता है। इस बारे में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। इस सरकार के द्वारा भी वहां पर भेदभाव किया जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, सन् 1995 में मेरे हल्के में फ्लड आया था और उससे पहले 1993 में भी फ्लड आया था तब से लेकर आज तक वहां की सड़कें टूटी हुई पड़ी हैं। गुहला कांस्टीचुएंसी में भुसला से मेरे गांव पथोया तक एक सड़क जाती है। वह 1993 से ही टूटी हुई है वहां पर लोगों ने मिट्टी और पत्थर डालकर कुछ ठीक किया हुआ है। उपाध्यक्ष महोदय, नई सड़कें तो दूर, पुरानी सड़कों को भी रिपेयर नहीं किया जाता है। इसी के साथ मैं कृषि के बारे में कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जितनी भी इन्डस्ट्रीज हैं उनकी बीमा पालिसी हुई होती है। उनका कोई नुक्सान हो जाता है तो वे बीमा पालिसी के द्वारा वसूल कर लेते हैं उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि इसी तरह से कृषि बीमा भी जरूर होना चाहिए। डिप्टी स्पीकर सर, आज सुबह मेरे एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में रैवेन्यू मिनिस्टर ने एक बात कही कि वह इंक्वायरी करवा रहे हैं और उसके बाद उनको मुआवजा दिया जाएगा। लेकिन मुआवजे के रूप में केवल 500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से ही दिए जाएंगे। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, यह तो किसान के साथ बहुत ही भद्दा मजाक है। जिस तरह से पंजाब सरकार ने मुआवजे के रूप में पांच हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से देने की घोषणा की है वैसे ही मेरी सरकार से मांग है कि हरियाणा में भी किसान को पांच हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, बजट स्पीच में एक पैराग्राफ में किसानों की थोड़ी सी प्रशंसा की गयी है कि हरियाणा के किसान बहुत मेहनती हैं और उनकी मेहनत की वजह से ही दालों का उत्पादन बढ़ा है। उपाध्यक्ष महोदय, गेहूं की फसल अप्रैल महीने में कट जाती थी। उसके बाद मई, जून के महीनों में किसान खाली रहते थे और जुलाई में जाकर वे अपनी जीरी लगाते थे लेकिन बाद में किसानों ने अपनी कड़ी मेहनत का परिचय दिया और वे जीरी की अगेती फसल लगाने लगे जिसकी वजह से जीरी का काफी उत्पादन हुआ। सर, करनाल और लाडवा साईड में जीरी काफी मात्रा में पैदा होती है। लेकिन वहां पर जीरी को मंडियों में खरीदने के लिए कोई भी सरकारी इंतजाम नहीं है। व्यापारियों को उनकी मन मर्जी के हिसाब से किसान उनको अपनी फसल बेचने के लिए मजबूर हैं क्योंकि किसानों के पास अपना कोई गोडाउन नहीं है। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह उनकी फसल खरीदने का कोई सरकारी इंतजाम करें। इसी तरह पहले किसान पास बुक के बारे में कहा गया था लेकिन आज तक भी किसानों को कोई पास बुक जारी नहीं की गयी। मैं कल भी सहकारिता मंत्री से इस बारे में मिला था। कृषि ऋणों पर सहकारी बैंक ने केवल दो प्रतिशत ब्याज की दर कम की है जो कि बहुत ही कम है इसको 14 परसैंट से घटाकर आठ या दस परसैंट कर देना चाहिए। जैसे पंजाब सरकार ने किसानों को एक लाख रुपये तक का ऋण देने की सुविधा दी है वैसे ही हरियाणा सरकार को भी देनी चाहिए। किसानों की आत्महत्याओं के बारे में भी यहां पर जिक्र आया था। उन आत्महत्याओं का दोष केवल इस सरकार पर ही नहीं लगना चाहिए क्योंकि केवल दो सालों में यह बात नहीं हुई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों को जैसी राहत की उम्मीद इस सरकार से थी वैसी राहत किसानों को इस सरकार से नहीं मिलती इसलिए ये आत्महत्याएं होती हैं। उपाध्यक्ष महोदय, आज कई किसानों के बच्चे ऐसे कालेजों में पढ़ते हैं जहां पर उनके साथ दूसरे अच्छे घरों के बच्चे भी होते हैं जिनके पास मोटर साईकिल या मोपेड होती हैं। किसानों के बच्चे भी घर आकर अपने बाप से ये चीजें मांगते हैं लेकिन किसान उनको देने में असमर्थ होता है इसलिए कई बार इन्हीं बातों को लेकर झगड़े भी

हो जाते हैं। आज किसानों के बच्चों की इच्छाएं बढ़ गयी हैं उनके खर्चे बढ़ गए हैं लेकिन आज किसान की हालत बद से बदतर होती जा रही है। आज की सरकार की वजह से ही नहीं बल्कि पिछली सरकारों की वजह से भी किसान की हालत खराब हुई है। इसी तरह से मैं बाढ़ के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे यहां पर मारकंडा नदी के ऊपर पक्का बांध नहीं है वहां पर पक्का बांध बनवाया जाना चाहिए। इसी तरह से बीबीपुर लेक में वाटर लिफ्ट पम्प लगाया जाना चाहिए। जब तक यह नहीं होगा तब तक मेरे हल्के में इरीगेशन के लिए पानी की समस्या बनी ही रहेगी। इसलिए सरकार को इस समस्या की तरफ ध्यान देना चाहिए। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मेरा 21 तारीख को एक क्वैश्चन था लेकिन वह समय की कमी के कारण लग नहीं पाया। मेरा वह सवाल यह था कि पेहवा कांस्टीच्यूएंसी में मिडिल, हाई या 10+2 के जितने भी स्कूल हैं उनमें टीचर्ज की कितनी पोस्ट्स रिक्त हैं। इसके जवाब में मुझे 33 स्कूलों के बारे में बताया। इसमें से दस स्कूल ऐसे थे जहां पद रिक्त नहीं थे लेकिन बाकी स्कूलों में टीचर्ज के पद रिक्त थे। मेरे अपने गांव गुमथला में 25 पोस्ट्स में से टीचर्ज की दस पोस्ट्स खाली हैं। इसी तरह से और भी कई ऐसे स्कूल हैं जहां पर टीचर्ज के पद रिक्त पड़े हुए हैं। कई गांवों के स्कूलों में टीचर न होने की वजह से बच्चे दूसरे गांवों के स्कूलों में पढ़ने के लिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमारा एरिया पैडी सोईंग एरिया है। अब जीरी की खेती बहुत ही अगेती होने लग गयी है। स्पीकर सर, राइस शूट हमें 2-3 और 4 जुलाई तक दिए गए जबकि जून के फर्स्ट वीक में मिल जाने चाहिएं थे। पहले जिस रकबे के लिए 6 इंच्ची राइस शूट दिए जाते थे अब वहां 4 इंच्ची या उससे भी कम साईज़ के दिए जाते हैं। यह हमारे साथ भेदभाव है। इसके अलावा पुराने राइस शूट को रिन्यू कराने के लिए जो ऐप्लीकेशन दी जाती है उसके लिए 1500 रुपये चार्ज किए जाते हैं और नये के लिए 2500 रुपये चार्ज किए जाते हैं। सिर्फ ऐप्लीकेशन एक्सैप्ट करने के लिए इतने रुपये चार्ज किए जाते हैं। उसकी रसीद काट कर दी जाती है। मेरी समझ में नहीं आता कि इसमें सरकार का लगता क्या है। यह बिल्कुल गलत बात है और ये चार्जिज खत्म होने चाहिएं। पिछले सत्र में पेहवा-गुहला के पट्टेदारों, फौजी पेंशनरों और स्वतंत्रता सेनानियों को उठाने की बात आई थी। मैंने मुख्यमंत्री जी और मंत्री जी से उस बारे अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि हमारी उनसे बातचीत चल रही है, तेरे को चौधरी नहीं बनने देंगे ''तू क्यों खीर में नून डाल रहया सै'' मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि जवाब देते समय बताएं कि 6 महीने हो गए हैं सरकार ने उनसे क्या बातचीत की है। बादल सरकार ने मण्ड के इलाके में बसे हुए इस तरह के पट्टेदारों, भूतपूर्व फौजियों को जायज कीमतों पर किश्तें बांधकर जमीनों के पट्टे दिए हैं, मालिकाना हक दिए हैं। इसी तरह से हमारे यहां के पट्टेदारों, फौजी पेंशनरों और स्वतंत्रता सेनानियों को भी उजड़ने से रोका जाए और उन्हें मालिकाना हक दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं ऊन बातों पर न जाते हुए कि चौधरी बंसी लाल जी ने क्या क्या वायदे किए थे, एस०वाई०एल० नहर का जिक्र करना चाहूंगा। स्पीकर सर, हमें इस नहर से बहुत ज्यादा दिक्कत है। पंजाब के राजपुरा इलाके का बरसात का टोटल पानी इस एस०वाई०एल० नहर के द्वारा कुरुक्षेत्र से साइफन होते हुए कुरुक्षेत्र कांस्टीच्युएंसी के तकरीबन सारे जिले का नुकसान करके नरवाना ब्रांच के नीचे से होकर हमारी जो बीबीपुर लेक है उसमें डालकर हमारे इलाके का बहुत ज्यादा नुकसान करता है। यदि एस०वाई०एल० कैनाल नहीं बन सकती तो इस पर पंजाब के बार्डर पर बांध लगा दिया जाए। जब कभी इस नहर को बनाया जायेगा एकड़ दो एकड़ के टुकड़े में बने हुए बांध को हटाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसका फौरन कोई न कोई हल होना चाहिए। स्पीकर सर, सैंटर की पिछली कांग्रेस की सरकार के समय में मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट्स को अपने हलके के विकास के लिए डिवैल्पमैंट ग्रांट दी गई थी उसके पैटर्न पर यहां भी पिछली कांग्रेस सरकार ने एम०एल०एज० को यह ग्रांट देनी शुरु की थी। चौधरी भजन

[श्री जसविन्द्र सिंह संधू]

लाल जी ने हर मैम्बर को 20 लाख रुपये वार्षिक ग्रांट देने की घोषणा की थी। हमारी पार्टी ने उसका विरोध किया था और कहा था कि यह राशि कम से कम 50 लाख रुपये होनी चाहिए। हमने वह राशि लेने से इंकार कर दिया था। विकास पार्टी के विधायकों ने वह 20 लाख रुपये की राशि भी ले ली और बाद में भजन लाल सरकार ने 40 लाख रुपये देना मान लिया तो विकास पार्टी के सदस्यों ने वह राशि भी ले ली। स्पीकर सर, इनका फर्ज बनता है कि जब इन्होंने उस समय इसका विरोध नहीं किया और वह ग्रांट ली तो अब भी दी जानी चाहिए। इनकी पार्टी के जो एम०पी० दिल्ली में गए हैं वे भी 2 करोड़ रुपये ग्रांट लेते हैं जब लेने की बारी आती है * * * देने की बारी आती है तो ये कहते हैं कि हम नहीं देंगे हमारे पास पैसा नहीं है।

श्री अध्यक्ष : यह जो झोली कर लेते हैं यह शब्द रिकार्ड न किए जाएं।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधू : यह डिवैल्पमैंट ग्रांट सरकार 50 लाख की चालू करे। (घंटी) हमारे यहां के किसानों को सिंचाई का पूरा पानी न मिलने के कारण एक फसल बोने का मौका मिल पाता है इसलिए सरकार को दूसरी फसल का मुआवजा किसानों को देना चाहिए। (घंटी) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, पेहवा में फोर मरला कालोनी और माडल टाउन कालोनी बारिश होते ही डूब जाती है इसके बारे में हमारे साथ भेदभाव है। उस समस्या का समाधान होना चाहिए। हमारे पेहवा में कोई सब्जी मंडी नहीं है इस बारे में 1991 से लगातार मैं इस सदन में यह मांग रख रहा हूं लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। पिछली सरकार के वक्त में चौधरी अमर सिंह जी मेरे हल्के में मारकंडा नदी पर पुल बनाने के लिए शिलान्यास कर गए थे लेकिन वह पुल अभी तक नहीं बना है।

नई सरकार ने टयूक गांव में मारकण्डा नदी पर पुल बनाने का इस बजट में प्रावधान किया है उसको जल्दी बनाया जाये। अध्यक्ष महोदय, जहां तक वाटर सप्लाई और सीवर प्रणाली को चालू करने की योजना इस बजट में बनाई गई है उस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिलावार जिन गांवों की आबादी 5-6 हजार से ज्यादा है उनमें यह प्रणाली चालू की जाये। यह न हो कि यह स्कीम भिवानी जिले तक ही सीमित रहे। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद।

लोक सम्पर्क राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने भिवानी जिले तक स्कीम को सीमित रहने की बात कही है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि इनके हल्के में एक 220 के०वी० के सब स्टेशन की आगमैंटेशन करनी है जिस पर 4.75 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं और दो करोड़ रुपये और खर्च करने की प्रोपोजल है। जो इनके हल्के में ही खर्च होना है।

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधु : क्या यह सब स्टेशन गुमथला में है ? क्योंकि कुछ अधिकारी मेरे से पूछने आये थे कि जमीन कहां पर ठीक रहेगी। अगर ऐसा किया है तो आपका धन्यवाद।

श्री अतर सिंह सैनी : यह सब स्टेशन गुमथला की बजाये पेहवा में है।

आवास राज्य मंत्री (श्री सतनारायण सिंह लाठर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। माननीय वित्त मंत्री श्री शोरेवाला जी ने जो 21 तारीख को बजट पेश किया है वह बहुत सराहनीय बजट है। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि बिजली के मामले में जो इस प्रदेश की गंभीर समस्या बनी हुई थी उस समस्या के समाधान के लिए चौधरी बंसी लाल जी ने बड़े ठोस कदम उठाये हैं। माईनरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने का काम,

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

नये-नये माईनरों का निर्माण, पीने के पानी की व्यवस्था के लिए इस सरकार ने काफी प्रगति का काम किया है। मैं इस सदन को बताना चाहता हूं कि माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच बहुत लम्बी है। चौधरी देवीलाल के समय में चार नये जिले बनाये गये थे परन्तु किसी भी नये जिले के लिए मिनि सैक्रेटैरिएट नहीं बनाये गये।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker : Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by 15 minutes.

Voices : Yes.

Mr. Speaker : Alright, the time of the sitting is extended by 15 minutes.

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सतनारायण लाठर : स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी के समय में पंचकुला जिला बनाया गया और वर्तमान सरकार के समय में दो जिले नये बनाये गये। मैं इस महान सदन को बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने पद ग्रहण करने के बाद नौ लघु सचिवालयों का उद्घाटन किया जिनमें से पंचकुला का लघु सचिवालय बनकर तैयार हो चुका है और 8 जिलों में चार मंजिले लघु सचिवालय बनने शुरू हो चुके हैं। विपक्ष के साथियों के राज में यह होता था कि उद्घाटन करते थे और चलते बनते थे कोई काम पूरा नहीं होता था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि विपक्ष के नेता जो खुद डरपोक और कमजोर हैं उन्होंने लगातार दो दिन तक चौधरी बंसीलाल के बारे में अनाप-शनाप कहा। मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहता हूं कि जिस समय चौधरी देवीलाल जी देश के डिप्टी प्राइममिनिस्टर थे और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री थे उस समय चौधरी देवीलाल जी जब सिरसा जाते थे तो वे दिल्ली से रोहतक हो कर वाया मक्रम के रास्ते न होकर रोहतक से भिवानी-हांसी-हिसार होकर सिरसा जाते थे। आज वे चौधरी बंसीलाल को कमजोर बताते हैं। आज प्रदेश में गुण्डागर्दी और लूटखसोट जो लोग कर रहे हैं उन बदमशों के शंहशाह चौधरी ओमप्रकाश चौटाला हैं। मैं 1985 में जब इनकी पार्टी में था तो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने जींद में युवाओं का एक सम्मेलन बुलाया उस समय वे अपने नाम के आगे चौटाला नहीं लिखते थे और वहां पर युवाओं को कहा कि अगर इस बार चौधरी देवीलाल का स्पष्ट बहुमत आ गया . . . . . (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। माननीय मंत्री जी ने जो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी पर बदमाशों के शंहशाह होने का आरोप लगाया है उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। (विघ्न)

श्री सतनारायण लाठर : मैं इस बात का सबूत दूंगा। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसीलाल) : अध्यक्ष महोदय, असली बात का तो माननीय मंत्री जी को पता है जो बोल रहे हैं क्योंकि पहले खुद मंत्री जी ही चौटाला साहब के साथ होते थे। ये माननीय सदस्य तो पार्टी में कल ही आये हैं।

18.00 बजे **श्री सत नारायण लाठर :** अध्यक्ष महोदय, 1985 में लोकदल पार्टी के नौजवानों का एक सम्मेलन हुआ था, उस समय श्री ओम प्रकाश चौटाला ने कहा था कि चौधरी देवी लाल को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलानी है। श्री संपत सिंह जी भी इस बात के गवाह हैं। उन्होंने श्री जय प्रकाश को भी कहा

था कि ग्रीन ब्रिगेड बना लो हम जबरदस्ती सत्ता छीनेंगे। उन्होंने कहा था कि सत्ता छीनी जाती है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि इनके अपने भाई श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री देवी लाल जो हरिजनों का मसीहा बनता है। उस ने एक शपथ पत्र दिया है। इन हरिजन विधायक भाईयों को यह सोचना चाहिए कि जिस ओम प्रकाश चौटाला ने उनकी जमीनें कोड़ियों के भाव खरीदी हैं, वह कैसे उस को हमदर्द कह सकते हैं। श्री ओम प्रकाश चौटाला को तेजाखेड़ा फार्म के आस-पास जो भी जमीन अच्छी लगती थी, पहले ही तहसीलदार से उस जमीन की रजिस्ट्री करवा लेता था और उसके मालिक को बुलाकर के कहता था कि अपनी इस जमीन के ये पैसे ले लो। जब वह कहता कि मुझे यह जमीन बेचनी नहीं है क्योंकि यह जमीन मैंने मेरी औलाद के लिए रखी है तो उस को वह कहता था कि पैसे लेने हैं तो ले लो नहीं तो ये पैसे भी नहीं मिलेंगे तथा उसको इस प्रकार से भगा देता था। (शोर) इन की सुनने की आदत नहीं है। श्री ओम प्रकाश चौटाला भी सुनने के वक्त सदन से चले गए हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : माजरा साहब, आप बताएं कि कौन सा केस सब-जुडिस है ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इस केस में पर्चा दर्ज हो चुका है और अब वह हाई कोर्ट में विचाराधीन है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई केस कोर्ट में सब्जुडिस नहीं है।

श्री सत नारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, ये भाई कानून और व्यवस्था की बात करते हैं जबकि महम के फरवरी, 1990 के उप चुनाव और मई, 1990 के उप चुनाव का मैं चश्मदीद गवाह हूं। भाई अमीर सिंह को बहुत बेरहमी से इन लोगों ने मारा था। इसके पूरे कागजात मेरे पास हैं। उस समय संपत सिंह जी, गृहमंत्री, पंचायत मंत्री मास्टर हुकम सिंह, परिवहन मंत्री धर्मवीर तथा हिसार के सांसद जय प्रकाश को सिपाहियों ने बुरी तरह से पीटा था और उन्होंने रैस्ट हाऊस में घुसकर अपनी जान छुड़ाई थी। गृहमंत्री को पुलिस वाले पीटें इससे ज्यादा शर्म की बात और क्या हो सकती है ?

श्री संपत सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये बिल्कुल बेबुनियाद बात कह रहे हैं।

श्री सत नारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, ये बार-बार एक बात कहते हैं कि हम ने जनता का विश्वास जीता है। मैं आपको कहना चाहता हूं कि इन्होंने लोकसभा चुनावों में बी०एस०पी० के साथ समझौता किया और श्री ओम प्रकाश चौटाला जी करनाल में जाकर के एम०एस० लाठर को कहने लगे कि इस बार यहां से चौधरी भजन लाल को जिताना है। इस पर वह कहने लगा कि फिर कांग्रेस से समझौता क्यों नहीं किया है ? इस पर वह कहने लगा कि अगर हम ऐसा करते तो हमें जाटों के वोट नहीं मिलने वाले थे। इन साथियों को मैं बताना चाहता हूं कि ये समझौता किसी पार्टी से करते हैं और मदद किसी दूसरी पार्टी की करते हैं। उदाहरण के तौर पर मैं बताना चाहता हूं कि आदमपुर से लोकसभा उप-चुनावों में ओम प्रकाश चौटाला के लड़के को पहले 46000 वोट मिले थे जो अब घटकर मात्र 5000 रह गए हैं। इस उप चुनाव में बाप-बेटों ने एड़ी-चोटी का जोर भी लगाया लेकिन इन की हैसियत सामने आ गई है। (शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात बताना चाहता हूं कि ये समझौते किससे करते हैं और क्या कहते हैं। चुनावों से पहले ओम प्रकाश चौटाला स्टेजों पर जाकर कहता था कि जो आदमी अपनी शादी नहीं कर सकता, अपना घर नहीं बसा सकता, वह देश को क्या चलाएगा। आज अपने बाप को राज्यसभा का मैम्बर बनाने के लिए, महज थोड़े से स्वार्थ के लिए उनके आगे झोली फैला दी कि हमारे एम०पी० ले लो और मेरे बाप को किसी तरह तुम्हारी पार्टी के विधायकों के वोट दिलवा दो। ओम प्रकाश चौटाला के ऐसे समझौतों की मैं बातें बता रहा हूं।

डा० वीरेन्द्र पाल अहलावत : अध्यक्ष महोदय, यह मंत्री महोदय ने ठीक फरमाया कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से चौ० देवीलाल एम०पी० बने हैं लेकिन इससे शर्म की बात और क्या हो सकती है कि ये 35 हैं और ये अपना एक भी एम०पी० नहीं बना पाए, कहीं डूब के मर जाओ।

श्री सतनारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज विपक्ष के नेता ने नहरों की बात कही। अध्यक्ष महोदय, 4-5 दिन पहले अखबारों में खुले तौर पर आया कि प्रकाश सिंह बादल ने कहा कि किसी भी कीमत पर पंजाब के एरिया में हम एस०वाई०एल० नहर नहीं खुदने देंगे। सबको जग जाहिर है, प्रैस वालों को पता है, सभी अधिकारियों को और हरियाणा की जनता को पता है कि प्रकाश सिंह बादल के साथ चौ० ओम प्रकाश चौटाला के कैसे सम्बन्ध हैं, चौ० देवीलाल के कैसे सम्बन्ध हैं। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जब सर्वदलीय बैठक बुलाई तो ओम प्रकाश चौटाला महज इसलिए नहीं आया कि कहीं प्रकाश सिंह बादल, इनके चाचा श्री नाराज न हो जाएं। अध्यक्ष महोदय, ये हरियाणा के हितों के साथ कुठाराघात करते हैं। सदन में बैठकर इसलिए वायकाट करते हैं और इसलिए तु-तू मैं-मैं करते हैं ताकि अखबारों में इनका नाम छप जाए। हरियाणा के हितों से इनका कोई लेना देना नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज ये पानी की बात करते हैं, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1978 में 18 लाख एकड़ फीट पानी हरियाणा के हिस्से में आया लेकिन उसमें से जो पानी हमारे इलाके के हिस्से का था, जो पानी सोनीपत, रोहतक, भिवानी, फरीदाबाद, गुड़गांव जिलों के हिस्से का था, चौ० देवीलाल ने उन एरियाज की जनता के साथ बेइमानी की और वह 18 लाख एकड़ फीट पानी भाखड़ा के जरिए अपने खेतों में लेकर गए। अब हरियाणा की जनता का दिल जीतना चाहते हैं, किसान मजदूर की बात करते हैं। यदि उन्होंने विपक्ष की राजनीति करनी है तो मेरे नेता चौ० बंसीलाल से सीखें। 1991 से 1996 तक माननीय बंसीलाल विपक्ष में बैठा करते थे। उस समय चौधरी बंसी लाल जी, चौधरी भजन लाल और उस समय के अध्यक्ष को सरकार चलाने के अच्छे अच्छे सुझाव देते थे। चौ० बंसीलाल पांच साल तक विपक्ष में रहे उन्होंने कभी सड़कें नहीं रुकवाई, कभी पेड़ नहीं कटवाए और न कभी कोई गुंडागर्दी करवाई। हमें कहते थे कि गांधीवादी तरीके से अपना सत्याग्रह करो और अपनी नीतियां लोगों को बताओ। लोगों को ये बताओ कि हमारी सरकार आएगी तो हम ये-ये काम करेंगे। ओम प्रकाश चौटाला और उसके साथियों का काम है कहीं छात्रों को भड़का देना, कहीं किसानों को भड़का देना और कहीं नर्सों को बहका देना, कहीं शूगर मिल में हड़ताल करवा देना। इनका काम हरियाणा में आग लगवाना है। इनका एक सूत्री कार्यक्रम अपनी रोटी सेकना और अपनी दुकान चलाना है। ओम प्रकाश चौटाला को पता है कि मैं कभी सत्ता में नहीं आ सकता। ये टिकटें बेचकर अपनी दुकानदारी चलाए हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जो यहां बैठे हैं उनको बताना चाहूंगा कि वे 25 मई 1997 को जींद में कुछ माइनर्ज की घोषणा करके आए थे। मैं चाहूंगा कि उन माइनर्ज की खुदाई का काम जल्दी से जल्दी शुरू करवाया जाए क्योंकि यह जनहित कार्य है। शिक्षा के बारे में मेरी आपसे प्रार्थना है कि ज्यादा से ज्यादा आप इसको बढ़ावा दें। जहां तक कांग्रेस की बात है, चौ० बीरेन्द्र सिंह .....

एक आवाज : चौ० बीरेन्द्र सिंह सदन में उपस्थित नहीं है।

श्री सतनारायण लाठर : अगर बीरेन्द्र सिंह यहां नहीं है, बाकि सारा सदन तो यहां है। बीरेन्द्र सिंह किसानों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन किसानों के बारे में उनको क, ख, ग का पता नहीं है।

डा0बीरेन्द्र पाल अहलावत : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा क्योंकि माननीय सदस्य शिक्षा को बढ़ावा देने की बात करते हैं।

Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Haryana
Chandigarh

श्री अध्यक्ष : यह कोई प्वायंट औफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाएं। (शोर)

श्री सत नारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी हाउस में मौजूद हो गए हैं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जो उचाना हल्के में जा कर कभी भी लोगों से यह नहीं पूछते कि उनकी तकलीफ क्या है उनको दर्द क्या है क्योंकि इनको उचाना हल्का से कुछ लेना देना नहीं है। ये जय प्रकाश से समझौता करके इस बार एम०एल०ए० बन गए। आज ये किसानों की बात करते हैं।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण–

श्री बीरेन्द्र सिंह द्वारा

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट औफ पर्सनल एक्सप्लेनेशन। बात यह है कि मैंने अपने भाषण में भी पूरी रिस्ट्रेन बरती है। मैं अपने भाषण में किसी पर कोई पर्सनल आक्षेप नहीं करना चाहता था। मैं अपने भाई से कहता हूं कि वह अपनी औकात में रहे। मैं तो लगातार 21 साल से एम०एल०ए० हूं जिस दिन तू मेरे मुकाबले में एम०एल०ए० रह लेगा फिर मेरे खिलाफ बोलना फिर मान लेंगे। अगर इस बार तेरी जमानत जब्त न हो जाए तो मुझे आ कर पकड़ लेना।

वर्ष 1998-99 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री सत नारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जो मेरी जमानत जब्त होने की बात करते हैं इनको तो यह पता ही नहीं है कि इनकी अगले चुनावों में क्या हालत होगी क्योंकि इस बार भी ये जय प्रकाश से मिल करके एम०एल०ए० बने हैं नहीं तो इनका कहीं आस पास भी नम्बर नहीं था। अगर ये जय प्रकाश से समझोता नहीं करते तो इनका खाता भी नहीं खुलता। आज ये नौकरियों की बात करते हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, लाठर बड़ा आदमी है यह जब से एम०एल०ए० बना है तब से इसके घर बैजी लगी है वह आज तक बंद नहीं हुई है। (हंसी)

श्री सत नारायण लाठर : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि अगर विपक्ष के माननीय सदस्यों को कोई सीख लेनी है तो वह चौधरी बंसी लाल जी से ले लें। मैं विपक्ष के माननीय सदस्यों से कहूंगा कि हरियाणा सरकार जो अच्छे काम कर रही है उनका आपको अनुसरण करना चाहिए और उन कामों की आपको सराहना करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी नौकरियों की जो बात करते हैं मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद नौकरियां मैरिट के आधार पर दी जाती हैं। कहीं कोई गलत सिफारिश नहीं की जाती। बिना मैरिट के किसी को नौकरी नहीं दी जाती है। जितनी भी नौकरियां दी जाती हैं वे सारी मैरिट के आधार पर दी जाती हैं। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं एक बार फिर आपका पुनः धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Now the House is adjourned till 2.00 P.M. on Monday, the 27th July, 1998.

*18.14 hrs. (The Sabha then *adjourned till 2.00 P.M. on Monday the 27th July, 1998.)

30578–H.V.S.–H.G.P. Chd.